

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 53 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 19 अक्टूबर 2026(सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

जमीन विवाद में युवक का अपहरण कर बेरहमी से पीटा, आंख और सिर फोड़ा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जमीन विवाद को लेकर एक युवक के अपहरण और उस पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कार सवार तीन युवकों ने 35 वर्षीय सागर राठी को रास्ते में रोककर उसके साथ गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों तथा लोहे की रॉड से बेरहमी से मारपीट की। हमलावरों ने उसकी एक आंख और सिर पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उसके ऊपर कार चढ़ाकर पैर भी तोड़ दिया। इसके बाद उसे मृत समझकर आसिफाबाद-चंदपुरा के जंगल में फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। राहगीर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत के चलते उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मामला अगौता थाना क्षेत्र का है और घटना 14 अक्टूबर की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, अख्तियारपुर गांव निवासी बिजेंद्र राठी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका 35 वर्षीय बेटा सागर राठी 14 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे मोबाइल ठीक कराकर गांव लौट रहा था।

बॉलीवुड में सनसनी

जुहू के पुष्पा पार्क इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर 5 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग, बाल-बाल बचे लोकप्रिय अभिनेता

बॉलीवुड में सनसनीः टाइगर श्रॉफ की कार पर 5 राउंड फायरिंग का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

मुंबई। फिल्म नगरी मुंबई से इस वक्त एक अत्यंत सनसनीखेज, डराने वाली और बड़ी खबर सामने आ रही है। बॉलीवुड के लोकप्रिय एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात हमलावरों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। जुहू के व्यस्त और पॉश इलाके में हुई इस वारदात से न केवल फिल्म इंडस्ट्री में बल्कि आम जनता के बीच भी भारी दहशत और हड़कंप मच गया है। गनीमत यह रही कि इस जानलेवा हमले में टाइगर श्रॉफ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मुंबई पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद अभिनेता के सुरक्षित होने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

क्या है घटना का पूरा घटनाक्रम?

पुलिस सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना जुहू स्थित जाने-माने पुष्पा पार्क इलाके की है। टाइगर श्रॉफ अपनी गाड़ी से किसी जरूरी काम के सिलसिले में या



अपने दैनिक रूटीन के तहत बाहर निकले थे। जैसे ही उनकी गाड़ी पुष्पा पार्क के पास पहुँची, पहले से ही घात लगाए बैठे और रेकी कर रहे तीन अज्ञात बदमाश पल्सर या अपाचे जैसी तेज रफ्तार बाइक पर सवार होकर आए। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अभिनेता की कार को चारों तरफ से घेर लिया। बदमाशों ने कार को निशाना बनाते हुए एक के बाद एक ताबड़तोड़ 5 राउंड गोलियां चलाईं। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। इस अचानक हुए हमले से वहां मौजूद आम लोग और राहगीर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। अपनी गाड़ी पर गोलियां बरसते देख ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए कार की गति बढ़ाई और किसी तरह सुरक्षित स्थान की ओर निकल गया। वारदात को अंजाम देने के तुरंत बाद तीनों हमलावर बाइक पर सवार होकर अंधेरे और भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए।

प्रशासन में हड़कंप, मुख्यमंत्री और पुलिस आयुक्त का कड़ा रुख

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस महकमे में तुरंत हड़कंप मच गया। कुछ ही मिनटों में जुहू पुलिस स्टेशन की टीम, एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और मुंबई क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी तुरंत मौके पर पहुंचकर कार पर लगे गोलियों के निशानों की जांच की और वहां से कारतूस के खोखे तथा अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। मामले की गंभीरता को भांपते हुए राज्य के गृह मंत्रालय और प्रशासनिक तंत्र ने इसे बेहद कड़ाई से लिया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल फायरिंग की घटना के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने खुद मुंबई पुलिस कमिश्नर से टेलीफोन पर बात की और पूरी स्थिति का जायजा लेते हुए अपराधियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजने के सख्त निर्देश दिए। क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की संयुक्त जांच, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे मुंबई पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्राइम ब्रांच की आधा दर्जन से अधिक विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस उन सभी रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिनका इस्तेमाल हमलावरों ने आने और भागने के लिए किया था। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस हमले के पीछे कोई पुरानी रंजिश, किसी विरोधी गैंग का हाथ, या फिर रंगदारी (फिरौती) मांगने जैसी कोई धमकी जुड़ी हुई है। फिलहाल टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत कड़ा कर दिया गया है और उनके आवास के आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इस साजिश का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

जुहू के पुष्पा पार्क इलाके में कथित गोलीबारी से दहशत, हमलावरों की तलाश और घटना की जांच

टाइगर श्रॉफ की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग!

मुंबई के जुहू स्थित पुष्पा पार्क इलाके में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच राउंड गोलीबारी किए जाने का दावा सामने आया है। घटना के बाद इलाके में दहशत फैलने की खबर है। अभिनेता की सुरक्षा और हमलावरों की पहचान को लेकर मामला चर्चा में है। हालांकि, खबर प्रकाशित करने से पहले पुलिस के आधिकारिक बयान से घटना की पुष्टि जरूरी है

भरूच के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट की दिवाली पर पटाखे जलाते समय सावधान रहने की पब्लिक अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले की पब्लिक को सूचित किया जाता है कि दिवाली के त्योहार के दौरान 08/11/2026 से 11/11/2026 तक छोटे और बड़े पटाखे जलाए जाते हैं। उस दौरान छोटे और गंभीर एक्सीडेंट होने की संभावना रहती है। इसलिए, पब्लिक से रिक्वेस्ट है कि ऐसे एक्सीडेंट को रोकने के लिए नीचे दिए गए सावधानी के तरीके अपनाएं।उस जगह के पास न खड़े हों जहां पटाखे या गोला-बारूद जलाया जा रहा हो। बच्चों और पुरुषों को आमतौर पर छोटी और बड़ी चोटें लगने की संभावना ज़्यादा होती है। इसलिए, पटाखे जलाते समय सावधान रहें। कई मामलों में, एक रॉकेट को बोतल में रखकर फोड़ा जाता है। आमतौर पर इसकी स्पीड 200 मील प्रति घंटे से ज़्यादा होती है। जिससे अगर आप इसकी दिशा में आते हैं तो गंभीर एक्सीडेंट होने की संभावना रहती है।

सेना के मेजर की पत्नी पर जासूसी का आरोप, एआई टूल्स से रक्षा संबंधी नोट्स बनाने की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जम्मू। जम्मू में सेना के एक मेजर की पत्नी के खिलाफ कथित जासूसी के मामले में जांच शुरू की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, महिला ने चैटजीपीटी और क्लाउड जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स की मदद से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील विषयों पर नोट्स और शोध-पत्र तैयार किए थे। आरोप है कि ये पेपर चीनी खुफिया एजेंसियों से जुड़े लोगों के लिए तैयार किए जा रहे थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि महिला ने वास्तव में किस तरह की जानकारी जुटाई और क्या इसे किसी विदेशी संपर्क के साथ साझा किया गया था। महिला मूल रूप से तेलंगाना की रहने वाली है और उच्च शिक्षित बताई गई है। वह स्वतंत्र शोधकर्ता के तौर पर काम कर रही थी।



अधिकारियों के अनुसार, उसे सुरक्षा, रक्षा और भू-राजनीति से जुड़े विषयों पर शोध-पत्र तैयार करने का काम दिया गया था। इनमें नियंत्रण रेखा (एलओसी) की स्थिति, अरुणाचल प्रदेश में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और ड्रोन की तैनाती जैसे विषय शामिल बताए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 14 अक्टूबर को खुफिया एजेंसी और पुलिस की संयुक्त टीम ने महिला को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर रोका था। वह पठानकोट जाने वाली ट्रेन में सवार होने वाली थी। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए पास के सैन्य स्टेशन ले जाया गया। जांच के दौरान उसका मोबाइल फोन जब्त कर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महिला को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जांच एजेंसियां उसके मोबाइल फोन में मौजूद सामग्री, डिजिटल गतिविधियों और विदेशी संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि तैयार किए गए दस्तावेज केवल शोध के लिए थे या उनका इस्तेमाल किसी संवेदनशील जानकारी को विदेशी एजेंसियों तक पहुंचाने के लिए किया गया।

चीनी खुफिया एजेंसियों से जुड़े लोगों के लिए पेपर तैयार करने का संदेह

आठवीं पास नानजीराम बना बैठा गायनेकोलॉजिस्ट, आठ महीने में 1200 से ज्यादा सर्जरी करने का दावा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रानीवाड़ा। एसओजी की गिरफ्त में आया नानजीराम चौधरी आठवीं तक पढ़ा होने के बावजूद खुद को गायनेकोलॉजिस्ट बताकर चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय था। बताया जा रहा है कि उसने वर्ष 2015 में अपने गांव दहीपुर में सरपंच का चुनाव लड़ा था, लेकिन हारने के बाद डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस शुरू कर दी। वर्ष 2016 में उसने सांचौर रोड स्थित राजदेव क्लीनिक को अपने हमनाम साझेदार के साथ लीज पर लिया। इससे पहले वह इसी क्लीनिक में स्वीपर और रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करता था। करीब एक साल बाद साझेदार के अलग होने पर उसने क्लीनिक का नाम बदल दिया और वहां मरीजों का इलाज करना शुरू कर दिया। बताए गए घटनाक्रम के अनुसार, नानजीराम ने शुरुआत में प्रसव कराने से काम शुरू किया। इसके बाद वह हर्निया और पथरी जैसी बीमारियों के ऑपरेशन भी करने लगा। आरोप है कि उसने दिखावे के लिए गुजरात के कुछ सर्जनों को नियुक्त किया, लेकिन उनके राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण नहीं थे। ऐसे में उन चिकित्सकों के नाम पर खुद ऑपरेशन करने के आरोप भी सामने आए हैं। बताया गया है कि आठ महीने के दौरान उसने 1200 से अधिक सर्जरी की थीं। हालांकि, इन आंकड़ों और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी। नानजीराम ने वर्ष 2016 में लीज पर लिए गए क्लीनिक से अपनी पहचान बनाई।

लंदन से लौटने के बाद पति के टॉर्चर करने पर पत्नी ने सुसाइड कर लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जशोदानगर में शिवानंद बंगलोज सोसाइटी में रहने वाली 26 साल की शादीशुदा महिला दीपिका ने अपने पति की फिजिकल और मेंटल टॉर्चर, शक और दहेज की मांग से तंग आकर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। लंदन से लौटने के बाद उसका पति बेरोजगार हो गया और उसने सट्टा लगाना शुरू कर दिया, और पैसे की तंगी के कारण वह अपनी पत्नी को टॉर्चर कर रहा था। मृतका के पिता की शिकायत के आधार पर वटवा GIDC पुलिस ने पति के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। लंदन में कंपनी बंद होने के बाद दोनों अहमदाबाद लौट आए राजस्थान के जोधपुर के रहने वाले पेंटर दिनेशभाई भवरलाल पवार की शिकायत के मुताबिक, उनकी 26 साल की बेटी दीपिका की शादी 31 जनवरी, 2024 को जशोदानगर के रहने वाले हार्दिक संजयभाई बोडाना से हुई थी।



गुजरात में विदेशी इन्वेस्टमेंट लाने के लिए CM भूपेंद्रभाई पटेल का मास्टर प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट मैप पर मज़बूत जगह दिलाने के लिए राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 की तैयारी तेज़ कर दी है। 22 देशों में डेलीगेशन भेजने और देश के 8 शहरों में रोड शो करने का प्लान है। सेमीकंडक्टर, AI, फिनटेक और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में इन्वेस्टमेंट लाने पर खास फोकस होगा। जानें कि इस प्लान से गुजरात को कैसे फायदा हो सकता है। गुजरात को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट का एक बड़ा हब बनाने के लिए राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 की तैयारी तेज़ कर दी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की लीडरशिप में आने वाले समिट को सफल बनाने के लिए इंटरनेशनल और नेशनल लेवल पर इन्वेस्टर्स तक पहुंचने की स्ट्रेटेजी तैयार की गई है। राज्य सरकार दुनिया के 22 देशों में डेलीगेशन भेजने और देश के 8 बड़े शहरों में रोड शो करने का प्लान बना रही है। राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात समिट 2027 के लिए विदेशी इन्वेस्टर्स को आकर्षित करने के लिए खास प्लान बनाए हैं। गुजरात सरकार के डेलीगेशन ऑस्ट्रेलिया, जापान, जर्मनी और फ्रांस समेत कुल 22 देशों का दौरा करेंगे।



अक्टूबर और नवंबर में विदेशी इन्वेस्टर्स और इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की योजना है। इन यात्राओं में गुजरात में उपलब्ध इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं, निवेश के मौकों और अलग-अलग सेक्टर्स की संभावनाओं को पेश किया जाएगा।

अंकलेश्वर में पुलिस ने राजपीपला चौकड़ी के पास एक पिकअप ट्रक रोका: 670 kg MS मेटल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। राजपीपला चौकड़ी में एक व्यक्ति को संदिग्ध चीज़ों से भरे पिकअप ट्रक के साथ हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने गाड़ी और उसके अंदर रखे मेटल समेत कुल 2.20 लाख से ज़्यादा का सामान ज़ब्त किया है। गाड़ी महावीर टर्निंग से सारंगपुर चौकड़ी की ओर आ रही थी, जिसमें MS के छोटे और बड़े संदिग्ध टुकड़े थे। GIDC पुलिस ने राजपीपला चौकड़ी पर नज़र रखी हुई थी। इसी बीच, जब संदिग्ध पिकअप ट्रक आया, तो पुलिस ने घेराबंदी करके उसे रोक लिया। पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर सैफुद्दीन अब्दुल कादिर चौधरी (निवासी शांतिनगर, अंकलेश्वर) से पूछताछ की। मेटल के टुकड़ों के बारे में ज़रूरी सबूत या डॉक्यूमेंट्स मांगे जाने पर ड्राइवर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। MS मेटल के टुकड़े 670 kg, कीमत 20,100, पिकअप गाड़ी की कीमत 2 लाख। इस तरह, 2.20 लाख की सारी चीज़ें BNSS के सेक्शन 106 के तहत ज़ब्त कर ली गई हैं। पुलिस ने ड्राइवर सैफुद्दीन चौधरी को BNSS के सेक्शन 35(1) के तहत हिरासत में लिया है। आगे की जांच चल रही है।



वायुसेना की ताकत बढ़ाएगा जीसैट-7 सी, 2,563 करोड़ रुपये में बनेगा नया सैन्य संचार उपग्रह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की संचार व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए देश में समर्पित सैन्य संचार उपग्रह जीसैट-7सी का निर्माण किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ 2,563 करोड़ रुपये का करार किया। इस समझौते के तहत उपग्रह का डिजाइन, विकास और निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य वायुसेना की अंतरिक्ष आधारित संचार क्षमता को मजबूत करना और विभिन्न हवाई तथा जमीनी सैन्य इकाइयों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को अधिक प्रभावी बनाना है। जीसैट-7सी के अंतरिक्ष में स्थापित होने के बाद वायुसेना को दूर-दराज के क्षेत्रों में तैनात विमानों और जमीनी सैन्य केंद्रों के बीच सुरक्षित संचार बनाए रखने में मदद मिलेगी। इससे ऐसे समय में भी संपर्क स्थापित करने की क्षमता बढ़ेगी, जब विमान सामान्य रेडियो संचार की सीधी पहुंच से बाहर हों। आधुनिक सैन्य अभियानों में सुरक्षित और निर्बाध संचार को महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसके माध्यम से विमान और नियंत्रण केंद्र आवश्यक सूचनाएं साझा कर सकते हैं। जीसैट-7सी की प्रमुख विशेषता लंबी दूरी तक सुरक्षित संचार उपलब्ध कराने की क्षमता होगी। उपग्रह के माध्यम से लड़ाकू विमानों, हवाई निगरानी एवं नियंत्रण विमानों, मानवरहित विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य इकाइयों के बीच संपर्क स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इससे अलग-अलग स्थानों पर तैनात सैन्य इकाइयों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा सामान्य रेडियो संचार की पहुंच सीमित होने के कारण कई परिस्थितियों में विमानों और जमीनी केंद्रों के बीच सीधे संपर्क में कठिनाई आ सकती है। ऐसे में उपग्रह आधारित संचार व्यवस्था संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जीसैट-7सी इसी क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है।जीसैट- 7सी भारतीय वायुसेना का दूसरा समर्पित संचार उपग्रह होगा। इससे पहले जीसैट-7ए को दिसंबर 2018 में प्रक्षेपित किया गया था। उसकी निर्धारित कार्य अवधि आठ वर्ष थी और उसकी क्षमता का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा सेना को भी आवंटित किया गया था। नए उपग्रह के निर्माण से वायुसेना की संचार जरूरतों के लिए अंतरिक्ष आधारित संसाधनों को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ेगा।

राहुल गांधी ने साझा किया छात्राओं का वीडियो, दिल्ली पुलिस पर यौन उत्पीड़न और मारपीट के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से पुलिस की मारपीट और दुर्व्यवहार का सामना करने वाले छात्र-छात्राओं से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में छात्राओं ने दिल्ली पुलिस पर कपड़े खींचने, शारीरिक उत्पीड़न और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी ने भी अपनी पोस्ट में प्रदर्शनकारी छात्रों और महिलाओं के साथ कथित व्यवहार को लेकर पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि यौन उत्पीड़न, कपड़े खींचने और निजी अंगों पर हमले के आरोप लोकतंत्र के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों और महिलाओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की शर्मनाक तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ किया गया व्यवहार अस्वीकार्य है। राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक छात्रा आरोप लगाती है कि एक एएसपी ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों से लड़कियों को उनके निजी अंगों से पकड़कर बस में डालने के लिए कहा था, ताकि वे शर्मिंदगी के कारण खुद ही वहां से चली जाएं। छात्रा के इस बयान में पुलिस अधिकारी के कथित निर्देशों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। वीडियो में दूसरी छात्राएं भी प्रदर्शन और हिरासत के दौरान कथित दुर्व्यवहार का जिक्र करती हैं।



एलिसब्रिज इलाकों में गाड़ी और लैपटॉप चोरी करने वाले गैंग के 2 सदस्य कीमती सामान के साथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में चोरी और प्रॉपर्टी क्राइम को कंट्रोल करने के लिए क्राइम ब्रांच की स्पेशल चेकिंग और पेट्रोलिंग के दौरान एक बड़ी कामयाबी मिली है। क्राइम ब्रांच टीम ने शहर के रामोर, वस्त्रपुर और एलिसब्रिज पुलिस स्टेशन इलाकों से टू-व्हीलर और लैपटॉप चुराने वाले दो बदनाम तस्करों को गिरफ्तार करके कुल 03 क्राइम को सफलतापूर्वक सॉल्व किया है। 17/10/2026 को, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम मधुपुरा दूधेश्वर ब्रिज के नीचे, श्मशान घाट के पास एक पब्लिक रोड पर पेट्रोलिंग कर रही थी। उस समय, दो लोग जो संदिग्ध हालत में वहां से गुजर रहे थे, उन्हें रोका गया और उनसे पूछताछ की गई। जब उनसे बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल और उनके पास मौजूद 1 लैपटॉप के बारे में कानूनी कागज़ात या सपोर्टिंग सबूत मांगे गए, तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसलिए, गहन पूछताछ करने के बाद, यह पता चला कि यह वाहन और लैपटॉप चोरी का था। आरोपियों से शुरुआती पूछताछ के दौरान, अहमदाबाद शहर के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज इन 3 अपराधों में से दो को सुलझा लिया गया है.



अरबपति कंपनियों का काला धंधा! नेस्ले, HUL और प्रियागोल्ड पर कार्रवाई क्यों हुई?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। क्या सुबह चाय के साथ मुंह में डालने वाले बिस्किट या अपने बच्चे को प्यार से दी जाने वाली चॉकलेट सच में सेफ हैं? या देश की अरबपति फूड कंपनियां आपकी सेहत से खुलेआम खिलवाड़ कर रही हैं? गुजरात और पूरे देश में हंगामा मचाने वाले एक चौंकाने वाले खुलासे में, देश के जाने-माने ब्रांड नेस्ले HUL जैसी कंपनियां जांच के दायरे में आ गई हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट की अचानक की गई कार्रवाई में जो बातें सामने आई हैं, उसने हर भारतीय के पैरों तले से जमीन खिसका दी है! क्या है पूरा मामला? बिस्किट में 'मवेशी का आटा' क्यों? फ़ूड सेफ़्टी डिपार्टमेंट की हाल की रेड से पता चला है कि कुछ बड़ी बिस्किट और स्नैक बनाने वाली कंपनियाँ अपने प्रोडक्ट्स में फ़ूड ग्रेड आटे के बजाय 'डी-ऑइल केक', यानी जानवरों के चारे में इस्तेमाल होने वाला ('कैटल मील' जैसा बेकार और घटिया पाउडर इस्तेमाल कर रही थीं! तेल मिलों से तेल निकालने के बाद जो ज़्यादा सूखा और बेकार कचरा (डी-ऑइल बचा हुआ) बचता है, उसे आम तौर पर जानवरों के पालन में कैटल मील (खाना) के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। पता चला है कि इस कचरे को प्रोसेस करके बिस्किट और वेफ़र जैसे बेकरी प्रोडक्ट्स में बहुत सस्ते रेट पर मिलाकर 'फ़ाइबर' या 'प्रोटीन' के तौर पर बेचा जा रहा है!

महिला PSI जी.डी. अहीर ने बदतमीज़ी से कहा - 'कोई भी सरकार आए, शराब चलती रहेगी!

महानगर मेट्रो ब्यूर

गुजरात में शराबबंदी के दावों की पोल खोलता एक वीडियो वायरलः खाकी वर्दी के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा, सरकार और पुलिस प्रशासन पर उठे सवाल गुजरात में महात्मा गांधी और सरदार पटेल के शराबबंदी कानूनों की असलियत का काला सच सामने लाने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गुजरात पुलिस की इमेज खराब करने वाला और कानून के रखवालों को कानून की धज्जियां उड़ाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है। जब गांव में देसी-विदेशी शराब की बिक्री से गुस्साए गांववालों ने महिला PSI जी.डी. अहीर को छोड़ने की मांग की, तो महिला पुलिस अधिकारी ने हाथ जोड़कर शराब पर और सख्ती से रोक लगाने की गुहार लगाई, तो जवाब में उनके दिए गए बेपरवाह और गैर-जिम्मेदाराना बयान ने सबको चौंका दिया है। घटना की जानकारी के मुताबिक, जब लोकल गांववालों ने महिला PSI जी.डी. अहीर से उनके इलाके में खुलेआम चल रही शराब की दुकानों को बंद कराने और कानून को और सख्त करने की गुहार लगाई, तो खाकी वर्दी में बैठी इस ज़िम्मेदार अफ़सर ने सेंसिटिविटी दिखाने के बजाय, उन्हें खुलेआम नज़रअंदाज़ कर दिया। महिला PSI ने बिंदास और मज़ेदार मूड में कहा, एक पुलिस अफ़सर के मुंह से ऐसा खुला कबूलनामा सुनकर वहां मौजूद सभी गांववाले हैरान रह गए। इस एक वाक्य ने पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन और सरकार के शराब बैन के सारे दावों की पोल खोल दी गुजरात सरकार राज्य में शराब बैन को सख्ती से लागू करने के बड़े-बड़े दावे करती है और पुलिस को शराब बेचने वालों के खिलाफ़ सख्त एक्शन लेने का ऑर्डर देती है। लेकिन, जब ग्राउंड लेवल पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस ऑफिसर ही ऐसे अवैध शराब के धंधे के गवाह हों और डींगें हांकें कि 'कोई भी सरकार शराब नहीं रोक सकती', तो सवाल उठता है कि क्या सच में खाकी और अवैध शराब के धंधे वालों की मिलीभगत से यह काला धंधा फल-फूल रहा है? क्या पुलिस सिस्टम ही अवैध शराब के धंधेबाजों को खुली छूट दे रहा है? इस वायरल वीडियो के सामने आने के बाद आम जनता और जागरूक नागरिकों में काफी गुस्सा है।और लोग कह रहे हैं

VMC वार्ड ऑफिसर ने सरेआम 'पता लगा लेने की धमकी' दी नवापुरा PI ने गाली देने वाले मवाली को डांटा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा से एक बहुत ही दिलचस्प और धमाकेदार घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था की पोल खोलकर खाकी की ताकत का असली टेस्ट करा दिया है। जब वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की दबाव ब्रांच शहर में गैर-कानूनी दबाव हटाने के लिए मैदान में उतरी, तो एक मनचले फल व्यापारी ने सीधे वार्ड ऑफिसर को जान से मारने की धमकी दी और दहशत फैला दी। लेकिन, इन असामाजिक तत्वों की जुल्म ज़्यादा देर तक नहीं चल सका और नवापुरा पुलिस स्टेशन के PI ने ऐसी जानलेवा मेथी फेंकी कि गांव वालों के होश उड़ गए! वडोदरा शहर में पब्लिक सड़कों पर बढ़ते प्रेशर और ट्रैफिक की दिक्कतों से लोग परेशान हैं। इस दिक्कत को कम करने के लिए VMC की प्रेशर ब्रांच एक्टिव हो गई है। इसी बीच, वार्ड नंबर 13 के वार्ड ऑफिसर सतीश सिंह चौधरी और उनकी टीम गैर-कानूनी प्रेशर हटाने के लिए खंडेराव मार्केट इलाके में पहुंची। वहां, एक फल व्यापारी ने अपना सामान पब्लिक सड़क पर प्रेशर डालकर रख दिया था, जिससे भारी ट्रैफिक जाम और गंदगी फैल रही थी। नगर निगम की टीम ने नियम के मुताबिक कानूनी कार्रवाई करते हुए सामान ज़ब्त कर लिया और व्यापारी से जुर्माना भरकर दुकान से सामान वापस ले जाने को कहा। लेकिन गुस्से में व्यापारी कानून भूल गया और वार्ड ऑफिसर को गंदी-गंदी बातें कहने लगा औरमीडिया किसी के बाप से नहीं डरता इतना ही नहीं, इन बदमाशों ने प्रेशर हटाने के इस ऑपरेशन को कवर करने पहुंचे पत्रकारों और मीडिया वालों को भी गालियां दीं और धमकाया।

PMO, CMO, CVC और ACB के ऑर्डर का ढेरः हेल्थ डिपार्टमेंट में रहस्यमयी चुप्पी के पीछे कौन सा बड़ा प्रोटेक्शन है?

IKDRC स्कैमः हेल्थ डिपार्टमेंट में करप्शन की जांच दबाने के लिए 'अदृश्य' टॉप पावर का दबाव?

IKDRC मामले में फाइलें अटकीं या कार्रवाई का आदेश नहीं मिला? शिकायतकर्ता ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल कैंपस में मौजूद मशहूर इंस्टिट्यूट ऑफ़ किडनी डिज़ीज़ एंड रिसर्च सेंटर में करोड़ों के चल रहे फाइनेंशियल करप्शन, गैर-कानूनी बैकडोर भर्तियों और सरकारी पैसे के खुलेआम गलत इस्तेमाल की जांच में एक चौंकाने वाला एडमिनिस्ट्रेटिव पेच सामने आया है। देश और राज्य के सबसे बड़े इंस्टीट्यूशन जैसे प्राइम मिनिस्टर ऑफिस , चीफ मिनिस्टर ऑफिस राजभवन, सेंट्रल विजिलेंस कमीशन और एंटी-करप्शन ब्यूरो की तरफ से सख्त जांच और डिसिप्लिनरी एक्शन के लिए बार-बार 'फॉरवर्डिंग लेटर' भेजे जाने के बावजूद, गुजरात सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट के टॉप अधिकारी किसी अनजान प्रेशर में रहस्यमयी चुप्पी साधे बैठे हैं। सूत्रों से मिली सबसे डिटेल्ड जानकारी के मुताबिक, इस पूरे स्कैम को सामने लाने वाले सजग पिटीशनर ने जब हेल्थ डिपार्टमेंट के डिप्टी सेक्रेटरी से पर्सनली कॉन्टैक्ट किया, तो स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन की लाचारी और मिलीभगत सामने आ गई। डिप्टी सेक्रेटरी ने कथित तौर पर माना, ACS सर ने साफ मना कर दिया है कि इन फाइलों पर तब तक कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा, जब तक 'एपेक्स' से कोई खास ऑर्डर नहीं आ जाता और सारी शिकायतें इकट्ठा नहीं कर ली जातीं! 'अब गुजरात की जनता के सामने सवाल उठता है कि देश के PM पोर्टल, स्टेट CMO और यहां तक कि कॉन्स्टिट्यूशनल संस्थाओं के ऊपर कौन सी 'इनविजिबल एपेक्स अथॉरिटी' बैठी है? किसके प्रेशर में इतनी सीरियस शिकायतें और करप्शन के पक्के सबूत दबाए जा रहे हैं? क्या IKDRC के जिम्मेदार लोगों को बचाने के लिए कोई बड़ा पॉलिटिकल पैट्रन काम कर रहा है?

CAG के नाम पर डायरेक्टर का 'गोलमोल खेल': ऑडिट ऑफिस ने खुद लेटर लिखकर खोली पोल

आरोप है कि IKDRC डायरेक्टर ने इस पूरे स्कैम को छिपाने के लिए नया रास्ता अपनाया है। डायरेक्टर ने बड़े एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों को लिखे लेटर में कहा है कि CAG (कंट्रोलर जनरल) के ऑडिट सवालों को इंस्टीट्यूशन पूरा कर रहा है और नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई तभी की जाएगी जब CAG के प्रिंसिपल ऑफ़ ऑडिट इस बारे में आखिरी फैसला ले लेंगे। यह बात सामने आई है कि डायरेक्टर इस तरह से समय बढ़ाकर शिकायतों को बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, डायरेक्टर का यह दावा पूरी तरह से झूठा और बेबुनियाद साबित हुआ है। जब एप्लिकेंट ने राइट टू इन्फॉर्मेशन और ऑफिशियल कंप्लेंट (PMOPG/E/2026/0099177) के ज़रिए अकाउंटेंट जनरल राजकोट के ऑफिस में अप्रोच किया, तो ऑडिट ऑफिस ने लिखकर साफ-साफ बताया है। CAG ऑफिस ने कहा, 'इस ऑफिस ने IKDRC के डायरेक्टर को ऑडिट इंस्पेक्शन रिपोर्ट जारी कर दी है और एक कॉपी 'ज़रूरी कार्रवाई' के लिए गुजरात सरकार के हेल्थ सेक्रेटरी को भेज दी गई है।' इसके अलावा, गुजरात सरकार के फाइनेंस डिपार्टमेंट के साफ़ नियम (GR No. MSC-102010-02(i)-G) के मुताबिक, जब भी ऑडिट टीम को कोई बड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ी या भ्रष्टाचार का पता चलता है, तो TI की फाइनल रिपोर्ट का इंतज़ार किए बिना तुरंत जांच और सख्त डिसिप्लिनरी एक्शन लेना होता है, ताकि सबूत नष्ट न हों। इस तरह, यह तस्वीर साफ़ हो जाती है कि डायरेक्टर सिर्फ़ खुद को बचाने के लिए सरकार और जनता को गुमराह कर रहे हैं। गरीब मरीज़ों को दिए गए 30.20 करोड़ रुपये रोके गए: संस्था ने 2016 से मरीज़ों के डिपॉजिट, CM रिलीफ फंड और PMNRF फंड की लगभग 30.20 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रकम बिना इस्तेमाल किए रखकर गरीब मरीज़ों को पैसे वापस नहीं किए हैं। 297 बैकडोर भर्तियां: 2004 से 2023 के बीच, 297 क्लास-3 और क्लास-4 कर्मचारियों को बिना कोई पब्लिक एडवर्टाइजमेंट दिए या तय परीक्षाएं दिए बैकडोर से गैर-कानूनी तरीके से भर्ती किया गया। भाई-भतीजावाद की नीतिः एक तरफ, 5 साल तक संतोषजनक सेवा देने वाले योग्य कर्मचारियों को बिना किसी कानूनी अधिकार के निकाल दिया गया, दूसरी तरफ आउटसोर्सिंग नीति (11,000 रुपये) के नियमों का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए, उनके पसंदीदा ड्राइवर को 59,460 रुपये महीने के वेतन पर स्थायी दर्जा दिया गया, जिससे सरकारी धन का घोर दुरुपयोग हुआ।बहुचर्चित टेंडर घोटालाः 20 करोड़ रुपये का डायलिसिस टेंडर घोटाला और विवादित स्टेम-सेल प्रयोग भी कानूनी जांच के दायरे में आ गए हैं। डायरेक्टर डॉ. प्रांजल मोदी और अधिकारी संगठन के अपने फंड का झूठा बहाना बनाकर आयुष्मान भारत योजना यानी PMJAY (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अवैध रूप से इंसेंटिव बांट रहे हैं। यह मामला ऑफिशियल ऑडिट रिपोर्ट (रेफरेंस नंबरः OBS-2464239) और माननीय सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले (2026 INSC 99) के आधार पर पकड़ा गया है। सरकारी नियमों और CAG ऑडिट के नतीजों के मुताबिक, जिन रिटायर्ड कर्मचारियों की नियुक्ति पूरी तरह से गैर-कानूनी है और सरकार की पहले से मंज़ूरी के बिना हुई है, उन्हें कोई एक्स्ट्रा फाइनेंशियल अलाउंस या सरकारी स्कीम का फायदा नहीं दिया जा सकता। फिर भी, रिटायर्ड अधिकारियों और उनके चहेतों को PMJAY फंड से लाखों रुपये की मोटी रकम दी गई है। ऑर्गनाइजेशन के डायरेक्टर ने बचाव करते हुए कहा कि यह रकम उनके अपने फंड से दी जाती है, लेकिन चूंकि IKDRC एक ऐसा हॉस्पिटल है जो 100' सरकारी ग्रांट पर निर्भर है, इसलिए PMJAY के पैसे को प्राइवेट फंड नहीं माना जा सकता। आरोपी खुद जज हैं! उन्होंने अपने खिलाफ जांच बंद कर दी!



ठक्करनगर के राजदीप होटल में हथियारों के साथ धावा बोलने वाले लुटेरे आखिरकार कृष्णानगर पुलिस के शिकंजे में आ ही गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में जहां दिन-ब-दिन क्राइम और लूट की घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं ठक्करनगर इलाके के मशहूर राजदीप होटल में हथियारों के बल पर हुई लूट की घटना ने पूरे शहर में खलबली मचा दी। रात में होटल में घुसकर कर्मचारियों को हथियार दिखाकर 25,000 रुपये की हथियारों के बल पर लूट को अंजाम देकर फरार होने वाले आदतन अपराधी आखिरकार कृष्णानगर पुलिस के शिकंजे में आ ही गए। पुलिस ने वारदात में शामिल दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड हासिल कर लिया है और पूरी लूट की गहरी और गहन जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने हथियारों से खेला और पल भर में 25 हजार लूटकर भाग गए!

घटना की जानकारी के मुताबिक, ठक्करनगर चौकड़ी के पास राजदीप होटल हमेशा की तरह चल रहा था। तभी अचानक धारदार और जानलेवा हथियारों से हमला करने वाले असामाजिक तत्वों ने होटल स्टाफ में दहशत का माहौल बना दिया। लुटेरों ने होटल के कर्मचारियों और कैशियर को जान से मारने की धमकी देकर डरा दिया था। इससे पहले कि होटल में मौजूद लोग कुछ समझ पाते या विरोध कर पाते, इन आरोपियों ने बंदूक की नोक पर सेफ में रखे करीब 25 हजार रुपये कैश छीन लिए और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। कृष्णानगर पुलिस की जानलेवा कार्रवाई CCTV और मुखबिरों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके आरोपियों को पकड़ा गया! घटना की सूचना मिलते ही कृष्णानगर थाने की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने होटल और आसपास की सड़कों पर लगे CCTV फुटेज चेक करके लुटेरों के भागने के रास्ते का पता लगाना शुरू किया। इसके साथ ही टेक्निकल सर्विलांस और लोकल मुखबिरों के नेटवर्क को एक्टिवेट करके लूट को अंजाम देने वाले दो मुख्य संदिग्धों को कुछ ही घंटों में घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों से कड़ी पूछताछ की और उन्हें अहमदाबाद कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने आरोपियों की रिमांड मंजूर कर ली है। रिमांड के दौरान, पुलिस इन बातों की जांच करेगी

1. लूटे गए 25 हज़ार रुपये कैश और क्राइम में इस्तेमाल किए गए हथियार कहाँ छिपाए गए हैं?

2. क्या ये आरोपी पहले भी पूर्वी इलाके में हुई किसी और चोरी या डकैती में शामिल थे?

3. क्या इस डकैती में उनके साथ कोई और साथी या टिप देने वाला शामिल था?

गुजरात के लिए एक पक्का सवालः क्या अपराधियों में से कानून का डर खत्म हो गया है? ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त और मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई करना बहुत ज़रूरी है जो सरेआम होटलों में घुसकर हथियारों के साथ डकैती करने की हिम्मत करते हैं। कृष्णानगर पुलिस ने इन लुटेरों को जेल भेजकर तारीफ़ के काबिल काम किया है, लेकिन ऐसे असामाजिक तत्वों पर हमेशा के लिए कब लगाम लगेगी?



मुंबई में विद्याविहार ओवरब्रिज के उद्घाटन से पहले ही पॉलिटिकल लड़ाईः ब्रिज के नाम को लेकर शिवसेना और BJP आमने-सामने!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 'पद्म श्री नाना पाटेकर सेतु' या एडवेंचरस पायलट 'कैप्टन स्मित मच्छर ब्रिज' - नाम के मुद्दे पर BMC और नेताओं के बीच पॉलिटिक्स गरमा गई है महाराष्ट्र की फाइनेंशियल कैपिटल मुंबई से एक बड़ी खबर आ रही है। विद्याविहार इलाके में पूरब और पश्चिम को जोड़ने वाले नए बने 650 मीटर लंबे, बहुत ज़रूरी ओवरब्रिज का अभी ऑफिशियली उद्घाटन भी नहीं हुआ है, और इसके नाम को लेकर पॉलिटिकल गरमाहट शुरू हो गई है। लोकल लेवल पर क्रेडिट लेने की होड़ और आइडियोलॉजी के टकराव के बीच शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी आमने-सामने आ गई हैं। ब्रिज के इस्तेमाल में आने से पहले ही इसके नाम को लेकर विवाद ने ज़ोर पकड़ लिया है। विद्याविहार ओवरब्रिज के उद्घाटन से पहले शिवसेना के कार्यकर्ता और नेता सामने आ गए हैं। शिवसेना ने ब्रिज के चारों ओर और पूरे इलाके में बड़े-बड़े बैनर और होर्डिंग लगा दिए हैं। उनकी साफ मांग है कि इस ब्रिज का नाम देश के महान और मशहूर कलाकार नाना पाटेकर के सम्मान में 'पद्मश्री नाना पाटेकर सेतु' रखा जाए। नाना पाटेकर ने अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी बड़ा योगदान दिया है, इसलिए BT ग्रुप ने यह लॉजिक पेश किया है कि इस ब्रिज का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए। BJP का बोल्ड प्रस्तावः पायलट का नाम 'कैप्टन स्मित मच्छर' रखे दूसरी ओर, इस विवाद में BJP भी पीछे नहीं रही है। BJP MLA पराग शाह ने ब्रिज का नाम एक अलग और हिम्मती शख्सियत के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने मांग की है कि ओवरब्रिज का नाम 'कैप्टन स्मित मच्छर' के नाम पर रखा जाए। कैप्टन स्मित मच्छर वही हिम्मत वाले पायलट हैं जिन्होंने पहले FlyDubai प्लेन की हाईजैकिंग की कोशिश को नाकाम करके सैकड़ों पैसेंजर की जान बचाई थी और देश का नाम रोशन किया था। BJP का कहना है कि ऐसे असली हीरो के कारनामे को सेलिब्रेट करने के लिए ओवरब्रिज का नाम उनके नाम पर रखना सबसे सही होगा। ब्रिज के नाम को लेकर शिवसेना और BJP आमने-सामने!



मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी धाम में मां अंबा के चरणों में माथा टेका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। जहां पूरा राज्य पवित्र शारदीय नवरात्रि के त्योहार पर भक्ति और खुशी में डूबा हुआ है, वहीं गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल नवरात्रि के आठवें दिन (महाअष्टमी के शुभ अवसर पर) प्रसिद्ध तीर्थ स्थल अंबाजी पहुंचे। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी मंदिर में मां जगदंबा के दर्शन और पूजा करके मुख्यमंत्री ने धन्य महसूस किया। अंबाजी मंदिर के पवित्र गर्भगृह में शास्त्रों और वैदिक मंत्रों के जाप के बीच मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आद्यशक्ति मां अंबा की विशेष पूजा की। इस मौके पर उन्होंने माई मंडप में महाआरती की और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने जगत जननी मां के चरणों में माथा टेका और दिल से प्रार्थना की। गुजरात की सुख, शांति और समृद्धि के लिए मंगल कामना के दर्शन और पूजन के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नागरिकों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गुजरात लगातार विकास के नए आयाम छू रहा है, राज्य में शांति, सद्भाव और समृद्धि का सूरज हमेशा चमकता रहे और विकास की यह कभी न खत्म होने वाली यात्रा मां आद्यशक्ति का आशीर्वाद पाती रहे शारदीय नवरात्रि उत्सव के दौरान देश और दुनिया भर से लाखों भक्त अंबाजी धाम आते हैं।



आनंद-करमसद नगर पालिका का भ्रष्टाचार उजागरः सीवर अभी बने ही नहीं थे, फिर भी हाथ से स्लैब उखाड़ दिए गए!

खेतीवाड़ी हडगुड रोड पर सरदार पटेल स्कूल के पास हो रहे सीवरेज के काम में नया घोटालाः सुपरवाइजर की दादागिरी और घटिया काम पर लोगों का गुस्सा फूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद-करमसद। नगर पालिका का प्रशासन और उससे जुड़े ठेकेदार कैसे मिलीभगत करके लोगों की मेहनत की कमाई का पानी दूसरी तरफ बहा रहे हैं, इसका एक जीता-जागता और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है। अभी करमसद-आनंद नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 में आने वाले सरदार पटेल स्कूल के पास खेतीवाड़ी हडगुड रोड पर नई सीवर लाइन बनाने का काम चल रहा है। लेकिन इस सीवर का काम अभी शुरू ही हुआ है, और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घटिया मटीरियल के इस्तेमाल का घोटाला सामने आ गया है! घटना की जानकारी के मुताबिक, जब जागरूक नागरिकों और देखने वालों ने मौके पर जाकर चल रहे सीवर के काम का जायजा लिया, तो उनकी आंखें हैरानी से चौड़ी हो गईं। सीवर स्लैब या फिलिंग की 'टचिंग' (मरम्मत/चिपकाने) का काम, जो कुछ समय पहले किया गया था, कारीगरों द्वारा तुरंत किया जा रहा था। जब स्थानीय लोगों ने वहां काम कर रहे कारीगर को रोका और पूछा, 'सीवर अभी बना नहीं है, हमें वहां इतनी टचिंग क्यों करनी है? ', तो कारीगर ने हिम्मत से माना, 'मैं तो बस टचिंग कर रहा हूं, मुझे जो करने के लिए कहा गया है, मैं वही कर रहा हूं। ' जब मामला बिगड़ा, तो वहां मौजूद सुपरवाइजर अपनी बात छिपाने के लिए बेतुकी दलीलें देने लगा। सुपरवाइजर ने ताना मारते हुए कहा, 'कभी-कभी काम में थोड़ा सा भी काम रह जाता है, तो टचिंग तो करनी ही पड़ती है, है ना? लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर टचिंग हो रही है? असलियत यह है कि जहाँ स्लैब भरा हुआ था, उसे हाथ से छूते ही सीमेंट-रेत और बजरी हाथ लगाते ही उखड़कर उखड़ रही थी! सीवर लाइन का जो स्लैब या दीवार हाथ लगाते ही मिट्टी की तरह टूटकर गिर जाए, वह सीवर ज़मीन में दबने के बाद कितने दिन टिकेगा? यह तो तय है कि यह सीवर एक ही बारिश में ढहकर ज़मीन में धंस जाएगा और करोड़ों रुपये बह जाएँगे। आनंद नगर पालिका और उसके अधिकारियों की शह पर हो रहे इस भ्रष्टाचार को लेकर इलाके के लोगों और टैक्स देने वालों में बहुत गुस्सा है। जनता सीधा सवाल पूछ रही है क्या नगर पालिका के इंजीनियर और सुपरवाइजर सिर्फ़ कमीशन लेने के लिए बैठे हैं? अगर शुरू में ही सीवेज की क्वालिटी इतनी खराब है, तो कुछ ही दिनों में जब सीवर लाइन टूट जाएगी तो कौन ज़िम्मेदारी लेगा? लोगों के टैक्स के पैसे से हो रहे ये भ्रष्ट और बेतुके विकास के काम कितने सही हैं? क्या नगर पालिका ऐसे भ्रष्ट ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी या कागजों पर सब कुछ सही दिखाकर घोटाले को दबा दिया जाएगा?



वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के TPO डिपार्टमेंट में खाकी और कुर्सी का खौफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा से एडमिनिस्ट्रेशन और पब्लिक के बीच बढ़ते तनाव को लेकर एक बहुत ही सनसनीखेज और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सेंसिटिव टाउन प्लानिंग इंस्पेक्टर/टाउन प्लानिंग ऑफिसर डिपार्टमेंट में एडमिनिस्ट्रेटिव काम को आसानी से चलाने के नाम पर प्राइवेट या उससे जुड़े सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए गए हैं। एडमिनिस्ट्रेशन दावा कर रहा है कि RTI एक्टिविस्ट और एप्लीकेंट की लगातार हैरेसमेंट, प्रेशर और हंगामे की वजह से यह सिक्योरिटी बढ़ानी पड़ी है, लेकिन इस फैसले ने शहर में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा नगर पालिका के TPO डिपार्टमेंट में अलग-अलग फाइलों की जानकारी लेने के लिए अक्सर एप्लीकेंट्स, लोकल लोगों और RTI (सूचना का अधिकार) एक्टिविस्ट्स की भीड़ जमा होती है। डिपार्टमेंट के अधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग काम में रुकावट डालते हैं, धमकी देते हैं और बेवजह दबाव डालते हैं। इसी वजह से डिपार्टमेंटल ऑफिस की सिक्योरिटी और अधिकारियों-कर्मचारियों की सेफ्टी के लिए सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात किए गए हैं। और बेवजह दबाव डालते हैं। इसी वजह से डिपार्टमेंटल ऑफिस की सिक्योरिटी और अधिकारियों-कर्मचारियों की सेफ्टी के लिए सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात किए गए हैं।

अहमदाबाद के जुहापुरा में हबीब मेमन की खुली गुंडागर्दी सिर्फ़ 5,000 के लेन-देन में तलवारों और चाकुओं से मारपीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा सिटी अहमदाबाद के जुहापुरा इलाके में एक बहुत ही सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। बदनाम तत्व हबीब मेमन और उसके गुर्गों की बदमाशी और ठगी से स्थानीय व्यापारियों में गुस्सा है। सिर्फ़ 5,000 के मामूली लेन-देन पर हबीब मेमन ने अपने साथियों के साथ मिलकर हथियारों के साथ खुलेआम दंगा किया और इलाके में दहशत का माहौल बना दिया। तलवार, चाकू और लकड़ी के डंडे से खूनी खेल घटना की जानकारी के मुताबिक, हबीब मेमन और उसके साथियों ने, जो सिर्फ़ 5,000 के मामूली लेन-देन पर अचानक भड़क गए थे, बिना किसी कानून के डर के हिंसक हमला कर दिया। ये बेशर्म लोग हाथों में तलवार, धारदार चाकू और लकड़ी के डंडे जैसे जानलेवा हथियार लेकर घुस आए और व्यापारी पर हमला कर दिया। हमलावरों ने आस-पास के लोगों को डराने और उनमें दहशत फैलाने के लिए ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर खुलेआम खूनी खेल खेला। इस पूरी भयानक घटना का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हबीब मेमन और उसका गैंग हाथों में हथियार लहराते और हमला करते हुए कैमरे में साफ़ तौर पर कैद हो गया है।



समय के पंजे एक के बाद एक घूमते रहेः एक ट्रेन हादसा, पिता की मौत और अब पूरा परिवार जल गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। इंसान की ज़िंदगी में दुख आते हैं, लेकिन कभी-कभी समय इतना रूठ जाता है कि पूरा परिवार जल जाता है। किस्मत का खेल कितना बेरहम होता होगा! जिस घर में कभी पांच भाई-बहनों की किलकारियां गूंजती थीं, जो आंगन खुशियों से भरा रहता था, आज उसी घर में सिर्फ श्मशान जैसी शांति और चारों ओर काली धुंध है। यह दो भाई और तीन बहनों का भरा-पूरा परिवार था, लेकिन एक के बाद एक, समय के ऐसे झटके लगे कि आज पूरा परिवार ही खत्म हो गया। यह दुखद घटना तब शुरू हुई जब परिवार के सबसे बड़े बेटे की ट्रेन से कटकर दिल दहला देने वाली मौत हो गई। जवान बेटे के अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। माता-पिता और छोटे भाई-बहन बड़े भाई की मौत के सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि घर का मुखिया और पिता का छत्र भी उनके सिर से छिन गया। पिता की मौत ने परिवार को पूरी तरह से बेसहारा कर दिया था। बड़े भाई और पिता के अलग होने से जूझ रहे परिवार पर वक्त का आखिरी और सबसे जानलेवा वार पड़ा। बाकी सदस्यों की दुखद मौत से अब इस परिवार में चिराग जलाने वाला कोई नहीं बचा। एक ही परिवार के एक के बाद एक सभी सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में काफी दहशत फैल गई है। जिसने भी इस घटना के बारे में सुना, उसकी आंखों में आंसू आ गए। 'ये लोग दो भाई और तीन बहनें थे। पहले बड़े भाई की ट्रेन की चपेट में आने से एक्सीडेंट में मौत हो गई, फिर पिता गुजर गए और अब बाकी सदस्यों की भी दुखद मौत हो गई है, और पूरा परिवार खत्म हो गया है... ' आस-पास के लोगों और जान-पहचान वालों के मुंह से निकले ये शब्द बताते हैं कि वक्त ने क्या कहर बरपाया है।



अहमदाबाद के नारोल में 8 दिन बिताने के बाद भी मासूम बच्ची का कोई पता नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद स्मार्ट सिटी के दावों के बीच, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पाप से हुई एक बहुत ही दिल दहला देने वाली, दर्दनाक और भयानक घटना ने पूरे गुजरात को हिलाकर रख दिया है। नारोल-पिराना रोड पर 40 फीट गहरे खुले नाले में गिरी 10 साल की अंधी बच्ची मनीषा सलात का 8 दिन बाद भी कोई पता नहीं चला है। एक तरफ़, गरबा के पवित्र त्योहार पर पूरा शहर रोशनी और म्यूज़िक से जगमगा रहा था, वहीं दूसरी तरफ़, इस दुखद घटना में रोती-बिलखती उस बेबस माँ के मुँह से जो शब्द निकले, वे किसी भी समझदार इंसान का सीना चीर देतेः 'मेरी बेटी फ़ैक्ट्रियों के ज़हरीले केमिकल और गंदे सीवेज में घुल गई होगी... ' घटना की दिल दहला देने वाली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित माँ पार्वतीबेन अपनी अंधी बेटी मनीषा के साथ किराया देने के लिए रिक्शे से उतर रही थीं। उसी समय, उनकी बेटी का पैर ड्रेनेज लाइन के पास फिसल गया, जो सड़क पर घास से ढकी हुई थी और बिना किसी रुकावट के खुली रखी गई थी। आखिरी चीख, 'माँ, मैं गिर गई...' सुनकर माँ उनके पीछे दौड़ीं, लेकिन कुछ ही पलों में मासूम बेटी अंधेरे सीवर में डूब चुकी थी। फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें रोज़ सीवर में उतरती हैं, लेकिन ज़हरीली गैस, ज़्यादा गहराई और फैक्ट्रियों से निकले केमिकल कचरे की वजह से बेटी की फैली हुई बॉडी या उसका कोई भी हिस्सा 8 दिन बाद भी नहीं मिला है। अब परिवार ने उम्मीद छोड़ दी है और रोते हुए कह रहा है, 'अगर मेरी बेटी की बॉडी नहीं तो उसकी हड्डियां भी ढूंढ दो जब एक गरीब परिवार अपनी मासूम बेटी के लिए सड़क पर कल्पांत कर रहा था, तब अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन और बड़े अधिकारी कहां थे? वे गरबा खेलकर और त्योहार मनाकर खुश थे! नहीं था? पाप करने के बाद पुण्य कमाने निकले, स्ट्र के कर्मचारी अब पूरे शहर में खुले नालों के ढक्कन बंद करने के लिए दौड़ रहे हैं।





केंद्र सरकार का बड़ा फैसला! अब इथेनॉल बनाने के लिए चीनी का इस्तेमाल नहीं होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई और खाने-पीने की चीजों की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत ही अहम और बड़ा पॉलिसी फैसला लिया है। देश में चीनी की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने और आम नागरिकों को सही रेट पर चीनी मिले, इसके लिए सरकार ने इथेनॉल प्रोडक्शन के लिए चीनी और शुगर सिरप (चीनी का रस) के इस्तेमाल पर सख्त रोक लगा दी है। सरकार के इस कड़े कदम से देश की चीनी मिलों और इथेनॉल प्रोड्यूसर्स में भारी हलचल मच गई है, वहीं दूसरी ओर आम कंज्यूमर्स को बड़ी उम्मीद है कि आने वाले त्योहारों और समय में चीनी की कीमतें कंट्रोल में रहेंगी। मिली जानकारी के मुताबिक, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सभी चीनी मिलों और डिस्टिलरी को साफ निर्देश दिए हैं कि इथेनॉल सप्लाई ईयर के तहत इथेनॉल बनाने में गन्ने के रस, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला! अब इथेनॉल बनाने के लिए चीनी का इस्तेमाल नहीं होगाःचीनी सिरप और बी-हैवी मोलासेस का इस्तेमाल न किया जाए। हाल के सालों में, अल्कोहल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम के तहत इथेनॉल का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में चीनी और गन्ने के रस का इस्तेमाल किया जा रहा था। लेकिन मौसम की गड़बड़ी और बारिश की कमी के कारण कुछ राज्यों में गन्ने के प्रोडक्शन पर बुरा असर पड़ा। जिससे देश में चीनी के ठंडे स्टॉक में कमी और भविष्य में कीमतों के आसमान छूने का डर था। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, केंद्र सरकार ने देश के नागरिकों की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। देश में चीनी की कमी नहीं होगी। त्योहारों और रोज़ाना के इस्तेमाल के लिए मार्केट में चीनी के दाम कंट्रोल में रहेंगे। महंगाई से परेशान आम आदमी के लिए यह फैसला बूस्टर डोज़ जैसा साबित होगा।

1 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस की बड़ी रैली, दिल्ली पुलिस ने आखिरकार दे दी परमिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली/अहमदाबाद। देश की राजधानी दिल्ली में 1 नवंबर को पॉलिटिकल पारा अपने पीक पर पहुंचने वाला है। विपक्षी गठबंधन और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने दिल्ली के मशहूर और ऐतिहासिक रामलीला मैदान में एक बहुत बड़ी रैली ऑर्गनाइज की है। जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए बंद या पाबंद किए जाने के बाद, कांग्रेस ने रामलीला मैदान में इस रैली के लिए परमिशन मांगी थी, जिसे आखिरकार दिल्ली पुलिस ने NOC देकर ग्रीन सिग्नल दे दिया। दिल्ली पुलिस से परमिशन मिलते ही कांग्रेस खेमे में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। विवाद की जड़ क्या है? SIR मुद्दे पर और चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों का तूफान! यह बड़ी रैली कोई आम पब्लिक मीटिंग नहीं है, बल्कि मौजूदा केंद्र सरकार और इलेक्शन कमीशन की भूमिका पर कांग्रेस का सीधा और जानलेवा हमला है। यह रैली चल रहे SIR विवाद और चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के काम के खिलाफ हो रहे ज़बरदस्त विरोध के बीच हो रही है। विपक्ष का आरोप है कि डेमोक्रेसी के पिलर और संवैधानिक संस्थाओं का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस ने अब चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ देश भर में उपजे गुस्से को दिल्ली के मंच से इंटरनेशनल और नेशनल लेवल पर गूंजाने की पूरी स्ट्रैटेजी बना ली है। क्या रामलीला मैदान से कांग्रेस देश को कोई नया पॉलिटिकल मैसेज दे पाएगी? दिल्ली का रामलीला मैदान भारतीय पॉलिटिक्स का इतिहास बदलने के लिए जाना जाता है। पहले भी बड़े पावर शिफ्ट की शुरुआत इसी रामलीला मैदान से हुई है। 1 नवंबर को होने वाली इस रैली में देश भर से लाखों कार्यकर्ता, बड़े नेता और विपक्षी नेताओं के इकट्ठा होने की संभावना है। पॉलिटिकल पंडितों का मानना है कि यह रैली कांग्रेस के लिए तीन मुख्य मोर्चों पर मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकती हैः

1. SIR विवाद और चुनाव आयोग के खिलाफ जनता में जागरूकता पैदा करना।

2. जमीनी कार्यकर्ताओं में नई जान फूंकना और उन्हें लोकसभा और आने वाले राज्य चुनावों के लिए बूस्टर डोज़ देना।

3. दिल्ली के केंद्र से पूरे देश में एकता और विपक्ष की ताकत का जोश भरा संदेश देना। क्या रामलीला मैदान में यह भीड़ रूलिंग पार्टी और चुनाव आयोग को सोचने पर मजबूर करेगी? या यह रैली भी दूसरे विरोध प्रदर्शनों की तरह सिर्फ ताकत दिखाने का एक तरीका बनकर रह जाएगी?

सूरत के अरबपति ष्ट्र की दुनिया AI ने बर्बाद कर दीः पत्नी छोटी-छोटी बातों में ChatGPT की सलाह लेकर दो साल की बेटी को लेकर चली गई



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/अहमदाबाद। साइंस और मॉडर्न टेक्नोलॉजी इंसान की सुविधा के लिए बनाई गई हैं, लेकिन अगर इंसान इसका गुलाम बन जाए, तो यह उसे कितना बर्बाद कर सकती है, इसका एक चौंकाने वाला उदाहरण गुजरात से सामने आया है। सूरत के एक बहुत पढ़े-लिखे चार्टर्ड अकाउंटेंट को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल ChatGPT की इतनी जानलेवा और खतरनाक लत लग गई है कि उसने अपने ही हाथों से अपनी हरी-भरी दुनिया को जलाकर राख कर दिया! घर के मामलों में AI से सलाह लेने और छोटी-मोटी गॉसिप करने और मनगढ़ंत अफवाहें बनाने के साइकोसिस से तंग आकर पत्नी अपनी 2 साल की मासूम बेटी को लेकर अलग रहने चली गई। दादा-दादी और पिता को मारा! गुजरात हाई कोर्ट ने कस्टडी पिटीशन खारिज कर पत्नी के पक्ष में कड़ा फैसला सुनाया ति ने अपनी 2 साल की बेटी की कस्टडी पाने के लिए गुजरात हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लेकिन हाई कोर्ट ने इस केस की सुनवाई के दौरान पति के अजीब बर्ताव और लिखावट पर बहुत हैरानी जताई। हाई कोर्ट ने पति की कस्टडी पिटीशन खारिज करते हुए साफ कहा कि पत्नी के पास बच्चे की कस्टडी होना गैर-कानूनी नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि कोर्ट के सामने पेश किए गए डॉक्यूमेंट्स में पति ने जिन बहुत अजीब और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है,

रिक्शे में भूले हुए डेढ़ लाख रुपये के कीमती चांदी के गहने असली मालिक को लौटाए गएः खुशी के आंसुओं के साथ, लोगों ने पुलिस को दुआएं दीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। आज के मॉडर्न ज़माने में, जहाँ हर तरफ अविश्वास और क्राइम की खबरें देखने को मिलती हैं, वहीं गुजरात पुलिस का इंसानियत भरा और तारीफ़ के काबिल काम कभी-कभी हमारे चेहरे पर मुस्कान और आँखों में खुशी के आंसू ला देता है। खेड़ा ज़िले के हेडक्वार्टर नडियाद से पुलिस डिपार्टमेंट की ईमानदारी और एक्सपर्टीज़ का एक बेहतरीन उदाहरण सामने आया है। नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन की टीम ने बेहतरीन काम करते हुए, एक पैसेंजर के रिक्शे में छूटे हुए लगभग 1.50 लाख रुपये (डेढ़ लाख) के असली चांदी के गहने बरामद किए हैं और उन्हें असली मालिक को इज्ज़त के साथ लौटा दिया है, जिसकी पूरे शहर में तारीफ़ हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद शहर का एक नागरिक अपने ज़रूरी काम से रिक्शा में जा रहा था। सफ़र खत्म होने के बाद, वह जल्दबाजी में अपना कीमती बैग या चांदी के गहनों से भरा सामान रिक्शा में भूल गया और नीचे उतर गया। कुछ देर बाद, जब उसे पता चला कि उसकी ज़िंदगी भर की बचत या शादी के लिए चांदी के गहने रिक्शा में ही छूट गए हैं, तो उसके पैरों तले ज़मीन खिसक गई। गहनों की कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये थी। डरे हुए नागरिक ने तुरंत नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और अपनी आपबीती सुनाई। शिकायत मिलते ही, नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन के PI और उनकी एक्टिव टीम हरकत में आ गई। बिना समय बर्बाद किए, पुलिस ने



तुरंत टेक्निकल सर्विलांस, रास्ते के CCTV फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस (मुखबिरों) के आधार पर रिक्शा ड्राइवर का पता लगाने की कोशिश शुरू कर दी। पुलिस की काबिल टीम और कड़ी मेहनत की वजह से, कुछ ही घंटों में पैसेंजर का रिक्शा और उसमें रखी चांदी की ज्वेलरी सुरक्षित मिल गई।

अहमदाबाद में नकली पुलिस का बड़ा आतंक! इसानपुर में युवक को बाइक पर बिठाकर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और 20 हजार लूटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में खाखी वर्दी के नाम पर निर्दोष नागरिकों को लूटने वाले गिरोह बेलगाम हो गए हैं। शहर के दक्षिणी क्षेत्र के इसानपुर इलाके से एक बेहद चौंकाने वाला और चुनौतीपूर्ण मामला सामने आया है. खाखी के नाम पर दहशत फैलाकर निर्दोष युवक को बाइक पर बिठाकर गलत केस में जेल भेजने की धमकी देकर 20 हजार रुपए नकद छीनने वाले दो शातिर ठग आखिरकार ईसनपुर पुलिस की गिरफ्त में आ गए! प्राप्त विवरण के अनुसार, पीड़ित इसानपुर इलाके से गुजर रहा था जब दो अज्ञात व्यक्तियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और उसे रोका। इससे पहले कि युवक कुछ समझ पाता, ये दोनों नकली पुलिसकर्मी उसे रस्सी दिखाकर धमकाने लगे। फिर युवक को जबरदस्ती अपनी बाइक पर बीच में बैठा लिया. ठग उसे एक सुनसान जगह पर ले गए और युवक को गंभीर झूठे मामले में फंसाकर हमेशा के लिए जेल में डालने की धमकी दी. पुलिस और जेल के डर ने युवक के मन में ऐसा डर पैदा कर दिया कि डरे हुए युवक को खुद को बचाने के लिए उनकी मांगों के आगे झुकना पड़ा. इन दोनों नकली पुलिस वालों ने युवक से जबरदस्ती 20 हजार रुपए नकद ले लिए और उसे छोड़कर भाग गए।ह लूट का शिकार होने के बाद पीड़ित ने हिम्मत जुटाई और तुरंत ईसनपुर थाने पहुंचा और अपने साथ हुई घटना की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को समझते हुए ईसनपुर पुलिस ने तुरंत सीसीटीवी फुटेज और आपराधिक इतिहास वाले संदिग्धों की जांच शुरू कर दी. सघन निगरानी के आधार पर पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले दोनों मुख्य आरोपियों सोनू पठान और इलियास शेख को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है. पुलिस पूछताछ



में जो खुलासा हुआ उसने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं. गिरफ्तार आरोपी इलियास शेख कोई आम अपराधी नहीं बल्कि 'फर्जी पुलिस' बनकर लूटपाट करने का आदतन और अनुभवी अपराधी है. आरोपी इलियास पर पहले भी वडोदरा के दानिलिमडा, मधुपुरा, रामोल, नारोल और रावपुरा पुलिस स्टेशन में फर्जी पुलिस बनकर लोगों को लूटने और ठगने का मामला दर्ज है

नडियाद में बिल्डरों का बड़ा फ्रॉड! योगीनगर में 'प्रवासी-2' स्कीम के नाम पर घर दिलाने के बहाने 12 मजबूर परिवारों से लाखों की ठगी

नडियाद रूरल पुलिस ने जैसे ही FIR दर्ज की, दोनों ठग बिल्डर अंडरग्राउंड हो गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। घर खरीदने का सपना हर मिडिल क्लास परिवार का सबसे बड़ा सपना होता है, लेकिन गुजरात में कुछ बेईमान और लालची बिल्डर इस सपने को कैसे बर्बाद कर सकते हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर नडियाद से सामने आया है। नडियाद के योगीनगर इलाके में 'प्रवासी-2' नाम की हाउसिंग स्कीम के नाम पर भोले-भाले लोगों से किए गए एक बड़े फाइनेंशियल स्कैम का पर्दाफाश हुआ है। नडियाद रूरल पुलिस ने आखिरकार उन बिल्डरों के खिलाफ सख्त FIR दर्ज की है जिन्होंने भोले-भाले लोगों को घर का वादा करके लाखों रुपये ठगे, जिसके चलते दोनों आरोपी बिल्डर पुलिस की पकड़ से फरार हो गए हैं।



क्या है पूरा स्कैम 54 घरों की स्कीम तो बनी लेकिन जाने का रास्ता नहीं दिया! मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद के योगीनगर इलाके में 'प्रवासी-2' नाम से कुल 54 घरों की एक बड़ी स्कीम बनाई गई थी। इस स्कीम के प्रमोटर और बिल्डर ने सुंदर और आकर्षक ब्रोशर दिखाकर कस्टमर्स को फ्लैट और घर बेचना शुरू कर दिया। लोगों ने इस स्कीम में घर खरीदने के लिए अपनी ज़िंदगी भर की जमा-पूंजी और लोन जमा कर दिया। लेकिन जब घरों पर कब्ज़ा करने का समय आया, तो पता चला कि इस स्कीम के पीछे सबसे बड़ी साज़िश छिपी हुई थी। 54 घरों की इस बड़ी सोसाइटी में आने-जाने का कोई मेन या ऑफिशियल रास्ता नहीं था! चारों तरफ से घिरी इस स्कीम में कस्टमर्स बिना सड़क के फंस गए थे। बिल्डर्स की इस धोखाधड़ी का पता चलने पर कस्टमर्स के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। सड़क न होने और वादे के मुताबिक सुविधाएं न देने के बावजूद बिल्डर कस्टमर्स को घुमा रहे थे और बदतमीज़ी कर रहे थे। आखिर में, ठगा हुआ महसूस कर रहे कुल 12 लोगों ने नडियाद रूरल पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। लोगों के गुस्से और सबूतों को ध्यान में रखते हुए, नडियाद रूरल पुलिस ने इस मामले में कानूनी FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी कहाँ चैन की नींद सो रही है? NH-48 पर चिपचिपी चीज़ से कई हादसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजन/वडोदरा। क्या नेशनल हाईवे अथॉरिटी के पाप की वजह से अब आम जनता को हाईवे पर मरने के लिए जाना पड़ेगा? गुजरात का मुख्य हाईवे माने जाने वाले नेशनल हाईवे नंबर 48 पर मंगलेज और करजन के बीच आज जो डरावनी स्थिति पैदा हुई है, उसने प्रशासन की कमियों को उजागर कर दिया है। हाईवे पर अचानक फैली रहस्यमयी और बहुत चिपचिपी चीज़ की वजह से कई हादसे हुए हैं। एक के बाद एक, कई बाइक सवार फिसलकर गिर गए हैं, जबकि चार पहिया समेत कई गाड़ियां भी एक्सीडेंट का शिकार हुई हैं। दर्जनों छोटे-बड़े हादसे होने के बावजूद हाईवे अथॉरिटी या सरकारी सिस्टम कुछ नहीं कर रहा है! इस पूरी घटना की सबसे शर्मनाक और दुखद बात यह है कि पिछले तीन-चार घंटों से, स्थानीय जागरूक नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर खड़े होकर ट्रैफिक मैनेजमेंट का ध्यान रख रहे हैं। वे आने-जाने वाले वाहन चालकों को हादसों से बचाने के लिए गाइड कर रहे हैं और पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए अपनी मानवीय सेवा कर रहे हैं। लेकिन हाईवे अथॉरिटी को टेलीफोन पर बताने के बावजूद, पिछले दो-तीन घंटों से कोई असरदार काम शुरू नहीं हुआ है। 'नेशनल हाईवे सिर्फ़ गाड़ियों से टोल वसूलने के लिए नहीं बनाए जाते, बल्कि यात्रियों के सुरक्षित सफ़र की गारंटी के लिए बनाए जाते हैं।



अलकनंदा-मंदाकिनी सोसाइटी के पास एक लापरवाह कार ड्राइवर ने तीन रिक्शा उड़ा दिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पॉश इलाके शाहीबाग में एक बहुत ही चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शाहीबाग में मशहूर अलकनंदा और मंदाकिनी सोसाइटी के आसपास के इलाके में तेज रफ्तार कार ड्राइवर ने खूब आतंक मचाया। लापरवाह कार ड्राइवर ने एक साथ तीन रिक्शा को टक्कर मारकर हवा में उछाल दिया, जिससे दो मासूम लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस पूरी घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिसे देखकर किसी की भी सांसें थम जाएंगी! मिली जानकारी के मुताबिक, शाहीबाग की इस व्यस्त सड़क से एक शानदार कार तेज रफ्तार से गुजर रही थी। कार इतनी तेज़ चल रही थी कि ड्राइवर का कंट्रोल उस पर से हट गया। जैसे ही यह अलकनंदा और मंदाकिनी सोसायटी के पास पहुंची, तेज़ रफ्तार से चल रही इस कार का टायर अचानक ज़ोरदार धमाके के साथ फट गया। टायर फटते ही ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल पूरी तरह हट गया। बेकाबू हुई कार सड़क पर तेज़ी से दौड़ने लगी और एक के बाद एक सड़क पर खड़े और पास से गुज़र रहे तीन रिक्शा को टक्कर मार दी। रिक्शा से चीख़ने की आवाज़ आई और फिर बेकाबू हुई कार सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकराकर रुक गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल, ट्रैफिक पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।



यात्री से 30 रुपये छीने, टिकट के पीछे लिखा और धक्का देकर डिपो ले जाने को मजबूर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद/बायड/दाहोद। गुजरात ST बस की बसों को गरीबों और आम जनता की लाइफलाइन माना जाता है, लेकिन ST बस इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि कैसे कुछ गैर-जिम्मेदार और मनमानी करने वाले कर्मचारी यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाते हैं। बायड डिपो की बायड से दाहोद जा रही स्ज्र बस के कंडक्टर की बदमाशी और बेरहमी का एक काला मामला सामने आया है, जहां कंडक्टर ने खुले पैसे होने के बावजूद एक बेकसूर यात्री के 30 रुपये वापस करने से मना कर दिया और उल्टा डिपो ले जाने की धमकी दी! मिली जानकारी के मुताबिक, एक यात्री संतरामपुर से बायड डिपो की इस बस में चढ़ा था। यात्री का टिकट 22 रुपये का था। नियम और रिवाज के मुताबिक, यात्री ने कंडक्टर को 50 रुपये का नोट दिया और बाकी के छुट्टे मांगे। उस समय कंडक्टर ने 2 रुपये छुट्टे के तौर पर लौटा दिए थे। लेकिन अभी भी 30 रुपये बाकी थे। यात्री ने उसे 10 रुपये और दिए और कंडक्टर से कहा कि मेरे 10 रुपये रख लो और पूरे 30 रुपये छुट्टे लौटा दो। कंडक्टर के बैग में काफी छुट्टे थे, फिर भी उसने यात्री के 30 रुपये लौटाने से साफ मना कर दिया। इतना ही नहीं, कंडक्टर ने हद तो तब कर दी जब उसने ग्राहक से गुंडे की भाषा में कहा, 'मैं टिकट के पीछे 30 रुपये लिख दूंगा, अब जब भी डिपो जाओ, जाकर अपने पैसे ले जाना! ' जब एक आम यात्री अपनी मंज़िल तक पहुंचने के लिए स्ज्र बस पर भरोसा करता है, अगर बस कंडक्टर की सोच यात्रियों से बैंक या दुकानदार की तरह 30 रुपये ऐंठने की हो, तो आम लोग कहां जाएंगे? 30 रुपये भले ही छोटी रकम लगती हो, लेकिन हर दिन हज़ारों पैसेंजर के साथ होने वाली छोटी-मोटी चोरी या धोखाधड़ी लाखों रुपये का भ्रष्टाचार बन जाती है।

परिसीमन में बेईमानी और पुलिस के दुरुपयोग का आरोप, पंचायत चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी कांग्रेस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निकाय चुनावों के दौरान परिसीमन में अनियमितताओं और पुलिस प्रशासन के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत होती रहती है, लेकिन परिसीमन में कथित बेईमानी और पुलिस की भूमिका गंभीर चिंता का विषय है।



गहलोत ने दावा किया कि पुलिस अधिकारी स्वयं दबाव में काम करने की बात कह रहे हैं। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय से रोजाना निगरानी की जा रही थी और मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षकों तथा जिला कलेक्टरों को बुलाकर निर्देश दिए थे। रविवार को जयपुर स्थित अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि कांग्रेस आगामी पंचायत चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संभाग, जिला और विधानसभा स्तर पर कमेटियां गठित कर दी हैं तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति भी की गई है। हालांकि, उन्होंने पंचायत चुनावों के लिए किए गए परिसीमन पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इसमें अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान बाड़ेबंदी और धनबल के इस्तेमाल को लेकर भी चिंता जताई। हलोत ने आरोप लगाया कि प्रदेशभर में परिसीमन के दौरान वार्डों की सीमाएं और मतदाताओं की संख्या तय करने में मनमानी की गई। उन्होंने कहा कि कुछ वार्डों में महज 85 मतदाता हैं, जबकि कुछ में 250 और कई वार्डों में पांच हजार, दस हजार या 20 हजार तक मतदाता हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मतदाताओं की संख्या में इतना बड़ा अंतर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित कैसे हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि घनश्याम तिवाड़ी, राजेंद्र राठौड़ और अरुण चतुर्वेदी ने छह महीने तक ओटीएस में बैठकर परिसीमन का काम किया। उनके मुताबिक, इस प्रक्रिया में वार्डों की संख्या का मजाक बना दिया गया है। गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्षता और समानता का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर भी गलत बयान देने का आरोप लगाया। गहलोत के अनुसार, चुनावों के दौरान पुलिस प्रशासन के इस्तेमाल को लेकर प्रदेश की छवि प्रभावित हुई है और इस मुद्दे पर मीडिया में भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सत्ता में होने के कारण लोग अपनी समस्याओं पर खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन समय आने पर जनता अपना जवाब देगी। गहलोत ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं .

माउंट आबू में देर रात तक गरबा की धूम, डांडिया रास पर थिरक रहे महिला-पुरुष और बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

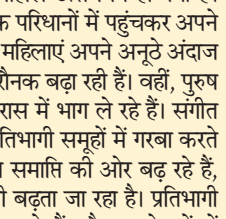


माउंट आबू। पर्यटन नगरी माउंट आबू में नवरात्र के दौरान गरबा और डांडिया रास की धूम मची हुई है। शहर के अलग-अलग गरबा आयोजनों में देर रात तक रौनक बनी हुई है। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे उत्साह के साथ गरबा खेलने पहुंच रहे हैं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागी डांडिया की ताल पर थिरकते नजर आ रहे हैं। गरबा आयोजनों में उमड़ रही भीड़ से शहर का माहौल उत्सवमय हो गया है। गरबा स्थलों पर महिलाएं आकर्षक पारंपरिक परिधानों में पहुंचकर अपने नृत्य से लोगों का ध्यान खींच रही हैं। कुछ महिलाएं अपने अनूठे अंदाज और खास नृत्य प्रस्तुतियों से आयोजन की रौनक बढ़ा रही हैं। वहीं, पुरुष और बच्चे भी पूरे उत्साह के साथ डांडिया रास में भाग ले रहे हैं। संगीत की धुन और डांडिया की खनक के बीच प्रतिभागी समूहों में गरबा करते दिखाई दे रहे हैं। जैसे-जैसे नवरात्र के दिन समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे गरबा खेलने वालों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। प्रतिभागी देर रात तक गरबा खेलने की इच्छा जता रहे हैं और आयोजनों में लगातार भागीदारी कर रहे हैं। गरबा देखने के लिए पहुंचने वाले लोगों की भी भीड़ देर रात तक बनी रहती है, जिससे आयोजन स्थलों पर चहल-पहल बढ़ गई है। माउंट आबू में नवरात्र के दौरान गरबा केवल नृत्य तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के लिए एक साथ मिलकर उत्सव मनाने का अवसर भी बन रहा है। परिवारों के साथ पहुंच रहे लोग प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। देर रात तक चल रहे गरबा आयोजनों में संगीत, नृत्य और पारंपरिक परिधानों की छटा देखने को मिल रही है। नवरात्र के अंतिम दिनों में भी लोगों का जोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है और गरबा की धूम लगातार बनी हुई है।

जोधपुर में बदलने लगा मौसम, रातें हुईं ठंडी अगले सप्ताह गिरेगा तापमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है, जबकि दिन में गर्मी का असर अब भी बना हुआ है। देर रात चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आने की संभावना है। हालांकि, इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को जोधपुर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन और रात के तापमान में अंतर के चलते मौसम में बदलाव महसूस होने लगा है। दिन के समय जहां गर्मी बनी हुई है, वहीं रात में अपेक्षाकृत ठंडक रहने लगी है मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार, 19 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके बाद मंगलवार को तापमान में करीब एक डिग्री की गिरावट आ सकती है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। 21 से 24 अक्टूबर के बीच भी अधिकतम तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में दिन के समय गर्मी से राहत मिलने की संभावना है, हालांकि तापमान में बदलाव के कारण मौसम का मिला-जुला असर बना रहेगा। दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी गिरावट का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इसके बाद इसमें कमी आने की संभावना है और पारा 24 से 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। देर रात चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण भी मौसम में ठंडक बढ़ रही है।



मां की अंतिम इच्छा का सम्मानः मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा कर गईं 80 वर्षीय पनी देवी, बेटे ने मेडिकल कॉलेज में किया देहदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में 80 वर्षीय पनी देवी ने मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। उनकी अंतिम इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनका शरीर चिकित्सा अनुसंधान और मेडिकल विद्यार्थियों की पढ़ाई के काम आए। रविवार को उनके बेटे लूंभाराम ने मां की इसी इच्छा का सम्मान करते हुए बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में उनकी पार्थिव देह दान कर दी। पनी देवी ने जून 2026 में ही देहदान की इच्छा जताई थी, जिस पर परिवार ने भी सहमति दी थी। पनी देवी बाड़मेर जिले की धनाऊ तहसील के भूणिया गांव स्थित फगलू का तला की निवासी थीं। उनके बेटे लूंभाराम ने बताया कि शनिवार शाम करीब सात बजे उनकी मां को अचानक उल्टी हुई और तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें धोरीमन्ना अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। रविवार को पार्थिव देह घर लाई गई और दोपहर करीब 3:30 बजे बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में देहदान की प्रक्रिया पूरी की गई। ूभाराम के अनुसार, जून 2026 में सोशल मीडिया पर देहदान को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान उन्होंने अपने परिवार में भी इस विषय पर बातचीत की और मां से उनकी इच्छा पूछी। पनी देवी ने देहदान के प्रति सहमति जताते हुए कहा था कि मृत्यु के बाद उनका शरीर अनुसंधान के काम आना चाहिए। परिवार ने उनकी इच्छा का सम्मान करने का निर्णय लिया। लूंभाराम ने बताया कि उनकी मां का मानना था कि यदि उनके शरीर से चिकित्सा अनुसंधान में मदद मिलती है, तो इससे भविष्य में बीमारियों के इलाज को समझने और जरूरतमंद लोगों की जान बचाने में सहायता मिल सकती है। वह चाहती थीं कि उनके जाने के बाद भी उनका शरीर समाज के लिए उपयोगी साबित हो। पनी देवी की पार्थिव देह बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के काम आएगी। इससे एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना को समझने और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। देहदान चिकित्सा शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि इससे भावी चिकित्सकों को अध्ययन और प्रशिक्षण के अवसर मिलते हैं। लूंभाराम नवातला स्कूल में तृतीय श्रेणी शिक्षक (लेवल-2) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में भी कुछ लोगों को देहदान की घोषणा करते देखा था। इससे प्रेरित होकर उन्होंने



अपनी मां से इस विषय पर चर्चा की। मां की सहमति मिलने के बाद परिवार ने उनके संकल्प को पूरा करने का निर्णय लिया। पनी देवी का देहदान केवल एक परिवार का निर्णय नहीं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा देने वाला कदम है। उनकी इच्छा थी कि मृत्यु के बाद भी उनका शरीर किसी के काम आए। बेटे लूंभाराम ने उनकी इस भावना को सम्मान देते हुए देहदान कराया और यह संदेश दिया कि मानवता की सेवा जीवन के बाद भी जारी रह सकती है।

जालोर में मारवाड़ टी पॉइंट के बाहर पिकअप ने स्कूटी को मारी टक्कर, व्यापारियों का हंगामा

पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई और मिलीभगत के आरोप, पार्षद सहित व्यापारियों ने जताया विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। नगर परिषद के पास स्थित मारवाड़ टी पॉइंट के बाहर शनिवार शाम रॉन्ग साइड से आ रहे एक लोडिंग पिकअप वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसका चालक घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर विवाद बढ़ गया। आसपास के व्यापारियों ने पुलिस पर एकतरफा व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। मामले में वार्ड-21 के पार्षद हुक्मीचंद सोलंकी सहित कई व्यापारी और स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद पिकअप चालक का एक रिश्तेदार मौके पर पहुंचा और वाहन के नीचे फंसी स्कूटी को जबरन हटाने का प्रयास करने लगा। आरोप है कि उसने पुलिस का हवाला देते हुए वहां मौजूद लोगों को धमकाया। इस पर पार्षद हुक्मीचंद सोलंकी सहित व्यापारियों ने विरोध जताया और पुलिस को



मौके पर बुलाने की बात कही। इस दौरान पार्षद और व्यापारियों के साथ धक्का-मुक्की करने तथा स्कूटी हटाने का प्रयास करने के आरोप भी सामने आए। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाने से बाबूलाल और ओमप्रकाश विश्नोई मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि मारवाड़ टी पॉइंट संचालक की बहन पुलिसकर्मी होने के कारण मामले में एकतरफा व्यवहार किया गया। हालांकि, यह आरोप व्यापारियों की ओर से लगाए गए हैं। व्यापारियों के अनुसार, विरोध बढ़ने पर पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया और टी पॉइंट संचालक को भी अपने साथ ले गई। वहीं, अस्पताल में पहुंची टी पॉइंट से जुड़ी पुलिसकर्मी पर भी व्यापारियों ने धमकाने का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि किसी भी पक्ष के साथ पक्षपात न हो व्यापारियों ने मारवाड़ टी पॉइंट पर स्मैक सहित अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दुकान पर नशा करने वाले लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके चलते गाली-गलौज और अन्य गतिविधियों से आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों के मुताबिक, इस संबंध में पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका आरोप है कि इस स्थान पर आए दिन विवाद की स्थिति बनती रहती है। हालांकि, नशीले पदार्थों की बिक्री से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

हेटमजी गांव में अवैध निर्माण पर दूसरे दिन भी कार्रवाई, 1500 वर्गफीट में छत डालने की तैयारी रुकवाई

4 ट्रॉली बजरी और सरिया किया जब्त, इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण गतिविधियों पर प्रशासन की निगरानी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। इको-सेंसिटिव जोन के नियमों के तहत निर्माण गतिविधियों पर निगरानी के बीच हेटमजी गांव में प्रशासन की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। मकान की छत डालने की तैयारी के दौरान मौके पर पहुंची नगर पालिका की टीम ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। साथ ही मौके से भारी मात्रा में निर्माण सामग्री जब्त की गई। लगातार दूसरे दिन हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों में हलचल मची हुई है।जानकारी के अनुसार, हेटमजी गांव में बिना प्रशासनिक स्वीकृति के करीब 1500 वर्गफीट क्षेत्र में मकान की छत डालने की तैयारी की जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर प्रशासन हरकत में आया और नगर पालिका की टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर काम रुकवाया तथा वहां रखी निर्माण सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई की। कार्रवाई ईएसजेड नोडल भारी राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन और नगर पालिका आयुक्त त्रिकमदान चारण के



नेतृत्व में की गई। मौके पर पहुंची टीम ने निर्माण कार्य तत्काल बंद करवाया। इसके बाद निर्माण स्थल से पांच ट्रॉली एग्रीगेट, चार ट्रॉली बजरी और सरिया जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कनिष्ठ अभियंता लक्ष्मण कुमार और लेखाकार शिल्पा बिष्ट भी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने निर्माण सामग्री जब्त करने के साथ बिना प्रशासनिक स्वीकृति के चल रही निर्माण गतिविधियों को रुकवाया। इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण गतिविधियों को लेकर प्रशासन की निगरानी के बीच हेटमजी गांव में लगातार दूसरे दिन कार्रवाई की गई है। बिना स्वीकृति निर्माण की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर काम रुकवाने और सामग्री जब्त करने की कार्रवाई की गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है। इको-सेंसिटिव जोन के नियमों के तहत निर्माण गतिविधियों पर निगरानी और बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण को रोकने की कार्रवाई आगे भी महत्वपूर्ण रहेगी।

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम की धारा 51 के तहत बैठक बुलाने का आग्रह

पाली नगर निगम में विशेष बोर्ड बैठक बुलाने की मांग, 30 पार्षदों ने दिया ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निगम में शहर के विकास कार्यों को लेकर विशेष बोर्ड बैठक बुलाने की मांग उठी है। पार्षद राकेश भाटी के अनुसार, 30 पार्षदों ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन जिला कलेक्टर, महापौर और नगर निगम आयुक्त को सौंपकर विशेष बैठक आयोजित करने का आग्रह किया है। पार्षदों ने शहर में चल रहे विकास कार्यों, प्रस्तावित योजनाओं और वार्ड स्तर पर सामने आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करने के लिए बैठक बुलाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपे जाने के बाद अब नगर निगम प्रशासन की ओर से की जाने वाली कार्रवाई पर नजर बनी हुई है। पार्षदों का कहना है कि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर बोर्ड के स्तर पर चर्चा होना आवश्यक है, ताकि विभिन्न वार्डों में चल रहे कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। इसके साथ ही जिन विकास कार्यों को प्रस्तावित किया गया है, उनकी प्रगति, वर्तमान स्थिति और आगे की प्रक्रिया को लेकर भी जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। पार्षदों ने विशेष बैठक को शहर के विकास से जुड़े विषयों पर सामूहिक विचार-विमर्श का माध्यम बताते हुए इसे जल्द आयोजित करने का आग्रह किया है। पार्षद



राकेश भाटी ने बताया कि विशेष बोर्ड बैठक बुलाने के लिए राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 51 का हवाला देते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है। इसमें पाली शहर के विकास कार्यों को मुख्य एजेंडा बनाए जाने की मांग की गई है। पार्षदों ने संबंधित अधिकारियों और महापौर से आग्रह किया है कि बैठक की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए इसकी तारीख निर्धारित की जाए। पार्षदों के अनुसार, शहर में विकास कार्यों को लेकर कई ऐसे विषय हैं, जिन पर बोर्ड की बैठक में चर्चा की जानी चाहिए। अलग-अलग वार्डों में चल रहे कार्यों की स्थिति और प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी मिलने से पार्षद अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को बेहतर तरीके से सामने रख सकेंगे। इसके अलावा विकास कार्यों को लेकर सामने आने वाली समस्याओं और आवश्यकताओं पर भी चर्चा का अवसर मिलेगा। विशेष बोर्ड बैठक बुलाने की मांग के पीछे एक प्रमुख उद्देश्य वार्डों में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना है। पार्षद चाहते हैं कि बैठक में विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हो, जिससे प्रत्येक वार्ड की जरूरतों और वहां संचालित कार्यों के बारे में जानकारी सामने आ सके। शहर के विकास में वार्ड स्तर की समस्याओं और आवश्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में बोर्ड बैठक के दौरान पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे उठा सकते हैं। इससे प्रस्तावित कार्यों की स्थिति, विकास योजनाओं से संबंधित विषयों और वार्डों की जरूरतों पर चर्चा का अवसर मिलेगा। पार्षदों का आग्रह है कि इन विषयों को प्राथमिकता देते हुए विशेष बैठक आयोजित की जाए। ज्ञापन पर 30 पार्षदों के हस्ताक्षर होने के कारण यह मांग सामूहिक रूप से नगर निगम प्रशासन के समक्ष रखी गई है। पार्षदों ने जिला कलेक्टर, महापौर और नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर बैठक आयोजित करने की आवश्यकता बताई है। अब आगे की प्रक्रिया संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई पर निर्भर करेगी। ज्ञापन सौंपे जाने के बाद अब नगर निगम आयुक्त की ओर से विशेष बोर्ड बैठक बुलाने के संबंध में उठाए जाने वाले कदमों का इंतजार है।

दिनेश हंस बने अखिल भारतीय एससी/एसटी एकता मंच के राष्ट्रीय सचिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अखिल भारतीय एससी/एसटी एकत मंच ने दिनेश हंस को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। 17 अक्टूबर को जारी नियुक्ति-पत्र के माध्यम से मंच ने उनके अनुभव, कार्यक्षमता और समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता पर विश्वास जताया है। इस नियुक्ति के साथ उन्हें संगठन की गतिविधियों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंच का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज सहित विभिन्न समुदायों के बीच एकता, सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। संगठन सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने तथा विभिन्न समुदायों के बीच आपसी सहयोग और एकजुटता स्थापित करने की दिशा में कार्य करने पर जोर देता है। दिनेश हंस की राष्ट्रीय सचिव के पद पर नियुक्ति को संगठनात्मक जिम्मेदारियों के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। मंच ने उनके अनुभव और समाजसेवा के प्रति समर्पण पर भरोसा जताते हुए उनसे संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा की है।



रजिस्ट्रेशन नहीं होने वाली स्कूटी नीलामी में बेचने पर आयोग सख्त, आबकारी और परिवहन अधिकारियों को तलब किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

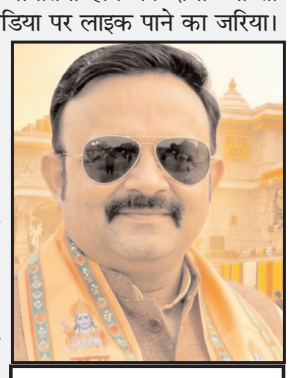
जालोर। आबकारी विभाग की ओर से जब्त स्कूटी को नीलामी में बेचने के बाद उसका रजिस्ट्रेशन नहीं होने का मामला सामने आने पर जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग ने गंभीरता दिखाई है। आयोग ने इस मामले में जिला आबकारी अधिकारी भीनमाल और जिला परिवहन अधिकारी जालोर को तलब किया है। दोनों अधिकारियों को 27 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले में सवाल उठाया गया है कि जब संबंधित स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा सकता था, तो उसे नीलामी में बेचने की अनुमति किस आधार पर दी गई। आयोग ने इसी बिंदु पर संबंधित विभागों से जवाब मांगा है। प्रकरण के अनुसार, परिवादी हितेश कुमार ने जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग में परिवाद पेश कर बताया कि उसने आबकारी विभाग भीनमाल की ओर से जब्त वाहनों की नीलामी के दौरान एक स्कूटी खरीदी थी। नीलामी में वाहन खरीदने के बाद उसने अपने नाम पर स्कूटी का रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए परिवहन विभाग में आवेदन किया। हालांकि, परिवादी के अनुसार, परिवहन विभाग ने स्कूटी को बीएस-4 मानकों के अनुरूप नहीं बताते हुए उसका रजिस्ट्रेशन करने से इनकार कर दिया। इसके बाद वाहन खरीदने के बावजूद वह उसका रजिस्ट्रेशन नहीं करवा सका। इसी समस्या को लेकर परिवादी ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग के सामने यह महत्वपूर्ण सवाल आया कि यदि स्कूटी का नियमानुसार रजिस्ट्रेशन संभव नहीं था, तो उसे नीलामी में बिक्री के लिए कैसे शामिल किया गया।



सम्पादकीय

अब समय आ गया है कि असली सनातनी और दिखावटी हिंदू में फर्क समझा जाए!

सिर्फ भगवा कपड़े, तिलक या सोशल मीडिया रील से कोई सनातनी नहीं बन जाता



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज के समय में 'धर्म' और 'सनातनी होने का दावा' या तो फैशन बन गया है या सोशल मीडिया पर लाइक पाने का जरिया। गले में बड़ी-बड़ी माला पहनना, माथे पर बड़े-बड़े तिलक लगाना, भगवा कपड़े पहनकर वीडियो बनाना और सोशल मीडिया पर धर्म की बड़ी-बड़ी बातें पोस्ट करना, क्या यही सच्चा सनातन धर्म है? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक के मन में उठना चाहिए। सनातन धर्म कोई दिखावा नहीं, बल्कि यह आचरण, संस्कृति, सच्चाई और दया की एक जीवनशैली है जो इंसान को सच में इंसान बनाती है। दिखावटी लोगों का असली चरित्रः बड़ी-बड़ी बातें और आचरण ज़ीरो! आज समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं जो खुद को हिंदू धर्म का सबसे बड़ा समर्थक मानते हैं, लेकिन उनकी निजी और सामाजिक ज़िंदगी में सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों का कोई निशान नहीं है। धर्म की रक्षा के लिए सबके सामने चिल्लाना लेकिन अपने मतलब के लिए अन्याय को नज़रअंदाज़ करना, भ्रष्ट रवैया अपनाना और दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए सारी हदें पार कर देना–यह सब सनातन संस्कृति की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।

सिर्फ़ धर्म के नाम पर दिखावा करना, धर्म का इस्तेमाल अपने निजी फ़ायदे या राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए करना और असली मुसीबत के समय चुपचाप बैठे रहना असली सनातनी की निशानी नहीं, बल्कि दिखावटी और दोगले चरित्र की निशानी है। ऐसे लोग अपने मतलब के लिए धर्म की पवित्र छवि को सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं।

असली सनातनी कौन है? वह जो अपने खून और ज़िंदगी में धर्म के मूल्यों को बसाए।

असली सनातनी वह नहीं है जो सिर्फ़ मंच से या सोशल मीडिया पर बड़े-बड़े धार्मिक नारे लगाता है। सच्चा सनातनी वो है जो सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों को अपने व्यवहार में जीते हैं।

ऐसा इंसान जो हमेशा सच का साथ देता है, चाहे हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों।

जो बेगुनाहों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ चुप बैठने के बजाय अपनी आवाज़ उठाता है।

जो गरीब, लाचार, बेसहारा और पीड़ितों के साथ खड़ा होता है।

जो समाज में महिलाओं का सम्मान करता है और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

वही सही मायने में सनातन संस्कृति का सच्चा रक्षक और वाहक है। धर्म की आड़ में हो रहे अत्याचारों से सावधान रहने की ज़रूरत है। ाज की युवा पीढ़ी को यह समझने की ज़रूरत है कि धर्म डर या नफ़रत फैलाने का ज़रिया नहीं है, बल्कि यह प्यार, इंसानियत, भाईचारा और फ़र्ज़ सिखाता है। अगर कोई इंसान रोज़ मंदिरों में सिर झुकाता है, पूजा-पाठ करता है लेकिन अपने पड़ोसी के साथ अन्याय करता है, गरीबों का शोषण करता है या समाज में अशांति फैलाता है, तो उसकी पूजा या धार्मिकता सिर्फ़ दिखावा है। सनातन धर्म की जड़ में 'वसुधैव कुटुम्बकम' (पूरी धरती हमारा परिवार है) की भावना है। सभी जीवों के लिए दया और समानता ही सनातन की असली पहचान है। अगर हमें अपनी पवित्र संस्कृति को मज़बूत करना है, तो सिर्फ़ नारेबाज़ी से काम नहीं चलेगा, बल्कि अपने आचरण को शुद्ध करना होगा। हमें स्वार्थ छोड़कर धर्म के सच्चे और ऊँचे आदर्शों को जीवन में अपनाना होगा। अब समय आ गया है कि हम दिखावटी और पाखंडी चेहरों को पहचानें और सच्चे सनातन बनकर समाज में सच्चाई और न्याय का दीया जलाएँ।धर्म की वास्तविक शक्ति मनुष्य के विचारों और कर्मों में दिखाई देती है। जब कोई व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है, दूसरों के दुख को अपना दुख समझता है और बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंदों की सहायता करता है, तभी उसके जीवन में धार्मिक मूल्यों की सार्थकता नजर आती है। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जरूरी है कि हम दूसरों की कमियां गिनाने से पहले अपने आचरण का मूल्यांकन करें।

आज युवाओं के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपनी संस्कृति और परंपराओं को सही अर्थों में समझने की है। उन्हें यह जानना चाहिए कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य केवल अपनी पहचान प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाना भी है। किसी व्यक्ति के पहनावे, तिलक या धार्मिक नारों से अधिक महत्वपूर्ण उसका व्यवहार, उसकी ईमानदारी और दूसरों के प्रति उसका सम्मान है। हमें ऐसा समाज बनाने का प्रयास करना चाहिए, जहां धर्म के नाम पर भेदभाव के बजाय आपसी विश्वास बढ़े, विवाद के बजाय संवाद हो और नफरत के बजाय प्रेम को स्थान मिले। जब धार्मिक आस्था के साथ विवेक, संवेदना और जिम्मेदारी जुड़ती है, तभी संस्कृति मजबूत होती है। सच्ची धार्मिकता वही है, जो इंसान को विनम्र बनाए और समाज में न्याय, सद्भाव तथा मानवता की भावना को मजबूत करे।

जब इंसान अपनी ही नज़रों में छोटा हो जाता है...



रूपेश सोलंकी,

इंसान के जीवन में सबसे बड़ा दुख तब पैदा नहीं होता, जब दुनिया उसे ठुकरा देती है, बल्कि तब होता है, जब वह खुद अपनी ही नज़रों में गिरने लगता है। दूसरों को खुश रखने की दौड़ में इंसान कभी-कभी अपनी खुशियों, भावनाओं और आत्मसम्मान को ही भूल जाता है। हर व्यक्ति को जीवन में प्रेम, सम्मान और स्वीकार्यता की अपेक्षा होती है। लेकिन जब इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इंसान अपने सिद्धांतों से समझौता करने लगता है, अन्याय सहने लगता है और अपनी बात कहने से भी डरने लगता है, तब वह धीरे-धीरे अपनी पहचान खोने लगता है।

रिश्तों को निभाना ज़रूरी है, लेकिन रिश्तों को बचाने के नाम पर बार-बार खुद को दुखी करना समझदारी नहीं है। किसी से प्रेम करने का अर्थ यह नहीं कि उसकी हर बात स्वीकार कर ली जाए, किसी का सम्मान करने का अर्थ यह नहीं कि अपना अपमान सहन किया जाए और किसी को खोने के डर से अपनी पहचान मिटा देना भी उचित नहीं है। हमारी कीमत दूसरों के व्यवहार से तय नहीं होती; हमारी असली पहचान इस बात में है कि हम खुद को कितना सम्मान देते हैं। जीवन में हर व्यक्ति हमें समझ सके, यह ज़रूरी नहीं है। हम सही हों, फिर भी कोई हमें गलत समझ सकता है। हम निःस्वार्थ भाव से किसी की मदद करें, फिर भी कोई हमारी भावनाओं की कद्र न करे, ऐसा भी हो सकता है। लेकिन दूसरों की उपेक्षा के कारण खुद को कम आँकना अपने ही साथ अन्याय करना है। आत्मसम्मान का अर्थ अहंकार नहीं है। अपनी गलती स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं को समझना और ज़रूरत पड़ने पर अपनी सीमाएँ स्पष्ट करना, सच्चे आत्मसम्मान की निशानी है। हर बार अपनी सच्चाई साबित करना ज़रूरी नहीं होता और हर रिश्ते में अपनी अहमियत समझाने के लिए बार-बार विनती करना भी आवश्यक नहीं है।

कभी-कभी ठहरकर खुद से पूछना चाहिए कि हम रिश्ते प्रेम से निभा रहे हैं या किसी को खोने के डर से? क्या हम अपनी खुशियों के लिए भी जीते हैं, या केवल दूसरों की अपेक्षाएँ पूरी करने में ही अपना पूरा जीवन बिता रहे हैं?

दुनिया की नज़रों में बड़ा बनना सफलता हो सकती है, लेकिन अपनी ही नज़रों में सही बने रहना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। लोगों की प्रशंसा पाने से अधिक महत्त्वपूर्ण ऐसा जीवन जीना है, जिससे अपने अंतर्मन को संतुष्टि मिल सके। याद रखिए, दुनिया को जीतने की होड़ में खुद को मत हारिए; क्योंकि जब इंसान अपनी ही नज़रों में छोटा हो जाता है, तो उसे दोबारा खड़े होने के लिए सबसे पहले खुद पर अपना विश्वास वापस पाना पड़ता है।

सावधान! लगातार कब्ज एक साइलेंट किलर हो सकता है कैंसर की चेतावनीः जानें क्यों बढ़ रहे हैं कोलन और रेक्टल कैंसर के मामले

अहमदाबाद हाल के सालों में, गुजरात समेत पूरे देश में पाचन तंत्र के आखिरी हिस्सों–यानी कोलन (बड़ी आंत) और रेक्टम–के कैंसर के मामलों में खतरनाक बढ़ोतरी हुई है। पहले यह कैंसर आमतौर पर 50 से 60 साल की उम्र के बाद देखा जाता था, लेकिन अब बदलती लाइफस्टाइल की वजह से 25 से 40 साल के युवा भी इस गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या 'क्रोनिक कब्ज', जिसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में नज़रअंदाज़ किया जाता है, इस जानलेवा कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है?

आइए समझते हैं कि इस विषय पर मेडिकल एक्सपर्ट क्या कहते हैं और इस विषय को गंभीरता से लेना क्यों ज़रूरी है।

क्या लगातार कब्ज कोलन कैंसर का लक्षण है?

हां, मेडिकल साइंस के अनुसार, अगर आपको अचानक या लंबे समय तक लगातार कब्ज की समस्या है, तो इसे नॉर्मल मानकर नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो सकता है। जब बड़ी आंत या रेक्टम में कैंसर वाला ट्यूमर या पॉलिप बनता है, तो यह आंतों के रास्ते को छोटा कर देता है। इस रुकावट की वजह से पेट खाली करना मुश्किल हो जाता है और व्यक्ति कोलगातार कब्ज़ महसूस होता है। हालांकि, हर कब्ज़ कैंसर नहीं होता! लेकिन अगर नॉर्मल इलाज या खाने-पीने में बदलाव के बाद भी कब्ज़ ठीक नहीं होता, तो यह कोलन कैंसर का संकेत हो सकता है। कैंसर के दूसरे जानलेवा और ज़रूरी लक्षण सिर्फ कब्ज़ ही नहीं, बल्कि अगर नीचे दिए गए कोई भी लक्षण दिखें, तो आपको तुरंत कैंसर स्पेशलिस्ट (ऑन्कोलॉजिस्ट) से संपर्क करना चाहिए डायरिया और कब्ज़ में बार-बार बदलावः कभी कब्ज़ अचानक हो जाता है, तो कभी डायरिया अचानक हो जाता है।

मल से खून आनाः शौच के दौरान लाल या काला खून आना (कई लोग इसे बवासीर समझ लेते हैं)।

पेट का पूरी तरह खाली न होना महसूस होनाः शौच के बाद भी लगातार ऐसा महसूस होना कि पेट पूरी तरह खाली नहीं हुआ है।

मल के आकार में बदलावः मल बहुत पतला (पेंसिल जैसा) हो जाता है।

अचानक वज़न कम होना और थकानः बिना किसी वजह के तेज़ी से वज़न कम होना और लगातार कमज़ोरी महसूस होना। पेट में दर्द या बहुत ज़्यादा तकलीफ़ः पेट के निचले हिस्से में लगातार दर्द, सूजन या गैस।

कोलोरेक्टल कैंसर के मामले क्यों बढ़ रहे हैं?

आजकल की लाइफस्टाइल और खाने की गलत आदतें इस कैंसर के लिए मुख्य वजह हैंः

1. बिना फाइबर वाला प्रोसेस्ड फ़ूडः जंक फ़ूड, मैदा, पैकेज्ड फ़ूड और बिना फाइबर वाला खाना आंतों के डाइजेशन को धीमा कर देता है।
2. रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट का ज़्यादा सेवनः ज़्यादा मीट और तला हुआ खाना आंतों के सेल्स को नुकसान पहुंचाता है।
3. फिजिकल एक्टिविटी की कमीः घंटों एक ही जगह पर बैठे रहना और एक्सरसाइज़ न करना।
4. स्मोकिंग और शराब का सेवनः शराब और तंबाकू से कोलन कैंसर का खतरा दोगुना हो जाता है।
5. मोटापा और डायबिटीज़ः ज़्यादा वज़न भी शरीर में सूजन बढ़ाकर कैंसर को बुलावा देता है।

बचाव और डायग्नोसिसः समय पर जांच से ही जान बच सकती है

कोलोरेक्टल कैंसर एक ऐसा कैंसर है जिसका अगर शुरुआती स्टेज में पता चल जाए, तो मरीज़ पूरी तरह ठीक हो सकता है।

कोलोनोस्कोपीः 45 साल की उम्र के बाद या अगर परिवार में किसी को कोलन कैंसर है, तो रेगुलर कोलोनोस्कोपी करवानी चाहिए। यह टेस्ट आंत में छोटे पॉलिप (ट्यूमर) का पता लगाकर उन्हें कैंसर बनने से पहले ही निकाल सकता है।

फाइबर वाला खाना खाएंः डाइजेस्टिव सिस्टम को एक्टिव रखने के लिए हरी सब्जियां, फल, सलाद और अनाज ज़्यादा खाएं।



खूब पानी पिएंः दिन भर सही मात्रा में पानी पीने से कब्ज़ नहीं होता।

बिना डॉक्टरी सलाह के परमानेंट लैक्सेटिव न लेंः कब्ज़ को पाउडर या गोलियों से दबाने के बजाय, इसकी असली वजह की जांच करवाएं।

'पाको गुजरात' का साफ़ संदेशः कब्ज़ को नॉर्मल समझकर घरेलू नुस्खों पर समय बर्बाद न करें। अगर आपके डाइजेशन में अचानक बदलाव दिखे या स्टूल में खून दिखे, तो बिना शर्म या डर के डॉक्टर से जांच करवाएं। इस जानलेवा बीमारी के खिलाफ़ जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है!

अगर सोच वाले कार्यकर्ता 100% वफ़ादार हैं, तो नेताओं को चिंता करने की क्या ज़रूरत है

कांग्रेस नेता पार्टी पर सिर्फ़ 20' और बिज़नेस पर 80' ध्यान देते हैं! पूर्व IPS कुलदीप शर्मा के गुस्से के बाद सियासत गरमा गई

अहमदाबाद/गांधीनगर गुजरात की पॉलिटिक्स में जब भी कोई बड़ा अधिकारी या पूर्व एडमिनिस्ट्रेटर कोई बयान देता है, तो पॉलिटिकल गलियारों में भूचाल आ जाता है। हाल ही में, पूर्व IPS अधिकारी कुलदीप शर्मा ने कांग्रेस पार्टी और उसकी लीडरशिप पर बहुत तीखा हमला किया है। उन्होंने खुले तौर पर कहा है कि, 'कांग्रेस नेता पार्टी के काम पर मुश्किल से 20' ध्यान देते हैं और बाकी 80' समय अपने पर्सनल कामों में लगाते हैं।' जैसे ही यह बयान सामने आया, पॉलिटिकल फ्रंट पर चर्चाओं का सिलसिला शुरू हो गया है और विरोधी खेमे में भारी हलचल मच गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कांग्रेस नेताओं की यह बेपरवाही सच में पार्टी को डुबो रही है? या पार्टी की विचारधारा से जुड़े ज़मीनी कार्यकर्ता अभी भी इस पार्टी को ज़िंदा रखने में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं? 2029 के लोकसभा चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं, तो नेताओं को चिंता क्यों नहीं करनी चाहिए?

अभी, 2029 के आम चुनाव में अभी काफी समय है, यानी दो साल। राजनीति के चाणक्य मानते हैं कि चुनाव से पहले के दिनों में एक्टिव रहने की पुरानी आदत कांग्रेस को लगातार हार की ओर धकेल रही है। जब सत्ताधारी पार्टी 365 दिन और 24 घंटे ग्राउंड लेवल पर तैयारी कर रही है, अगर विपक्ष के बड़े नेता अपना सिर्फ 20 परसेंट समय राजनीति को दें और 80 परसेंट समय अपने बिजनेस या पर्सनल एम्पायर को मजबूत करने में लगाएं, तो चुनाव में नतीजा सबके सामने है!

पूर्व IPS कुलदीप शर्मा का यह बयान किसी पार्टी के दुश्मन का नहीं, बल्कि आईना है। लोगों में इस बात पर चर्चा हो रही है कि जो नेता पार्टी की कीमत पर अपने पर्सनल बिजनेस को बनाए रखने में लगे हैं, वे लोगों की आवाज बनने से ज्यादा अपने फाइनेंशियल हितों की रक्षा में दिलचस्पी रखते हैं। अगर विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता 100' ध्यान दे रहे हैं, तो नेताओं को किस बात की चिंता है?

दूसरी तरफ, सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही सच है। भारतीय राजनीति में बड़े नेता भले ही 20' ध्यान दे रहे हों, लेकिन जमीनी स्तर पर कांग्रेस की मूल विचारधारा, गांधीजी और सरदार के सिद्धांतों के प्रति समर्पित लाखों वफादार कार्यकर्ता आज भी पार्टी को विपक्षी पार्टी के तौर पर ज़िंदा रखने में 100' योगदान दे रहे हैं। जब कोई जमीनी कार्यकर्ता अपनी रोज़ी-रोटी छोड़कर पार्टी का झंडा लेकर सड़कों पर उतरता है, तो नेताओं की यह आधी-अधूरी और 80' कमर्शियल सोच उन कार्यकर्ताओं के बलिदान की पीठ में छुरा घोंपने जैसी है। अगर जमीनी लोग अपनी विचारधारा के लिए लड़ रहे हैं, तो यह मानकर चुपचाप बैठे रहना कि नेताओं को बिज़नेस करने की इजाज़त है, पार्टी के साथ देशद्रोह के बराबर है! नेताओं को यह समझना होगा कि अगर पार्टी ही नहीं बची, तो उनके ये 80 परसेंट बिज़नेस भी ज़्यादा दिन नहीं चलेंगे। क्या राजनीति अब सेवा नहीं बल्कि एक बड़ा बिज़नेस बन गई है? क्या नेता पार्टी के कंधों पर बैठकर अपने निजी बिज़नेस को बढ़ावा देना बंद कर देंगे? पूर्व IPS कुलदीप शर्मा के इस बयान ने कांग्रेस के अंदरूनी लोगों की सच्चाई सामने ला दी है। अब देखना यह है कि इस कड़वी सच्चाई को सुनकर कांग्रेस के नेता जागते हैं या अपने ही काम में लगे रहते हैं!

जालंधर में वाल्मीकि जयंती समारोह में मुख्य अतिथि होंगे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

जालंधर पंजाब में भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार जालंधर में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 18 अक्टूबर को जालंधर से अमृतसर स्थित श्री रामतीर्थ तक विशाल तीर्थयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें पंजाब के अलग-अलग हिस्सों से करीब 1 हजार बसों के माध्यम से लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्रद्धालुओं की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके साथ ही वे भगवान वाल्मीकि के अनुयायियों को संबोधित करेंगे और उनके बीच अपना संदेश रखेंगे।

भगवान वाल्मीकि जयंती 26 अक्टूबर को मनाई जाएगी, लेकिन पंजाब में इस अवसर पर धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम करीब एक सप्ताह पहले से ही शुरू हो जाते हैं। जालंधर में भी उत्सव का आयोजन शुरू हो चुका है। शांति नगर स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम में 15 अक्टूबर से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 18 अक्टूबर को होने वाली तीर्थयात्रा को इस उत्सव का प्रमुख आयोजन माना जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

सप्त दोपहर एक बजे आश्रम पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

भगवान वाल्मीकि उत्सव कमेटी के प्रधान विपन सभ्रवाल के अनुसार, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 18 अक्टूबर को दोपहर एक बजे शांति नगर स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम पहुंचेंगे। यहां वे माथा टेककर भगवान वाल्मीकि का आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल मार्च में शामिल होंगे और उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान वे तीर्थयात्रा के लिए रवाना होने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ करेंगे।

आयोजकों के मुताबिक, तीर्थयात्रा में पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके लिए करीब 1 हजार बसों की भागीदारी का अनुमान लगाया गया है। इन बसों के माध्यम से लगभग 50 हजार श्रद्धालु श्री रामतीर्थ पहुंचेंगे। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान वाल्मीकि के पवित्र स्थल पर नमन कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री और पंजाब के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी के चलते इस आयोजन को धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भगवान वाल्मीकि उत्सव कमेटी के प्रधान विपन सभ्रवाल ने बताया कि जालंधर के शांति नगर स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम में 15 अक्टूबर से ही उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों का कहना है कि भगवान वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को समानता, सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश देती हैं। तीर्थयात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था व्यक्त करना ही नहीं, बल्कि समाज में सामाजिक समरसता को मजबूत करना भी है। श्री रामतीर्थ पहुंचने वाले श्रद्धालु भगवान वाल्मीकि के पवित्र स्थल पर माथा टेकेंगे और उनकी शिक्षाओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट करेंगे। कमेटी के पदाधिकारियों के अनुसार, इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बसों के पहुंचने के कारण यात्रा में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिल सकती है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। पंजाब में वाल्मीकि जयंती बड़े उत्सव के रूप में मनाई जाती है। राज्य की आबादी में अनुसूचित जाति समुदाय की हिस्सेदारी करीब 32 प्रतिशत बताई जाती है, और वाल्मीकि समुदाय राज्य के प्रमुख सामाजिक समुदायों में शामिल है। यही वजह है कि भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक यात्राओं, सभाओं और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जालंधर से श्री रामतीर्थ तक निकलने वाली यात्रा भी इसी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। इसमें शामिल श्रद्धालु भगवान वाल्मीकि के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने के साथ उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संकल्प लेंगे। आयोजकों के मुताबिक, भगवान वाल्मीकि के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना और आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर भाईचारे को बढ़ावा देना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी के कारण इस कार्यक्रम पर सामाजिक और राजनीतिक हलकों की भी नजर रहेगी। मुख्यमंत्री बड़ी संख्या में जुटने वाले श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह अवसर भगवान वाल्मीकि के अनुयायियों से



संवाद स्थापित करने और उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का भी होगा।

पंजाब और हरियाणा के नेताओं की सहभागिता से दोनों राज्यों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के जरिए समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित करने पर जोर रहेगा।

आयोजकों ने कहा कि भगवान वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को एकजुट करने और सभी लोगों के सम्मान का भाव विकसित करने की प्रेरणा देती हैं। इसी भावना के साथ 18 अक्टूबर को जालंधर से श्री रामतीर्थ तक विशाल तीर्थयात्रा निकाली जाएगी। अब आयोजन की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं की भागीदारी और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

आज का राशिफल

(सोमवार)19 अक्टूबर 2026

मेष – आज कामकाज में उत्साह बना रहेगा। रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और परिवार के साथ समय बिताएं।

वृषभ – आज सामाजिक संपर्कों से फायदा मिल सकता है। नौकरी और व्यापार में बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकाल पाएंगे।

मिथुन – आज धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद रहेगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें और सेहत का ध्यान दें

कर्क – आज मेहनत और अनुशासन से काम पूरे करने में मदद मिलेगी। किसी पुराने काम को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। दूसरों की बातों में आकर निर्णय न लें और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

सिंह – द्य89 आज नए विचारों से लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी बातों और मेहनत को महत्व मिलेगा। मित्रों से सहयोग मिल सकता है, लेकिन किसी भी निंय में जल्दबाजी न करें।

कन्या – आज नई योजनाएं बनाने और कुछ नया सीखने के लिए दिन अनुकूल रह सकता है। कामकाज में सहयोग मिलने की संभावना है

तुला – आज परिवार में सुखद माहौल बना रह सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जिन्हें आप समझदारी से निभाएंगे। धन के मामलों में सावधानी बरतें और विवादों से दूर रहें

वृश्चिक – आज जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाने का दिन है। कार्यक्षेत्र में लगातार प्रयास करने से आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है

धनु – आज आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। नौकरी और व्यापार में नई संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं। अपनी वाणी पर संयम रखें और महत्वपूर्ण कामों में लापरवाही न करें

मकर – आज रचनात्मक सोच से कामकाज में मदद मिल सकती है। मित्रों और सहकर्मियों के साथ तालमेल अच्छा रखने का प्रयास करें

कुंभ – आज योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना लाभदायक रहेगा।

मीन – आज मन को शांत रखकर काम करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग और अपनों के साथ बातचीत सुकून दे सकती है।

आगरा से मसूरी घूमने निकले 5 दोस्त, रास्ते में काल बना हादसा; थार डिवाइडर से टकराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा नागल थाना क्षेत्र में बेलड़ा गोल चक्कर के पास हुआ। आगरा से मसूरी घूमने के लिए निकले 5 दोस्तों की थार कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।



हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, पांचों युवक आगरा से मसूरी घूमने के लिए निकले थे। वे थार कार में सवार होकर अपनी यात्रा पर जा रहे थे। इसी दौरान सहारनपुर के नागल थाना क्षेत्र में बेलड़ा गोल चक्कर के पास कार अनियंत्रित हो गई और सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कार को काफी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में 3 युवकों की जान चली गई, जबकि 2 अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान साहिल तिवारी, राहुल और सक्षम के रूप में हुई है। वहीं, सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पांचों दोस्त घूमने के उद्देश्य से घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए इस हादसे ने उनकी यात्रा को दर्दनाक घटना में बदल दिया। हादसे की खबर सामने आने के बाद मृतकों के परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उनका इलाज कराया जा रहा है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। एसपी ट्रैफिक शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि थार कार तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। कार में कुल 5 युवक सवार थे। हादसे में 3 युवकों की मौत हुई है, जबकि 2 युवक घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

ग्रेटर नोएडा में 2 गुप्त ड्रग्स लैब का भंडाफोड़, 2 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने किराए की जगहों पर चल रही 2 गुप्त ड्रग्स लैब का भंडाफोड़ किया है। गौतम बुद्ध नगर जिले के जहांनाबाद कादलपुर गांव में 16 अक्टूबर 2026 को की गई इस कार्रवाई में 379.740 किलो एम्फेटामाइन युक्त सामग्री और 10 किलो स्यूडोएफेड्रिन बरामद किया गया। मामले में एक विदेशी नागरिक डेस्टिनी अब्राहम डंबिरी और मिजोरम की रहने वाली ललमजुआली उर्फ ओलिविया लालछाविमावी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन क्रिस्टल हंट' नाम दिया गया। एनसीबी के अनुसार, बरामद सामग्री में क्रिस्टल, अर्ध-क्रिस्टलीय पदार्थ और तरल पदार्थ शामिल हैं। एजेंसी का अनुमान है कि बरामद क्रिस्टल और अर्ध-क्रिस्टलीय सामग्री से करीब 56 किलो तैयार क्रिस्टलीय एम्फेटामाइन बनाई जा सकती थी, जिसकी अवैध बाजार में कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये आंकी गई है। छापेमारी के दौरान दोनों जगहों से विभिन्न रसायन, बड़े हीटिंग उपकरण, कांच के बर्तन, ड्रम, फिल्टर करने के औजार और वजन मापने वाली मशीनें भी मिलीं। एनसीबी अब जांच कर रही है कि इन लैब के संचालन के लिए पैसा कहां से आ रहा था और तैयार नशीले पदार्थों की आपूर्ति कहां की जानी थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, डंबिरी की पहचान और भारत में उसके प्रवेश से जुड़े रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है। वहीं, ओलिविया को मार्च 2026 में गोवा के डाबोलिम हवाई अड्डे पर 313 ग्राम हेरोइन युक्त पाउडर मिलने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वह उस मामले में जमानत पर है। एनसीबी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के कासना औद्योगिक क्षेत्र में अक्टूबर 2024 में भी एक गुप्त ड्रग्स लैब पकड़ी गई थी। उस कार्रवाई में करीब 95.5 किलो सिंथेटिक ड्रग्स बरामद हुई थी। मौजूदा मामले में एजेंसी फंडिंग, रसायनों की खरीद और ड्रग्स की आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।



अयोध्या में रामलला के दर्शन हुए आसान, अब रोज जारी होंगे 3500 वीआईपी पास



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन करने आने वाली विशिष्ट हस्तियों के लिए वीआईपी दर्शन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रतिदिन जारी होने वाले वीआईपी पास की संख्या 1800 से बढ़ाकर 3500 कर दी है। नई व्यवस्था शनिवार से लागू कर दी गई है। हालांकि, पास जारी करने की प्रक्रिया पहले की तरह ही रहेगी और इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। ट्रस्ट के इस फैसले को अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए पहुंचने वाली विशिष्ट हस्तियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिल्मी सितारों, राजनीतिक नेताओं और अन्य प्रमुख व्यक्तियों के अयोध्या पहुंचने के कारण वीआईपी दर्शन की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना जरूरी हो गया है। ऐसे में प्रतिदिन जारी होने वाले पास की संख्या बढ़ाने से अधिक लोगों को इस व्यवस्था के तहत दर्शन का अवसर मिल सकेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के व्यवस्था प्रमुख इंद्रदेव तिवारी ने वीआईपी पास की संख्या बढ़ाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अयोध्या आने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अब प्रतिदिन 3500 वीआईपी पास जारी किए जाएंगे, जबकि पहले यह संख्या 1800 थी। इस तरह प्रतिदिन जारी होने वाले पास में 1700 की वृद्धि की गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद वीआईपी दर्शन के लिए पास की उपलब्धता बढ़ेगी। हालांकि, ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि पास प्राप्त करने की मौजूदा प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। श्रद्धालुओं और विशिष्ट हस्तियों के लिए पहले से लागू व्यवस्था के अनुसार ही पास जारी किए जाएंगे। राम मंदिर में दर्शन के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते हैं। ऐसे में दर्शन व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण है। वीआईपी पास की संख्या बढ़ाने के फैसले से विशिष्ट अतिथियों के दर्शन की व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ट्रेन में सो रहा था यात्री और पार हो गया 10 लाख से भरा बैग...

विदिशा जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर 9.36 लाख रुपये नकद समेत करीब 9.43 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा में चलती ट्रेन से 10 लाख रुपये से भरा बैग चोरी होने के मामले का रेल पुलिस ने खुलासा किया है। बीना से भोपाल जा रही मेमो ट्रेन में सफर के दौरान एक यात्री को नींद आ गई। उसने नकदी से भरा काला बैग सीट के ऊपर लगी रेलिंग पर रख दिया था। जब विदिशा रेलवे स्टेशन पर उसकी नींद खुली तो बैग गायब मिला। यात्री ने तुरंत जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी तक पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर 9 लाख 36 हजार रुपये नकद समेत करीब 9.43 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, चोरी की यह घटना 6 अक्टूबर की है। फरियादी अपने मालिक के निर्देश पर बीना स्थित एक



प्लाईवुड दुकान से 10 लाख रुपये लेने गया था। रकम मिलने के बाद उसने 500-500 रुपये के नोटों की 20 गड्डियां एक काले रंग के पिट्ठू बैग में रखीं और बीना से भोपाल जाने वाली मेमो ट्रेन में सवार हो गया। यात्रा के दौरान जब ट्रेन गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पहुंची तो डिब्बे में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। इसी दौरान युवक ने रुपयों से भरा बैग सीट के ऊपर लगी रेलिंग पर रख दिया। कुछ देर बाद उसे नींद आ गई। इस बीच किसी ने मौका पाकर बैग चोरी कर लिया। यात्री को इसकी भनक तक नहीं लगी। विदिशा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर यात्री की नींद खुली तो उसने अपना बैग तलाशना शुरू किया। सीट के ऊपर रखे बैग को गायब देखकर वह घबरा गया। बैग में 10 लाख रुपये की नकदी होने के कारण मामला गंभीर था। इसके बाद यात्री जीआरपी थाना विदिशा पहुंचा और चोरी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह पता लगाना था कि भीड़भाड़ वाली ट्रेन में बैग किसने और किस स्टेशन के आसपास चोरी किया। आरोपी की पहचान के लिए पुलिस ने यात्री के सफर से जुड़े रास्तों और संबंधित स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद ली। 10 लाख रुपये की चोरी के मामले में पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल अंकित जायसवाल के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने फरियादी के आने-जाने वाले रास्तों और घटनाक्रम से जुड़े स्थानों पर लगे करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की। फुटेज में दिखाई दिए संदिग्ध व्यक्ति के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान करने का प्रयास किया गया। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। सीसीटीवी फुटेज से मिले हुलिए का मिलान रेल इकाई भोपाल के अलग-अलग थानों में दर्ज पुराने मामलों में शामिल आरोपियों के रिकॉर्ड से किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और मैदानी जांच के आधार पर पुलिस संदिग्ध तक पहुंची और दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर चोरी में इस्तेमाल हुआ काला बैग, 9 लाख 36 हजार रुपये नकद और फरियादी का मोबाइल चार्जर बरामद किया गया। इसके अलावा चोरी की रकम से खरीदा गया एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस ने कुल करीब 9 लाख 43 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है। हालांकि, चोरी हुई कुल 10 लाख रुपये की रकम की तुलना में बरामद राशि कम है। शेष रकम के संबंध में उपलब्ध जानकारी में कोई स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया है।

नोएडा में झगड़े के बाद कैब चालक ने दौड़ाई कार, बोनट पर लटके रहे 2 युवक; सड़क पर दिखा फिल्मी ड्रामा

सेक्टर-18 में विवाद के बाद सामने आया वीडियो, सेक्टर-20 थाना पुलिस ने शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में सड़क पर हुए विवाद के बाद एक हैरान करने वाला घटनाक्रम सामने आया है। सेक्टर-18 इलाके में कैब चालक और 2 युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने के बाद दोनों युवक कार के बोनट पर चढ़ गए, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ा दिया। इसके बाद चलती कार के बोनट पर दोनों युवक लटके रहे। सड़क पर इस घटनाक्रम को देखकर लोगों का ध्यान वहां खिंच गया। किसी व्यक्ति ने पूरी घटना को अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। अब इसका वीडियो इंटरनेट पर सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना नोएडा के सेक्टर-18 इलाके की बताई जा रही है। यहां कैब चालक और दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद किस वजह से शुरू हुआ और दोनों पक्षों के बीच पहले क्या हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने के दौरान दोनों युवक कार के बोनट पर चढ़ गए। इसके बावजूद चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ा दिया।



इस दौरान दोनों युवक कार के बोनट पर लटके रहे और वाहन सड़क पर चलता रहा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में कार के बोनट पर दो युवकों के लटके होने और चालक के वाहन आगे बढ़ाने का दृश्य दिखाई देने की बात सामने आई है। हालांकि, घटना की पूरी परिस्थितियों और विवाद की वजह का पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल वायरल वीडियो को जांच का आधार बनाकर मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। सड़क पर इस तरह का घटनाक्रम बेहद जोखिम भरा हो सकता है। चलती कार के बोनट पर लटके लोगों के लिए संतुलन बनाए रखना मुश्किल होता है। अचानक ब्रेक लगने, वाहन के मुड़ने या गति में बदलाव होने से गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इसके अलावा सड़क पर चल रहे दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में विवाद के दौरान वाहन को आगे बढ़ाना स्थिति को और गंभीर बना सकता है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने इस घटना को लेकर चिंता जताई और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि सड़क पर किसी भी तरह का विवाद होने पर कानून हाथ में लेने या खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के बजाय पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। सार्वजनिक स्थान पर की गई लापरवाही का असर केवल विवाद में शामिल लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आसपास मौजूद आम लोगों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। मामला थाना सेक्टर-20 क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर घटना की पुष्टि करने और इसमें शामिल व्यक्तियों की पहचान करने में जुटी है। जांच के दौरान विवाद की वजह, घटनाक्रम और कार चालक की भूमिका सहित सभी संबंधित पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्तियों के बीच विवाद कैसे बढ़ा। पुलिस का कहना है कि वीडियो में शामिल लोगों की पहचान और तथ्यों की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

2000 साल पुराने अवशेष, जमीन के नीचे दबे मिले प्राचीन मंदिर और मूर्तियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन से करीब 40 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्रों में हुए पुरातात्विक सर्वेक्षण के दौरान प्राचीन इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए हैं। सामानेरा और टुकराल गांवों में मिले पुरावशेषों से इस क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को समझने के नए रास्ते खुले हैं। यहां टेराकोटा के खिलौने,



प्राचीन मिट्टी के बर्तन, शिवलिंग और विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। कुछ अवशेषों को करीब 2000 साल पुराना बताया जा रहा है, जबकि अन्य प्रतिमाएं गुप्तकाल और परमार काल से संबंधित मानी जाती हैं। इन खोजों से महाकाल वन की प्राचीन सीमाओं और मालवा के ऐतिहासिक महत्व को लेकर नए शोध की संभावनाएं पैदा हुई हैं। माकड़ौन-तराना क्षेत्र में छोटी कालीसिंध नदी के किनारे स्थित सामानेरा गांव पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां हुए सर्वेक्षण के दौरान टेराकोटा के खिलौने, प्राचीन मृद्भांड और करीब 2000 साल पुराने शिवलिंग से जुड़े साक्ष्य सामने आए हैं। ये अवशेष इस क्षेत्र में प्राचीन काल से मानव गतिविधियों और धार्मिक परंपराओं की मौजूदगी की ओर संकेत करते हैं। गांव के ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती की संयुक्त प्रतिमा भी मौजूद है, जिसे गुप्तकालीन माना जाता है। इसके अतिरिक्त यहां गुप्तकाल और परमार काल से संबंधित अन्य शिव प्रतिमाएं भी बताई गई हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने इनमें से कई पुरावशेषों को सहेजकर रखा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों का व्यवस्थित अध्ययन क्षेत्र के धार्मिक इतिहास और कला परंपराओं को समझने में मदद कर सकता है। टुकराल गांव के माता खेड़ा यानी नागदेव मंदिर परिसर में भी पुरातात्विक महत्व के साक्ष्य मिले हैं। यहां बिना गारे के पत्थरों को आपस में जोड़कर बनाई गई परकोटे जैसी संरचना और बेसाल्ट पत्थरों के बड़े खंड दिखाई दिए हैं। विशेषज्ञों ने संभावना जताई है कि जिस टीले पर वर्तमान मंदिर स्थित है, उसके नीचे किसी प्राचीन मंदिर के अवशेष दबे हो सकते हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि के लिए वैज्ञानिक तरीके से आगे की जांच और पुरातात्विक अध्ययन जरूरी होगा। मंदिर परिसर में हरिहर यानी शिव और विष्णु के संयुक्त स्वरूप की प्रतिमा के साथ नवदुर्गा, गणेश, नागदेवता तथा गंगा, यमुना और सरस्वती से जुड़ी प्राचीन प्रतिमाएं भी मौजूद हैं।

जिंदा लोगों को मार दिया, प्रशासन पेपर साइन करवा रहा... ग्वालियर ट्रक हादसे के पीड़ित परिजनों का आरो

शीतला माता मंदिर के पास धान से भरा ट्रक श्रद्धालुओं पर चढ़ा, 15 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए दर्दनाक ट्रक हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में गहरा दुख और आक्रोश है। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई घायल अस्पताल में भर्ती हैं। अपनों को खोने वाले परिवारों ने पुलिस, प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कुछ परिजनों का आरोप है कि घायलों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया गया और बाद में उनसे कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के बाद अस्पताल परिसर में शोक और नाराजगी का माहौल बना हुआ है। परिजन अपने घायलों की स्थिति जानने और लापता लोगों की जानकारी पाने के लिए परेशान नजर आए। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनका रो-रोकर बुरा हाल है। इसी बीच कुछ लोगों ने प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि



समय पर उपचार मिलता, तो शायद कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। अपने बेटे दिव्यांश को खोने वाली उसकी मां का दर्द सामने आया। उन्होंने बताया कि परिवार के कई सदस्य हादसे के समय वहां मौजूद थे। उन्हें सुबह करीब 6 बजे घटना की जानकारी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी जब अपनों को तलाशने पहुंची, तो पुलिस ने उसे खोजने नहीं दिया। दुखी मां ने सवाल उठाया कि जब परिवार अपने बच्चे को तलाश रहा था, तो पुलिस ने मदद क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने का दर्द वही समझ सकता है, जिसके परिवार पर ऐसी विपदा आई हो। एक अन्य परिजन ने अस्पताल पहुंचाने में कथित देरी पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि यदि हादसा रात करीब 2 बजे हुआ था, तो घायल को सुबह 4 बजे अस्पताल क्यों पहुंचाया गया। परिजन ने आरोप लगाया कि परिवार को पहले बताया गया कि बच्चे का इलाज चल रहा है, लेकिन बाद में उसकी मौत की जानकारी मिली। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बीच अधिकारियों की ओर से कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जा रहा था। इन आरोपों के बाद हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाने और परिवारों को जानकारी देने की प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। परिजनों का कहना है कि उन्हें अपने बच्चों और रिश्तेदारों की स्थिति के बारे में समय पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। एक परिवार के सदस्य ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें लगातार यही बताया जा रहा था कि इलाज जारी है। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि उनका अपना सुरक्षित होगा, लेकिन बाद में उसकी मौत की जानकारी मिली। परिजनों के बयान घटना के बाद परिवारों की पीड़ा और व्यवस्था को लेकर उनकी नाराजगी को सामने लाते हैं।

सीएसपी को हटाया, 8 को किया सस्पेंड, मंत्रियों को मौके पर भेजा

महानगर मेट्रो ब्यूर

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए भीषण ट्रक हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त रुख अपनाया है। हादसे में श्रद्धालुओं की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद सरकार ने पुलिस अधिकारियों और



कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। झांसी रोड के सीएसपी रवि भदौरिया को पद से हटा दिया गया है, जबकि 3 थाना प्रभारियों सहित 9 पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। सरकार ने घायलों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करने और राहत कार्यों की निगरानी के लिए मंत्रियों को ग्वालियर पहुंचने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय हादसे के बाद से ही घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी जान की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। ड्यूटी के दौरान लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद पुलिस व्यवस्था और प्रतिबंधित मार्ग पर भारी वाहन पहुंचने से जुड़े पहलुओं की जांच भी महत्वपूर्ण हो गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद झांसी रोड के सीएसपी रवि भदौरिया को पद से हटा दिया गया। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में झांसी रोड थाना प्रभारी शक्ति सिंह यादव, आंतरी थाना प्रभारी गीतेश शर्मा और झांसी रोड के यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी शामिल हैं। इनके अलावा यातायात निरीक्षक राघवेंद्र जादौन, प्रधान आरक्षक सुशील द्विवेदी और आरक्षक किशन खन्ना, अनिल जैतपुरिया तथा पवन सेंगर को भी निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई हादसे के बाद पुलिस व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की दिशा में उठाया गया कदम है। घटना में धान से भरा ट्रक बैरिकेड तोड़कर ढलान से नीचे आया और मंदिर के पास मौजूद श्रद्धालुओं को अपनी चपेट में ले लिया था। अब यह पता लगाना भी जरूरी है कि प्रतिबंधित मार्ग पर ट्रक कैसे पहुंचा और उसे रोकने के लिए की गई व्यवस्था प्रभावी क्यों नहीं रही। हादसे के कारणों और जिम्मेदारी से जुड़े सभी पहलुओं की जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गंभीर रूप से घायल लोगों को 2-2 लाख रुपये और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य हादसे से प्रभावित परिवारों को आर्थिक राहत उपलब्ध कराना है। अचानक हुए इस हादसे से कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ऐसे में आर्थिक सहायता की घोषणा के साथ प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाना प्रशासन के सामने अहम जिम्मेदारी है। मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने और घायलों की स्थिति पर नजर रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करनी होगी।

बैरिकेड तोड़कर ढलान से नीचे आया धान से भरा ट्रक; 39 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, आरटीओ करेगा

ग्वालियर में बेकाबू ट्रक ने मचाई तबाही, मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को कुचला; 15 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में नवरात्रि के दौरान शीतला माता मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। धान से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर श्रद्धालुओं के बीच जा घुसा। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में ड्यूटी पर तैनात 2 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के अनुसार, हादसे में कुल 39 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें 15 को मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। उन्हें फ्रैक्चर सहित अन्य चोटें आई हैं, जबकि बाकी घायलों का भी उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य संभाला। पुलिस के अनुसार, छिनोर की ओर से शीतला माता मंदिर आने



वाले मार्ग पर ढलान है। इस रास्ते पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। रात करीब 1:30 बजे धान से भरे ट्रक को रास्ते में रोकने का प्रयास किया गया था, लेकिन ट्रक पुलिस के बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ गया। इसके बाद वाहन ढलान पर बेकाबू हो गया और मंदिर की बाहरी दीवार तथा गेट से टकरा गया। इस दौरान सड़क पर मौजूद श्रद्धालु ट्रक की चपेट में आ गए। नवरात्रि के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई थी। ऐसे में अचानक ट्रक के बेकाबू होकर भीड़ की ओर बढ़ने से लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन सक्रिय हुआ तथा एंबुलेंस सहित अन्य वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू कराया गया। ग्वालियर की कलेक्टर रुचिका चौहान ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे ट्रक के बेकाबू होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही राहत के लिए एंबुलेंस और अन्य वाहनों को मौके पर भेजा गया। हादसे में 15 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई, जबकि करीब 39 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की स्थिति का आकलन करने के लिए चिकित्सकों की ओर से सीटी स्कैन और एक्स-रे सहित जरूरी जांच की जा रही है, ताकि चोटों के अनुसार उपचार किया जा सके। कलेक्टर के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मार्ग पर बैरिकेड और पुलिस चेकपॉइंट मौजूद थे। ऐसे में यह जांच की जाएगी कि भारी वाहन बैरिकेड तोड़कर मंदिर के रास्ते तक कैसे पहुंचा। प्रशासन हादसे के कारणों के साथ ही मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और भारी वाहनों की आवाजाही से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल कर रहा है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए ट्रक की तकनीकी जांच कराई जाएगी। इसके लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की टीम को भेजा गया है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (सोमवार)
19 अक्टूबर 2026

कहीं कीड़े मिले... दिल्ली में ऑनलाइन फूड कंपनियों के स्टोर पर छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारों के सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के खाद्य सुरक्षा विभाग ने ऑनलाइन खाद्य कंपनियों और खुदरा भंडारण केंद्रों पर छापेमारी की। जांच के दौरान अलग-अलग स्थानों पर खाद्य पदार्थों के भंडारण में लापरवाही और साफ-सफाई की कमी सामने आई। कुछ जगह एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिली, जबकि कई केंद्रों पर गंदगी और कीड़े-मकोड़े पाए गए। उत्तम नगर स्थित एक केंद्र पर एक्सपायर्ड फ्रोजन मटर, ग्रीक योगर्ट और एगलेस चॉकलेट चिप ब्राउनी सहित कई उत्पाद मिले। वहीं, वजीरपुर में जांच के दौरान मक्खियां, मच्छर, छिपकली और मकड़ी के जाले पाए गए। दरियागंज में गंदे क्रेट, धूल और चूहों से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की बात सामने आई। रोहिणी में खाद्य पदार्थों के बीच आपसी दूषित होने की आशंका भी जताई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में देसी घी की गुणवत्ता को लेकर भी चिंता सामने आई। विभाग के अनुसार, जांचे गए 59 नमूनों में से 19 असुरक्षित पाए गए, जबकि 4 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इन निष्कर्षों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षित भंडारण व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाने और नियमित जांच के निर्देश दिए हैं। विभाग की कार्रवाई का उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुंचाना और नियमों का उल्लंघन करने वाले केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करना है।



3,575 बस स्टॉप होंगे रोशन, 45 दिन में लगेंगी लाइटें; 5.05 करोड़ रुपये होंगे खर्च



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शाम ढलने के बाद बस का इंतजार करने वाले यात्रियों को जल्द अंधेरे की परेशानी से राहत मिल सकती है। दिल्ली सरकार ने शहर के सभी 3,575 बस क्यू शेल्टरों पर लाइटें लगाने की योजना बनाई है। इस काम पर 5.05 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे 45 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल का उद्देश्य बस स्टॉप पर अंधेरे वाले स्थानों को खत्म करना और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना है। बस स्टॉप पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से रात के समय यात्रियों, विशेषकर महिलाओं को असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। ऐसे स्थानों पर छेड़खानी और लूटपाट जैसी घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। सरकार की इस योजना से रात में सफर करने वाले यात्रियों को बस का इंतजार करने के दौरान बेहतर रोशनी और सुविधा मिलने की उम्मीद है। दिल्ली की बसों में प्रतिदिन 8 से 10 लाख महिलाएं सफर करती हैं। योजना के तहत दिल्ली के 13 जिलों को 3 समूहों में बांटा गया है। अलग-अलग कंपनियों को बस क्यू शेल्टरों पर लाइटें लगाने का काम सौंपा जाएगा। दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को इस परियोजना की जिम्मेदारी दी गई है और इसके लिए निविदाएं जारी की जा चुकी हैं। काम मिलने के बाद संबंधित कंपनियों को 45 दिनों के भीतर लाइटें लगानी होंगी। इसके बाद एक साल तक लाइटों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। योजना में लक्ष्मीनगर, अक्षरधाम, पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, मयूर विहार फेस-1 और फेस-3, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे के बाहर तथा गीता कॉलोनी जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा चौक, सीलमपुर मेट्रो स्टेशन, शाहदरा बस टर्मिनल, यमुना विहार, वेलकम मेट्रो स्टेशन, गोकलपुरी चौक, खजूरी खास और नंदनगरी के बस स्टैंडों पर भी रोशनी की व्यवस्था सुधारी जाएगी। शाहदरा फ्लाईओवर के नीचे स्थित बस स्टॉप पर भी लाइटें लगाने की योजना है। सरकार की इस पहल से राजधानी के बस क्यू शेल्टरों पर रात के समय रोशनी बढ़ने और यात्रियों को अधिक सुरक्षित माहौल मिलने की उम्मीद है। हालांकि, योजना का वास्तविक लाभ लाइटें समय पर लगाने और उनके नियमित रखरखाव पर निर्भर करेगा।

ससुराल नहीं लौटने पर पत्नी के पेट में गोली मारी... 8 साल बाद कोर्ट ने पति को माना दोषी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पत्नी की हत्या की कोशिश करने के मामले में पति सुशांत को दोषी ठहराया है। वर्ष 2018 में कनॉट प्लेस स्थित एक अस्पताल के बाहर आरोपी ने अपनी पत्नी पिंकी के पेट में गोली मार दी थी। अदालत ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है और दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा ने 13 अक्टूबर को सुनाए गए फैसले में सुशांत को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के तहत दोषी करार दिया। हालांकि, अदालत ने उसे शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत अवैध हथियार रखने के आरोप से बरी कर दिया। अदालत ने बताया कि पिस्तौल रखने से संबंधित एक अलग प्राथमिकी सीलमपुर थाने में दर्ज है, जिसकी सुनवाई दूसरी अदालत में चल रही है। पिंकी ने अदालत में बताया कि घटना वाले दिन सुशांत अस्पताल आया और उसे बाहर बुलाया। जब वह ऑटो-रिक्शा में बैठी, तो आरोपी ने उससे पूछा कि क्या वह ससुराल वापस लौटेगी। पिंकी के इनकार करने पर उसने गोली चला दी, जो उसके पेट में लगी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता के अनुसार, घटना के दिन ही उसका ऑपरेशन करना पड़ा। वह करीब एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रही और इस दौरान कम समय में उसकी 4 सर्जरी हुईं। अदालत ने पीड़िता की गवाही को मामले का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। मामले में ऑटो-रिक्शा के मालिक ने भी गवाही दी। उसने बताया कि घटना वाले दिन उसने सुशांत को अपना वाहन दिया था। बाद में यह वाहन घटनास्थल के पास लावारिस हालत में मिला, जिस पर खून के धब्बे थे। फोरेंसिक जांच में वाहन से लिए गए खून के नमूने का पीड़िता के डीएनए से मिलान हुआ। अदालत ने उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि घायल व्यक्ति की गवाही महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इससे घटना के समय उसके घटनास्थल पर मौजूद होने की पुष्टि होती है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में महायुति के भीतर घमासान, पुणे-अमरावती में भाजपा और शिंदे सेना आमने-सामने

अमरावती में शिंदे सेना के प्रत्याशी को भाजपा के बागी से चुनौती; 5 सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को मतगणना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव से पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर राजनीतिक खींचतान तेज हो गई है। गठबंधन के दो प्रमुख घटक दल भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना पुणे और अमरावती की शिक्षक निर्वाचन सीटों पर आमने-सामने नजर आ रहे हैं। दोनों सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर पैदा हुए मतभेदों ने गठबंधन के भीतर आपसी तालमेल और एकजुटता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां पुणे में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के मुकाबले शिंदे सेना ने एक निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन दिया है, वहीं अमरावती में शिंदे सेना के अधिकृत प्रत्याशी को भाजपा के बागी उम्मीदवार से चुनौती मिल रही है। महाराष्ट्र विधान परिषद की कुल 5 सीटों के लिए चुनावी सरगर्मियां तेज हैं। इनमें 3 स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और 2 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों



में औरंगाबाद, पुणे और नागपुर की सीटें हैं, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में पुणे और अमरावती शामिल हैं। इन सभी सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर को मतगणना की जाएगी। चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच उम्मीदवारों को लेकर सामने आया टकराव राजनीतिक चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है। पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा ने कौस्तुभ मुरलीधर गाबड़े को महायुति का अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया है। शुरुआत में शिंदे सेना की ओर से मंगेश चिवटे को भी मैदान में उतारा गया था, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत के बाद उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बावजूद पुणे में दोनों दलों के बीच राजनीतिक खींचतान समाप्त नहीं हुई। उद्योग मंत्री उदय सामंत के पूर्व निजी सहायक सचिन सानप ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी बरकरार रखी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में बयान देकर सानप को समर्थन देने की घोषणा की। इस फैसले से पुणे में मुकाबला भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी कौस्तुभ गाबड़े और शिंदे समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सचिन सानप के बीच दिलचस्प हो गया है। गठबंधन के भीतर एक दल के अधिकृत प्रत्याशी के मुकाबले दूसरे दल के नेता द्वारा निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे भाजपा के लिए अपने उम्मीदवार के पक्ष में समर्थन जुटाने की चुनौती बढ़ सकती है। वहीं, शिंदे सेना के समर्थन से सचिन सानप की दावेदारी भी चुनावी मुकाबले में चर्चा का विषय बन गई है। अमरावती विभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में शिंदे सेना और महायुति के अधिकृत उम्मीदवार किरण सरनाइक चुनाव मैदान में हैं। हालांकि, यहां भाजपा के एक बागी उम्मीदवार ने उनके सामने चुनौती पेश कर दी है। इससे शिंदे सेना के नेताओं में नाराजगी बढ़ने की बात सामने आई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अमरावती में भाजपा के बागी उम्मीदवार की मौजूदगी से शिंदे सेना को जो चुनौती मिल रही है, उसी के जवाब में पुणे में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ सचिन सानप को समर्थन दिया गया। हालांकि, इसे दोनों दलों के बीच किसी औपचारिक बदले की रणनीति के रूप में देखना अभी राजनीतिक अटकलों का हिस्सा है। इतना स्पष्ट है कि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को लेकर सहयोगी दलों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

प्रदर्शन में शामिल होने भर से कोई अपराधी नहीं हो जाता, दिल्ली उच्च न्यायालय ने छात्र के खिलाफ प्राथमिकी की रद्द

पुलिस के वैध आदेश की जानबूझकर अवहेलना साबित करना जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र खुर्शीद अहमद के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने या प्रदर्शनकारियों की भीड़ में मौजूद रहने भर से किसी व्यक्ति की आपराधिक भूमिका साबित नहीं होती। किसी व्यक्ति को अपराध के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने मामले की सुनवाई करते हुए छात्र के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे जुड़ी सभी कानूनी कार्यवाहियों को रद्द करने का आदेश दिया। मामला 24 अगस्त 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। यह प्रदर्शन परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में आयोजित किया गया था। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों पर पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई करने के आरोप लगे थे। पुलिस ने 44 लोगों को हिरासत में लिया



था, जिनमें खुर्शीद अहमद भी शामिल था। छात्र के खिलाफ कमला मार्केट पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(क) और धारा 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पहली धारा लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी आदेश की अवज्ञा से संबंधित है, जबकि दूसरी धारा साझा इरादे से किए गए आपराधिक कृत्य के लिए संयुक्त जिम्मेदारी के सिद्धांत से जुड़ी है। अदालत ने साझा इरादे के सिद्धांत पर विचार करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को अन्य लोगों के कथित कृत्यों के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार ठहराने के लिए यह स्थापित करना जरूरी है कि संबंधित आपराधिक कृत्य साझा इरादे को आगे बढ़ाने के लिए किया गया था। केवल भीड़ में मौजूदगी के आधार पर किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। उच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध प्रदर्शन में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को स्वतः किसी कथित अपराध से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। पुलिस के वैध आदेश की जानबूझकर अवहेलना के आरोप में संबंधित व्यक्ति की भूमिका और आवश्यक कानूनी आधार का होना जरूरी है। खुर्शीद अहमद कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहा था और 24 अगस्त 2025 को रामलीला मैदान में आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुआ था। अदालत के आदेश के बाद उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे जुड़ी कार्यवाही समाप्त हो गई। फैसले में यह स्पष्ट किया गया कि किसी प्रदर्शन में शामिल होने मात्र से किसी व्यक्ति को अपराधी नहीं माना जा सकता, बल्कि उसकी भूमिका और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही कानूनी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

महाराष्ट्र के बीड में भीषण सड़क हादसा, बस और कार की टक्कर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

तुलजापुर दर्शन के लिए जा रहा था परिवार, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा माजलगांव क्षेत्र में शिंदेवाड़ी फाटा के पास खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। यहां राज्य परिवहन की बस और कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। कार में सवार परिवार तुलजापुर में दर्शन करने के लिए जा रहा था। धार्मिक यात्रा पर निकले परिवार के लिए यह सफर दर्दनाक हादसे में बदल गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे हुई। बताया जा रहा है कि कार और राज्य परिवहन की बस के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बस के अगले हिस्से को भी काफी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग सहायता के लिए मौके पर पहुंचे। दुर्घटना की



सूचना मिलने पर पुलिस और संबंधित अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। हादसा बीड जिले के माजलगांव क्षेत्र में शिंदेवाड़ी फाटा के पास हुआ। यह मार्ग खामगांव और पंढरपुर को जोड़ता है तथा इस पर राज्य परिवहन की बसों सहित अन्य वाहनों की आवाजाही रहती है। दुर्घटना में कार को भारी नुकसान पहुंचा। टक्कर के बाद बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, कार में सवार लोग तुलजापुर में दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार राज्य परिवहन की बस की चपेट में आ गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों और घायल की विस्तृत पहचान तथा दुर्घटना के कारणों को लेकर उपलब्ध जानकारी में पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। इस दर्दनाक सड़क हादसे की घटना सड़क किनारे लगे एक निजी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे का दृश्य सामने आने के बाद दुर्घटना की गंभीरता को लेकर चर्चा हो रही है। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बस के अगले हिस्से को भी नुकसान पहुंचा। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने सहायता के प्रयास किए। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की जान जाने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार धार्मिक दर्शन के उद्देश्य से घर से निकला था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने पूरे परिवार को गहरे दुख में डाल दिया।

टमाटर की जगह आलू के पेस्ट से बना रहे थे टोमेटो केचप, अहमदाबाद में 10,630 किलो माल जब्त

रंग और फ्लेवर मिलाकर तैयार किया जा रहा था केचप;8 अक्टूबर को घर पहुंचकर धमकी देने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बाजार में टमाटर के नाम पर बिकने वाले केचप की गुणवत्ता को लेकर गुजरात के अहमदाबाद में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर के गोटा इलाके में स्थित एक फैक्ट्री पर छापेमारी के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कथित तौर पर टमाटर की जगह आलू के पेस्ट, रंग और फ्लेवर का इस्तेमाल कर तैयार किया जा रहा केचप बरामद किया। कार्रवाई के दौरान कुल 10,630 किलो माल जब्त किया गया। इसके बाद फैक्ट्री को सील कर दिया गया और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह कार्रवाई अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मेलड़ी एस्टेट स्थित आई श्री खोडियार गृह उद्योग में की। जांच के दौरान परिसर में टोमेटो केचप, चटनी और शरबत जैसे उत्पाद मिले। इनमें बिक्री के लिए तैयार करीब 5,000 किलो माल के साथ 5,000 किलो से अधिक कच्चा माल भी शामिल था। विभाग ने मौके से सामग्री जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अहमदाबाद



नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र पटेल के अनुसार, फैक्ट्री में टमाटर की जगह आलू का इस्तेमाल किया जा रहा था। कथित तौर पर पहले आलू का पेस्ट तैयार किया जाता था और फिर उससे पाउडर बनाया जाता था। इसके बाद पाउडर में पानी मिलाकर अलग-अलग रंग और फ्लेवर डाले जाते थे। इस प्रक्रिया से तैयार उत्पाद को टोमेटो केचप के नाम पर बाजार में भेजने की तैयारी थी। जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में बड़े डिब्बों के साथ छोटे पैकेटों में भी केचप तैयार किया जा रहा था। पांच किलो के डिब्बों में पैक उत्पाद के अलावा दाबेली और वड़ापाव की दुकानों पर आपूर्ति के लिए 1 रुपये वाले छोटे पैकेट भी बनाए जा रहे थे। ऐसे में यह जांच का विषय है कि तैयार उत्पाद किन दुकानों और बाजारों तक पहुंचाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके से 5 नमूने एकत्र किए हैं। इन नमूनों की जांच के जरिए उत्पाद में इस्तेमाल की गई सामग्री और उसकी गुणवत्ता से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी। नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जब्त माल को बाजार में पहुंचने से रोकने के लिए कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने फैक्ट्री को सील कर दिया है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, सामग्री की सही जानकारी और उपभोक्ताओं को बेचे जाने वाले उत्पादों की निगरानी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अहमदाबाद में टोमेटो केचप बनाने वाली फैक्ट्री पर यह दूसरी कार्रवाई बताई जा रही है। इससे दो दिन पहले बहेरामपुरा इलाके में भी स्वास्थ्य विभाग ने एक फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 2,000 किलो टोमेटो केचप जब्त किया था।

15 फीट गहरे गढ्ढे में गिरकर व्यक्ति की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में नाले की निकासी के काम के लिए खोदे गए गहरे में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना शहर के येरवडा इलाके के मच्छी मार्केट परिसर की है, जहां करीब 10 से 15 फीट गहरा गढ्ढे खोदा गया था। 17 अक्टूबर को हुए इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच नाराजगी है और खुले गढ्ढे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रदीप परदेशी के रूप में हुई है। वह मच्छी मार्केट परिसर से गुजर रहे थे। इसी दौरान सामने से आए एक ऑटो की टक्कर लगने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खोदे गए खुले में गिर गए। काफी गहरा होने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हादसे की परिस्थितियां चर्चा में हैं। फुटेज में दिखाई देता है कि सड़क से ऑटो गुजरने के बाद व्यक्ति का संतुलन बिगड़ता है और वह पीछे की ओर खुले गढ्ढे में गिर जाता है। इसके बाद उसे बाहर निकालने की कोशिश की जाती है। इस घटना ने निर्माण कार्य वाले स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों की आवश्यकता को फिर से सामने ला दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मच्छी मार्केट परिसर में नाले की निकासी के काम के लिए गढ्ढे खोदा गया था। ऐसे स्थानों पर राहगीरों को दुर्घटना से बचाने के लिए पर्याप्त घेराबंदी, चेतावनी संकेत और रात में रोशनी की व्यवस्था जरूरी होती है। हादसे के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या गढ्ढे के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे और काम की निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी। प्रदीप परदेशी की मौत के बाद उनके परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने घटना को लेकर नाराजगी जताई। परिजनों ने सवाल उठाया कि खुले और गहरे गढ्ढे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं की गई। उनका कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित विभाग और काम करने वाली एजेंसी की जिम्मेदारी है। परिजनों और स्थानीय लोगों ने लक्ष्मी नगर पुलिस थाने का रुख करते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मांग की कि घटना की निष्पक्ष जांच हो और यदि किसी अधिकारी या ठेकेदार की लापरवाही सामने आती हैं।



नागपुर में प्रोफेसर पर छात्रा को अश्लील संदेश भेजने का आरोप, पिता ने कॉलेज पहुंचकर जड़ा थप्पड़



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक प्रतिष्ठित कॉलेज के प्रोफेसर पर पूर्व छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजने का आरोप सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। मामले की जानकारी मिलने पर छात्रा के पिता नाराज होकर कॉलेज पहुंच गए। वहां प्रोफेसर के साथ उनकी तीखी बहस हुई और इसी दौरान उन्होंने प्रोफेसर को थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। दूसरी ओर, बजरंग दल और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, मामला नागपुर के वाठोडा क्षेत्र स्थित एक कॉलेज का है। बताया जा रहा है कि मध्य नागपुर की एक युवती करीब एक साल पहले इस कॉलेज में पढ़ती थी। हाल ही में परिवार के सदस्यों ने उसके मोबाइल फोन में कुछ आपत्तिजनक संदेश देखे। आरोप है कि ये संदेश कॉलेज के एक प्रोफेसर ने भेजे थे। संदेशों की जानकारी मिलने के बाद छात्रा के पिता नाराज हो गए और सीधे कॉलेज पहुंच गए। वहां प्रोफेसर से उनकी कहासुनी हो गई। इसी दौरान पिता ने प्रोफेसर को थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद कॉलेज परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। प्रोफेसर पर लगे आरोपों को गंभीर बताते हुए बजरंग दल और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया। बताया गया कि प्रदर्शन पिछली रात हुआ, जिसमें पुलिस भी मौजूद रही। दोनों संगठनों ने कॉलेज संचालक को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। साथ ही कहा कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए। विरोध-प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने आरोपी प्रोफेसर को जांच पूरी होने तक अवकाश पर भेज दिया है। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस मामले में वाठोडा पुलिस थाने में अब तक कोई औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस के अनुसार, छात्रा के परिवार की ओर से अभी तक आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले के सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन की भूमिका और शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, आरोपों की निष्पक्ष जांच और तथ्यों के सामने आने का इंतजार है।

शीर्ष नौ कंपनियों की संपत्ति में 3.65 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

टीसीएस, भारती एयरटेल और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ में

मुंबई।



बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार उछाल दर्ज की गई, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ को मिला। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.65 लाख करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इन्फोसिस इस तेजी से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाली कंपनियां रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,256.94 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 2.77 प्रतिशत के लाभ में रहा। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सबसे अधिक लाभ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपये बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 61,406.53 करोड़ रुपये बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में भी 55,893.05 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी अपने बाजार पूंजीकरण में 53,047.56 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और वह 16,37,437.19 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी क्रमशः 32,379.05 करोड़ रुपये और 30,769.95 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इस सकारात्मक रुझान के विपरीत, लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 9,232.26 करोड़ रुपये घटकर 4,99,725.06 करोड़ रुपये पर आ गया।

मनरेगा की जगह नया ग्रामीण रोजगार कानून लागू

रोजगार के दिन बढ़े, आदिवासियों के 50 अतिरिक्त दिनों पर असमंजस

नई दिल्ली ।

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाले कानून में एक बड़ा बदलाव आया है। मनरेगा की जगह अब विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 1 जुलाई 2026 से लागू हो गया है, जिसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। यह पहले से चली आ रही 100 दिनों की सीमा में 25 दिनों की बढ़ोतरी है। हालांकि, इस नए कानून के लागू होने के बाद वन क्षेत्रों में रहने वाले कुछ पात्र आदिवासी परिवारों को मिलने वाले अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। दरअसल, जनवरी 2014 में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया था। इसके तहत, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत जमीन का अधिकार प्राप्त करने वाले उन अनुसूचित जनजाति परिवारों को मनरेगा के 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का मजदूरी रोजगार देने का प्रावधान था, जिनके पास एफआरए के तहत मिली जमीन के अलावा कोई अन्य निजी जमीन नहीं थी। इस सुविधा से ऐसे परिवारों को कुल 150 दिन का रोजगार मिल पाता था, जो उनकी आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार था। अब नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 की धारा 5 में पात्र ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी तो दी गई है, लेकिन इसमें अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

एचडीएफसी बैंक में नेतृत्व बदलाव, कैजाद भरूचा 31 साल बाद छोड़ेंगे पद

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने लगभग 31 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा के बाद अपने पद से हटने का फैसला किया है। बैंक ने बताया कि भरूचा ने 31 दिसंबर से अपनी सेवाएं समाप्त करने का अनुरोध किया है। उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह बैंक के अगले प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के प्रमुख दावेदारों में गिने जा रहे थे। साठ वर्षीय कैजाद भरूचा ने 1986 में अपना बैंकिंग करियर शुरू किया और अक्टूबर 1995 में एचडीएफसी बैंक से जुड़े।

जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुप,-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में कंपनियों के तिमाही नतीजे, रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और कच्चे तेल की कीमतें दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों का मानना है कि इसके साथ ही पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुपये-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। दशहरा के अवसर पर मंगलवार को बाजार बंद रहेगा, जिससे कारोबारी सप्ताह छोटा होगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों का सिलसिला तेज होने से शेयर और क्षेत्र विशेष में गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान जिंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इन्फोसिस, कोफोर्ज और क्रिसिल जैसी प्रमुख कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। इन नतीजों का बाजार की चाल पर सीधा असर देखने को मिलेगा। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। बैंकिंग शेयरों में उत्साह, वैश्विक कारकों पर पैनी निगाह हाल ही में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे बड़े बैंकों द्वारा मजबूत तिमाही नतीजे घोषित किए जाने के बाद बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की विशेष दिलचस्पी बनी रहने की उम्मीद है। इन बैंकों ने सितंबर तिमाही में बेहतर एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि लगातार दो सप्ताह की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख बना है, लेकिन इस तेजी को बरकरार रखना बाजार के लिए चुनौती होगी। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, वैश्विक बॉण्ड बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रहने का संकेत दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवेशक यह देखना चाहेंगे कि हालिया तेजी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों से आगे अन्य क्षेत्रों तक फैलती है या नहीं। वहीं वैश्विक बाजारों में अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। इन कारकों का असर आयातित महंगाई, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी के दाम में स्थिरता

अक्टूबर की शुरुआत में बढ़े कमर्शियल सिलेंडर के दाम होटल-रेस्तरां के लिए चुनौती बने

नई दिल्ली।

आम जनता और कारोबारियों की नजर एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों पर टिकी हुई है। इस महीने की समीक्षा के बाद, घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है क्योंकि उनकी कीमतों में कोई नया बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम अक्टूबर की शुरुआत में ही बढ़ा दिए गए थे, जिससे उनके मासिक बजट पर सीधा असर पड़ रहा है। आज भी, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में यह सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। यह स्थिरता लाखों परिवारों के लिए एक राहत की खबर है, जो अपने मासिक खर्चों को लेकर चिंतित रहते हैं। इसके विपरीत, 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर दिल्ली में अब 2,810 रुपये में मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति एलपीजी के दामों को निर्धारित करती है। तेल विपणन कंपनियां हर महीने की शुरुआत में कीमतों की समीक्षा करती हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में बढ़कर 16,333 करोड़ पहुंचा

ऋण वितरण, ब्याज आय और जमा में मजबूत वृद्धि से बैंक ने दर्ज किया शानदार वित्तीय प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में रिकॉर्ड तोड़ वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं।

बैंक का समेकित मुनाफा 22.3 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 16,333.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,357.06 करोड़ रुपये था। यह शानदार प्रदर्शन मुख्य रूप से ऋण वितरण में जबरदस्त उछाल, शुद्ध ब्याज आय में वृद्धि और ग्राहकों की जमा राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के कारण संभव हुआ है।

इस तिमाही में बैंक की कुल आमदनी भी 15.8 फीसदी बढ़कर 88,161.18 करोड़ रुपये रही, जिसमें ब्याज से होने वाली आय 55,991.91 करोड़ रुपये थी। बैंक के परिचालन खर्च बढ़ने के बावजूद, उसके प्रावधानों में कमी आई। टैक्स को छोड़कर यह राशि 909.31 करोड़ रुपये से घटकर 895.21 करोड़ रुपये रह गई, जो बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार का सकारात्मक संकेत है। 30 सितंबर 2026 तक बैंक के दिए गए कर्ज (एडवांस) में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, जो 14,92,161.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 19,35,385.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। वहीं ग्राहकों की जमा रकम भी बढ़कर 20,91,538.51 करोड़ रुपये हो गई, जो बैंक में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

भारत ने घटाया रूसी कच्चे तेल का आयात,वाडिनार बना सबसे बड़ा खरीदार

सितंबर में निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी कच्चे तेल पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में एक बड़ी खामी सामने आई है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरआरईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत, तुर्किये और ब्रुनेई जैसे देशों की रिफाइनरियां रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर उससे बने ईंधन उत्पादों को पश्चिमी देशों को निर्यात कर रही हैं। सितंबर में यह निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो (लगभग 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जबकि इन पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सीआरआरईए की रिपोर्ट बताती है कि इन रिफाइनरियों से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे। अनुमान है कि इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद सीधे रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे। गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी इस व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी है। इसने सितंबर में यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले सात में से छह ईंधन शिपमेंट की आपूर्ति की। जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी 12.2 करोड़ यूरो मूल्य का सर्वाधिक निर्यात किया। जुलाई से सितंबर के दौरान, जामनगर के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। सीआरआरईए ने इस स्थिति को प्रतिबंधों में एक



खामी बताया है। संगठन का कहना है कि यूरोपीय संघ का प्रतिबंध केवल शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को छूट देता है, जिससे उन देशों की रिफाइनरियों को रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने की अनुमति मिल जाती है, जो बाद में अपने उत्पादों को प्रतिबंध लगाने वाले देशों को बेचते हैं।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि प्रतिबंध देश के बजाय रिफाइनरी के स्तर पर लागू किए जाने चाहिए, ताकि पिछले छह महीनों में रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने वाली किसी भी रिफाइनरी से बने तेल उत्पादों के आयात पर रोक लगाई जा सके।

हालांकि, सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया, जो अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर था। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पारादीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

टाटा ट्रस्ट देश में स्थापित करेगा 40-50 गैर-लाभकारी अस्पताल

वित्त वर्ष 2025-26 में 1,556 करोड़ परोपकार पर किया खर्च

मुंबई ।

देश के प्रमुख परमार्थ संगठनों में शुमार टाटा ट्रस्ट ने बीते वित्त वर्ष (2025-26) में परोपकारी कार्यों पर 1,556.31 करोड़ रुपए का वितरण किया है। ट्रस्ट अब देश भर में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पतालों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। चेयरमैन नोएल टाटा ने वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही। न प्रस्तावित अस्पतालों में सक्षम मरीज आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उपचार में सहायक होंगे। नोएल टाटा ने बल दिया कि परमार्थ का आकलन केवल खर्च या पहुंच से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आए दीर्घकालिक बदलाव से होना चाहिए। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय में ग्रामीण विकास को सर्वाधिक 457.62 करोड़ रुपए मिले, इसके बाद शिक्षा और कैंसर उपचार प्रमुख क्षेत्र रहे। व्यक्तिगत अनुदान में चिकित्सा सहायता सबसे ऊपर रही। ट्रस्ट की 2026-31 की स्वास्थ्य रणनीति का लक्ष्य 75 विकास खंडों और 100 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त कर 25 लाख लोगों तक पहुंचना और 20 हजार स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना है। टाटा ट्रस्ट के कैंसर उपचार कार्यक्रम के तहत 1 लाख से अधिक बाह्य रोगी परामर्श दिए गए। नोएल टाटा ने भारतीय



प्रतिभा पलायन और परोपकार के बदलते स्वरूप पर भी प्रकाश डालते हुए, सबसे बड़ा बनने के बजाय सबसे बेहतर बनने की महत्ता पर जोर दिया।

महंगाई भत्ते पर टिकी नजरें, 21 अक्टूबर को अहम बैठक संभव

14 अक्टूबर की कैबिनेट में नहीं हुआ ऐलान, अब 3-4 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2026 से प्रभावी होने वाले महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। 14 अक्टूबर की कैबिनेट बैठक में डीए वृद्धि पर कोई फैसला न होने से उनका इंतजार और बढ़ गया है, अब सबकी निगाहें 21 अक्टूबर को होने वाली अगली बैठक पर हैं।

जहां रेलवे कर्मचारियों को हाल ही में परफॉरमेंस-लिंक्ड बोनस का तोहफा मिला है, वहीं केंद्रीय कर्मचारियों को अभी भी डीए वृद्धि का बेसब्री से इंतजार है। कर्मचारियों को दशहरे के बाद इस संबंध में कोई अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। 21 अक्टूबर को कैबिनेट की अगली बैठक निर्धारित है, और ऐसी प्रबल संभावना है कि इस बैठक में सरकार डीए बढ़ोतरी को आधिकारिक मंजूरी दे सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर आधिकारिक तौर पर किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है, और अतीत में भी घोषणाएं अलग-अलग समय पर हुई हैं।

सैटेलाइट इंटरनेट पर बढ़ा विवाद, स्टारलिंक और रिलायंस आमने-सामने

स्टारलिंक ने तैयारियों का किया दावा; रिलायंस ने प्रतिस्पर्धा और नियमों के पालन पर दिया जोर

मुंबई ।

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के आगमन से पहले ही एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। स्टारलिंक ने जहां अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारियों का दावा किया है, वहीं रिलायंस ने भारतीय नियमों के पालन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया है। इस विवाद में सरकार ने भी सभी कंपनियों के लिए समान नियमों का हवाला दिया है। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के बाजार में प्रवेश को लेकर स्टारलिंक और रिलायंस के बीच बयानबाजी अब गरमा गई है। मस्क ने भारत में स्टारलिंक की एंट्री में रुकावटों पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद रिलायंस ने साफ किया कि वह किसी भी प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती। अब स्टारलिंक ने भी अपना पक्ष रखते हुए भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने की अपनी तैयारियों पर जोर दिया है।

स्टारलिंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह पांच साल से अधिक समय से भारत में काम कर रही है और देश में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी के अनुसार, उसने आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा व्यवस्था तैयार कर ली है, हालांकि, सेवा शुरू करने के लिए सभी सरकारी शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। दूसरी ओर, रिलायंस ने स्पष्ट किया है कि उसे प्रतिस्पर्धा से कोई डर नहीं, बल्कि वह ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में विश्वास रखती है। कंपनी ने जियो के उदाहरण से अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। रिलायंस ने सभी कंपनियों का स्वागत करते हुए भारतीय कानूनों और नीतियों के पालन पर जोर दिया।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में बाजार से 52,100 करोड़ निकाले

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर की मजबूती बनी वजह

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर माह में अब तक भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर 52,100 करोड़ रुपए की निकासी की है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी पूंजी भारत से बाहर निकली है, जिससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव और बढ़ गया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका में बॉन्ड पर बढ़ता प्रतिफल और डॉलर की मजबूती इस निकासी के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस ताजा निकासी के साथ, चालू वर्ष 2023 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से कुल 3.12 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पिछले वर्ष 2022 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है। इससे पहले, जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपए का निवेश देखा गया था। चॉइस वेल्थ के एक निवेश रणनीतिकार ने इस निरंतर बिकवाली के पीछे कई कारणों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, अमेरिका में सरकारी बॉन्ड पर ऊंचे प्रतिफल, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य वजहें हैं। अमेरिका में बढ़ती महंगाई से ब्याज दरों में और वृद्धि की आशंका है, जिससे अमेरिकी परिसंपत्तियां विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महंगा कच्चा तेल भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है और उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी के कारण भी पूंजी उन बाजारों की ओर आकर्षित हो रही है। हालांकि, 16 अक्टूबर को विदेशी निवेशकों ने कुछ लिवाली भी की थी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के निवेश रणनीतिकार ने इसे अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने का अस्थायी परिणाम बताया।

एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में करेगी विस्तार, 30 गीगावाट का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में नए स्थलों की तलाश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का व्यापक विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने वर्ष 2047 तक देश में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सहित कई नए राज्यों में संभावित स्थलों की तलाश की जाएगी। यह पहल देश में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एनटीपीसी 2032 तक कम से कम 2 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर काम कर रहा है।

यह केंद्र सरकार के 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी बिहार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में परमाणु बिजली परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर चुकी है, जिसमें बांका (बिहार), बसई (मध्य प्रदेश) और नबरंगपुर (ओडिशा) को संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी उपयुक्त स्थानों की तलाश करेगी।

हालांकि, संभावित स्थल के चयन के बाद भी तकनीकी और नियामक प्रक्रियाओं की लंबी श्रृंखला पूरी करनी होगी। एनटीपीसी औसतन 1,400 मेगावाट क्षमता वाली परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसमें 700-700 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी।

उद्योग के अनुमान के अनुसार, प्रति गीगावाट क्षमता के लिए लगभग 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये का निवेश अपेक्षित है। इन परियोजनाओं के लिए पर्याप्त भूमि, निरंतर जलापूर्ति और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक होगी।

सॉफ्टबैंक की निकासी के बावजूद लेंसकार्ट में निवेशकों का बढ़ता भरोसा

भारतीय म्यूचुअल फंड और एफपीआई ने हाथों-हाथ खरीदे बेचे गए शेयर

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी घटाने के बावजूद भारतीय म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के सभी बेचे गए शेयरों को तत्काल खरीद लिया है। यह घटनाक्रम कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में लगातार बढ़ोतरी पर निवेशकों के गहरे भरोसे को दर्शाता है। हाल ही में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक ने इस साल दो ब्लॉक डील्स के जरिए लेंसकार्ट में अपनी हिस्सेदारी मार्च के 13.13 फीसदी से घटाकर अब 7.27 फीसदी कर दी है।

इसके बावजूद, निवेशकों का यह मजबूत विश्वास कंपनी के दमदार वित्तीय नतीजों और मुनाफे में तेज बढ़ोतरी के कारण कायम है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड एसबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड है, जिसकी हिस्सेदारी 3 फीसदी है, जिसके बाद कोटक टेक्नॉलजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है। बीते एक साल में लेंसकार्ट के शेयर ने बाजार के मुकाबले बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें 43.4 फीसदी की तेजी देखी गई है, जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 11.7 फीसदी की गिरावट आई है। विश्लेषकों का मानना है कि यह वृद्धि केवल अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में मजबूत बढ़ोतरी का सीधा नतीजा है।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान



जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

सरल उपाय अपनाएं
शर्तियां वास्तुदोष भगाएं



- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।



बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?



सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को कू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये शनै: शनै: चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।

पैरा एशियन गेम्स का शानदार आगाज, सिमरन और प्रमोद ने की अगुवाई

आइची नागोया। एशियन गेम्स 2026 के शानदार समापन के बाद अब बारी है पैरा एशियन गेम्स की। रविवार को पांचवें एशियाई खेलों की शुरुआत हो गई। उद्घाटन समारोह में भारत की अगुवाई पैरा अथलीट प्रमोद भगत और सिमरन सिंह ने की। दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक थे।



281 सदस्यीय दल को दी है मंजूरी

जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले इन खेलों के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यों के भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 98 टीम अधिकारी व सपोर्टिंग स्टाफ और 15 कॉन्टिजेंट स्टाफ शामिल हैं। पिछले साल चीन के हांगझू में हुए संस्करण की तुलना में इस बार दल का आकार काफी छोटा है, जहां भारत ने 303 एथलीट उतारे थे। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्तूबर तक चलेगा।भारतीय दल में गिरावट की मुख्य वजह ब्लाइंड चेस, पैरा-रोइंग और पैरा-कैनोइंग जैसी स्पर्धाओं का इस बार शामिल न होना है, जिनमें भारत ने पहले हिस्सा लिया था। इसके अलावा, आयोजन समिति की ओर से कई खेलों में कड़े कोटा नियम भी लागू किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पैरा एथलेटिक्स में पिछली बार भारत ने 123 एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसे कोटा प्रतिबंधों के कारण इस बार घटाकर 62 कर दिया गया है। कुल 168 एथलीटों में 112 पुरुष और 56 महिलाएं हैं जो 11 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना खिताब बचाने उतरेंगे। उनके अलावा पैरा-स्पोर्ट्स के अन्य दिग्गज जैसे धरमबीर नैन, प्रवीण कुमार और नवदीप सिंह भी पैरा एथलेटिक्स स्क्वाड का हिस्सा हैं। प्रीति पाल, दीप्ती जीवनजी, निशद कुमार, सचिन सरजेराव खिलारी और होकातो होताझे सेमा जैसे पैरालंपिक पदक विजेता भी प्रबल दावेदार के रूप में नजर आएंगे। शूटिंग दल की अगुवाई दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और एशियाई पैरा गेम्स की डिफेंडिंग चैंपियन अवनि लेखरा करेंगी, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उतरेंगी। पैरा तीरंदाजी में 19 वर्षीय शीतल देवी महिलाओं का कंपाउंड खिताब बचाने के लिए वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2023 के संस्करण में मिक्स्ड टीम सहित दो पदक और डबल्स इवेंट में रजत पदक जीता था। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और प्रमोद भगत एक मजबूत पैरा-बैडमिंटन ग्रुप की कमान संभालेंगे, जिसमें सुहास यतिराज, तुलसीमथिया मुरुगेसन और नित्या स्रे सुमाथी सिवन जैसे धुरंधर भी शामिल हैं।

एशियाई पैरा गेम्स में भारत का सफर लगातार शानदार रहा है। 2010 में 14 पदकों से शुरू हुआ यह सफर इंचियोन में 33, जकार्ता में 72 और तीन साल पहले 100 का आंकड़ा पार करके 111 तक पहुंचा, जो भारतीय खेल इतिहास का एक स्वर्णिम पल था। इस बार प्रतियोगिताएं 19 अलग-अलग वेन्यू पर खेली जाएंगी, जिसमें नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम मुख्य एरिना होगा।

संक्षिप्त समाचार

इंटर मियामी की जीत में चमके लियोनल मेसी, दागे दो गोल

न्यूयॉर्क। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के दो गोल और एक असिस्ट की मदद से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मुकाबले में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। मेसी ने दोनों गोल करने से पहले टीम के शुरुआती गोल का मौका भी बनाया। पहले हाफ के आखिरी क्षणों में जर्मन बेर्टेरामे ने मेसी और लुईस सुआरेज की मदद से गोल कर इंटर मियामी का खाता खोला। एमएलएस में अपने शुरुआती 26 मुकाबलों में बेर्टेरामे का यह नौवां गोल था। मेसी ने इसके बाद 56वें और 60वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। दोनों गोल में बेर्टेरामे ने मदद की अहम भूमिका रही, जबकि मेसी के दूसरे गोल में सुआरेज का भी योगदान रहा। मेसी के नाम अब गोल और मदद मिलाकर



कुल 40 गोल योगदान दर्ज हो चुके हैं। वह लॉस एंजिलिस एफसी के कार्लोस वेला के 2019 में बनाए गए 49 गोल योगदान के रिकॉर्ड से नौ पीछे हैं। इंटर मियामी के इस स्टार खिलाड़ी के पास रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चार मुकाबले शेष हैं। इंटर मियामी के गोलकीपर डेने सेंट क्लेयर ने दो बचाव किए, लेकिन 89वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट ने पेनाल्टी पर गोल कर टीम को क्लीन शीट हासिल करने से रोक दिया।

हार्दिक का विकल्प ढूंढना मुश्किल

पूर्व भारतीय कप्तान ने किया पांड्या को समर्थन



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि हार्दिक पांड्या की जगह लेना आसान नहीं है ऐसे में भारत को उनके विकल्प तलाशने की कोशिश करने की जगह टीम को ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सके। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। गावस्कर ने कहा कि भारत को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैच में उतरना चाहिए, जबकि ऐसे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका निभानी चाहिए जो बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के लिए गेंदबाजी की मजबूती से समझौता नहीं करना चाहिए।वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार रात बंगलूरू में पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद गावस्कर ने कहा, हम कभी-कभी हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनकी क्षमता का खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़िए, जो टीम के लिए थोड़ी अलग भूमिका निभा सके।

स्पिन गेंदबाजों का समर्थन करने कहा

गावस्कर ने भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी विकल्पों की पहचान करने और उन्हें लगातार समर्थन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही इन गेंदबाजों को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह न मिले, लेकिन टीम के व्यापक ढांचे में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से प्लेइंग-11 का हिस्सा हों या नहीं, लेकिन टीम के बड़े समूह में शामिल हैं।

नमन धीर का दिया उदाहरण

गावस्कर ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर अलग भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और इस मैच में उनकी बल्लेबाजी भी देखिए। इस सीरीज से यह सीख मिलती है कि गेंदबाजी में भारत को कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवां और छठा विकल्प ऑलराउंडर हो सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। नमन धीर बल्लेबाज हैं, लेकिन वह दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं।

गेंदबाजी कमजोर हो सकती है

गावस्कर ने आगाह किया कि बल्लेबाजी क्रम को आठवें नंबर तक बढ़ाने की कोशिश में भारतीय टीम की गेंदबाजी कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजी को कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हार का सामना करना पड़ता है। हमें गेंदबाजी देखने का मौका ही नहीं मिला। यह देखना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज किस तरह प्रदर्शन करते।



रणजी ट्रॉफी: पहली पारी में सस्ते में आउट हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब की ओर से मैच की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। न्यू चंडीगढ़ में रविवार को खेले जा रहे इस एलीट ग्रुप बी मुकाबले के पहले दिन गिल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आगामी दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने घरेलू लाल गेंद के क्रिकेट में खेलने का फैसला किया था और वह इस मुकाबले के लिए अंतिम समय में पंजाब की टीम से जुड़े थे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच के 26वें ओवर की पहली गेंद पर विहान मल्होत्रा के आउट होने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल नंबर चार पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने अपनी पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर खाता खोला, लेकिन 27वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्पिनर अजय मंडल ने उनकी रक्षात्मक तकनीक को भेदते हुए उन्हें बोल्ड कर दिया। आउट होने से पहले गिल ने पांच गेंदों का सामना किया।इस मैच में गिल बल्ला नहीं चला, लेकिन इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। इस वर्ष उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की चार पारियों में 50.00 की औसत से 200 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

वैभव को लेकर बोले अय्यर- इंतजार करना ही पड़ता है

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बंगलूरू में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला।

अय्यर ने कहा, मुझे पता है कि वैभव के दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। मैं बस उनसे कहता रहता हूं कि आपको मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपका माइंडसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें।

शानदार रहा वैभव का प्रदर्शन...

सूर्यवंशी ने चार जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने अगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्तूबर से शुरू हो रही है। देखना होगा कि वैभव को न्यूजीलैंड में मौका मिलता है या नहीं।

श्रेयस को सीरीज बराबरी पर छूटने का मलाल, बोले- अलग हो सकता था नतीजा

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्णायक मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसके साथ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि इस सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था, अगर उनके गेंदबाजों ने दो मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती। बारिश के कारण एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाला पांचवां और आखिरी मैच रद्द करना पड़ा। नौ-नौ ओवरों के इस मुकाबले में भारत का स्कोर 7.4 ओवर में 118/5 था। अय्यर ने कहा, अगर हमने दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी की होती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्हें (वेस्टइंडीज को) श्रेय देना चाहिए, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। पूरी सीरीज में होप ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। हार के बाद भी वापसी करने की उनकी क्षमता काबिले तारीफ है। हम जिस तरह से खेलते हैं, उसमें एक आक्रामक मानसिकता होती है।



युवा खिलाड़ियों को धैर्य और प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत

15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओपनिंग स्लॉट पहले से भरे होने के कारण अपने मौके का इंतजार करना पड़ रहा है। इस पूरी सीरीज में वैभव को एक अदद मौका नहीं मिल सका। अय्यर ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को धैर्य रखने और अपनी प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं उनसे बस यही कहता रहता हूं कि आपको मौका जरूर मिलेगा। अगर अपनी प्रक्रिया को लेकर लगातार अच्छा काम करते हो, तो कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो बेहतरीन ओपनर हैं, वैभव के साथ हमारी यही बातचीत होती रही है। भारत अब गुरुवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए सीधे न्यूजीलैंड जा रहा है। इस व्यस्त शेड्यूल को लेकर अय्यर ने कहा, यह किसी आम दिन जैसा ही है। भारत में तो हम लगातार यात्रा करते ही रहते हैं। हम इसे काफी अच्छे से संभाल रहे हैं।मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से वेस्टइंडीज के पास 2002 के बाद भारत में अपनी पहली सीरीज जीतने का मौका हाथ से निकल गया। इससे पहले वे वनडे सीरीज 1-2 से हार गए थे। चार मैचों में दो शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम सीरीज जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी।



हॉलीवुड की इस बात के मुरीद हुए विद्युत

हाल ही में खास बातचीत में अभिनेता विद्युत जामवाल ने आने वाली फिल्म के किरदार, हॉलीवुड में काम करने के अनुभव, अनुशासन, एआई और अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की।

'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम का किरदार ऑफर हुआ तो पहला विचार क्या था?

मैं धालसिम के कैरेक्टर के बारे में जानता तो था ही। जब मुझे पता लगा कि 'स्ट्रीट फाइटर' की कास्टिंग हो रही है और इस सिलसिले में मुझे फोन किया गया, तो मुझे लग तो रहा था कि यही किरदार होगा। मैं काफी एक्साइटेड था। यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मास्टर हैं और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। डायरेक्टर ने बताया कि मुझे अपने बाल शेव करने पड़ेंगे। वैसे कैरेक्टर के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने मास्क भी पहनाया था।

हॉलीवुड में काम करने के अनुभव में सबसे अलग क्या लगा?

अधिकतर चीजें अलग ही हैं। वहां डिसिप्लिन के जो मायने हैं, वो बिल्कुल अलग हैं। वहां टाइम पर आना कोई बड़ी बात नहीं है। वहां टाइम पर ही आना होता है।

किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कितना करना पड़ा?

जब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कास्टिंग कर रहे थे और उन्होंने हिंदुस्तान को देखा तो उन्होंने पूरी हिस्ट्री देखी कि किस आदमी ने अपनी लाइफ में इतना समय इस चीज में बिताया है। हर कैरेक्टर उन्होंने ऑथेंटिक लिया है, जो उनकी रियल लाइफ जैसी है। चाहे वो फिफ्टी सेंट हों, जेसन मोमोआ हों या कोडी रोड्स। सबको उन्होंने उनकी पर्सनालिटी के आधार पर लिया। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। मुझे कोई अलग से ट्रांसफॉर्म नहीं करना पड़ा। बस मेरे किरदार के लिए बाल उड़ा दिए।

प्रोस्थेटिक लुक तैयार करने में कितना वक्त लगता था?

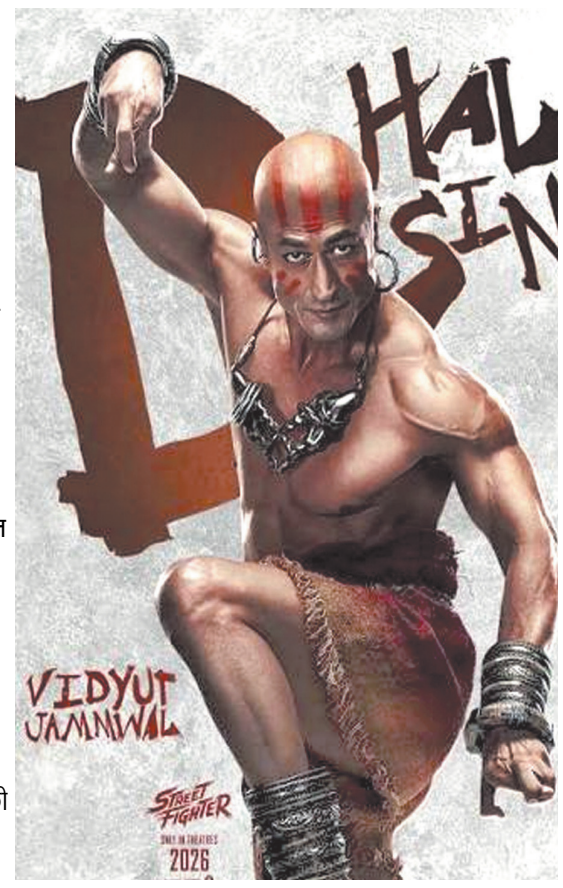
वैसे, ये जितने भी एक्टर्स हैं हमारी फिल्म में, हर आदमी एक कैरेक्टर में है। उसका जो रूप है, वो वीडियो गेम के आधार पर है। हर आदमी को समय लगता था। हां, मुझे बाकियों से दो घंटे ज्यादा लगते थे। हर दिन तीन-चार घंटे प्रोस्थेटिक मेकअप के लिए लगते थे। मान लीजिए अगर सबका सुबह शूट का कॉल टाइम छह बजे होता था तो मैं चार बजे पहुंच जाता था। लेकिन मुझे कभी इस बात का दुख नहीं हुआ, बल्कि एक्साइटमेंट होती थी।

करीब 15 साल के करियर की इस जर्नी को कैसे डिफाइन करेंगे?

बहुत अच्छी किस्मत। ये जर्नी सिर्फ किस्मत पर आधारित रही है। बाकी सब डिसिप्लिन और हार्डवर्क है। मुझे लगता है किस्मत ने भी साथ दिया।

हॉलीवुड में आपने डिसिप्लिन का जिक्र किया। क्या भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी इस बदलाव की जरूरत है?

देखिए, डिसिप्लिन जिस तरह से लोग सोचते हैं, डिसिप्लिन सिर्फ टाइम पर आना नहीं है। कचड़े को कचरे के डिब्बे में डालना भी डिसिप्लिन है। क्या वो हिंदुस्तान में चेंज किया जा सकता है? अब देखिए न, चाट की दुकान पर जितना कचरा डिब्बे के अंदर होता है, उससे ज्यादा बाहर होता है। अब वो तब्दीली कहां से लाई जाए, मैं नहीं बता पाऊंगा। हां, लाई जा सकती है। कोशिश की जा सकती है। लेकिन क्या बदलाव आ रहा है? अभी तो नहीं दिख रहा मुझे।





संजय लीला भंसाली संग काम करेंगी करीना, धनुष भी दिख सकते हैं

करीना कपूर और फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली लंबे इंतजार के बाद एक प्रोजेक्ट के लिए साथ आने जा रहे हैं। भंसाली प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म में करीना मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आतिश कपाड़िया को दी गई है। कपाड़िया 'खिचड़ी' जैसी चर्चित सिटकॉम और नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुंबक' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि करीना को हाल ही में भंसाली के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। इसके बाद दोनों के साथ काम करने की चर्चा और तेज हुई। वहीं करीना फिल्ममेकर एस. मिश्रन की एक माइथो जंगल एडवेंचर फिल्म में काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि धनुष भी भंसाली की इस फिल्म में दिख सकते हैं।



क्या दीपिका के समर्थन में उतरीं इशिता दत्ता?

आठ घंटे शिफ्ट वाली मांग पर कहा

पिछले दिनों जब दीपिका पादुकोण फिल्म 'स्पिरिट' से अलग हुईं, तो ऐसी खबरें आईं कि यह फैसला उनकी तरफ से 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करने की वजह से लिया गया था। तब से बॉलीवुड में काम के लंबे घंटों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में 'दृश्यम 3' की अभिनेत्री इशिता दत्ता ने दीपिका की मांग का समर्थन किया।

आठ घंटे की शिफ्ट की मांग पर क्या बोलीं इशिता

बातचीत में इशिता ने कहा, 'आठ घंटे की शिफ्ट देना या न देना आपकी निजी पसंद है, इसलिए प्रोडक्शन हाउस मना कर सकता है। मगर इसे लेकर इतना बड़ा मुद्दा बनाना और इसे गलत ठहराने की कोशिश करना गलत है। ऐसे कई कलाकार हैं जो 12-15 घंटे काम करने के लिए तैयार हैं। लेकिन आप किसी दूसरे व्यक्ति की मांग को 'अनुचित' बताकर उसे कमतर नहीं आंक सकते।'

क्या है अभिनेत्री की इच्छा

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जब आप खुद एक बच्चे की मां बनती हैं, तब आपको समझ आता है कि इसमें कितनी मेहनत और समय लगता है। अगर मेरे पास भी ऐसी स्थिति होती जहां मैं मांग रख सकती, तो शायद मैं भी मांगती। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उस मुकाम पर हूं।'

दीपिका कैसे लड़ती हैं अपनी लड़ाइयां



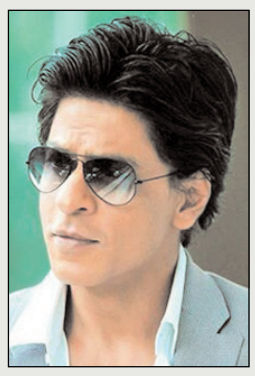
इससे पहले दीपिका पादुकोण ने बातचीत में बॉलीवुड में काम के माहौल और वेतन में समानता को लेकर चल रही बहस पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई स्तरों पर ऐसा किया है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि जहां तक वेतन की बात है, मुझे इससे जुड़ी हर स्थिति का सामना करना पड़ा है। मुझे नहीं पता कि इसे क्या नाम दूं, मगर मैं हमेशा अपनी लड़ाइयां चुपचाप लड़ती आई हूं। पता नहीं क्यों, कभी-कभी ये बातें सार्वजनिक हो जाती हैं, जो मेरे तरीके से अलग है और मेरी परवरिश भी ऐसी नहीं रही है।'



'दृश्यम 3' की सफलता के बाद करियर में बदलाव चाहते हैं जयदीप

अभिनेता जयदीप अहलावत अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब अभिनेता को उम्मीद है कि 'दृश्यम 3' की सफलता उनके करियर में अच्छे बदलाव लेकर आएगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह आगे किस तरह के किरदार निभाना चाहते हैं। बातचीत के दौरान जयदीप अहलावत से पूछा गया कि किसी फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने से एक अभिनेता के करियर पर क्या असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि इससे उनके करियर में क्या बदलाव आएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये बदलाव अच्छे होंगे। अभिनेता ने कहा, 'ब्लॉकबस्टर सफलता से मेरा करियर किस तरह बदलेगा, मुझे नहीं पता। लेकिन जो भी बदलाव होगा, उम्मीद है कि वह अच्छा होगा। मैं चाहता हूं कि मुझे अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों के ऑफर मिलें। मैं यह नहीं चाहता कि मुझसे बार-बार पुलिसवाले का किरदार निभाने के लिए कहा जाए।'

शाहरुख के साथ आएंगे नजर



जयदीप अहलावत ने बातचीत के दौरान अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी दूसरी फिल्म की रिलीज तय नहीं है। अभिनेता ने कहा, 'किंग' इस साल शाहरुख खान सर के साथ रिलीज हो रही है। इसके अलावा मेरी कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।'

'द पैराडाइज' के बाद अगले प्रोजेक्ट में जुटे राघव जुयाल



एक्टर राघव जुयाल हाल ही में साउथ फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आए थे। फिल्म में राघव ने विलेन का किरदार निभाया था, वहीं एक्टर नानी लीड रोल में थे। अब इसके बाद राघव जुयाल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं। दरअसल, राघव जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग से जुड़ी जानकारी बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि वे उनकी अगली फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग में लग गए हैं। इसके साथ उन्होंने एक बड़ा और भावुक नोट भी लिखा। राघव ने लिखा, 'आज मैं अपने करियर की सबसे अहम फिल्म की शुरुआत कर रहा हूं। ऐसा इसलिए नहीं कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म है, बल्कि इसलिए कि 12-13 साल पहले मैंने इसे देखा था, इसके सपने देखे थे और अपने मन में इसे जी भी लिया था।'

लीड रोल में नजर आएंगे राघव

उन्होंने आगे कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए इसलिए खास है, क्योंकि यह मुझे फिर से वहीं ले आई है, जहां से मैंने कभी शुरुआत की थी। यह मुझे याद दिलाती है कि जब आप किसी चीज को पाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं, उसे अपने सपनों में जीते हैं और हकीकत बनने से पहले ही उस पर विश्वास करते हैं, तो कभी-कभी पूरी कायनात उसे सच करने का रास्ता बना देती है। इस फिल्म को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि आज मैं उस फ्रेंचाइजी का मुख्य अभिनेता हूं, जिसमें कभी मैं पीछे खड़े होकर, दूर से सब कुछ देखा करता था।' सपना पूरा होने की बात करते हुए राघव ने लिखा, 'यह वही फिल्म है, जिसका हिस्सा बनने का सपना मैंने वर्षों पहले देखा था और जिस पर मुझे पूरा भरोसा था। अब आखिरकार मेरा यह सपना सच होने जा रहा है। मैं इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा दूंगा। यह अब तक की सबसे बेहतरीन डांस फिल्म होगी और मैं इसमें ऐसा प्रदर्शन देने का इरादा रखता हूं, जैसा किसी डांस फिल्म में पहले कभी नहीं देखा गया। कुछ सपने पूरे होने में वर्षों लग जाते हैं। लेकिन जब वे पूरे होते हैं, तो एहसास होता है कि शायद वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे।

हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला



एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) ट्रैक 'हार्ट कंट्रोलर' के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आजमाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेशन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'भारत की पहली बॉलीवुड ईडीएम सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फुल-लेंथ ईडीएम रिकॉर्ड/ट्रैक के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है।'

भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को लेकर साधा निशाना बोले–सरकार लोगों की जमीन छीनकर अरबपतियों को दे रही, शिक्षा व्यवस्था में आरएसएस के लोगों की नियुक्ति का भी लगाया आरोप

राहुल गांधी का दावा–सरकार की एक्सपायरी डेट करीब, जल्द पीएम और गृहमंत्री से निपटेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पणजी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट चोरी करते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं होता। राहुल ने कहा कि सरकार की एक्सपायरी डेट करीब आ रही है और कांग्रेस दिल्ली में प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री से जल्द निपट लेगी। उन्होंने दावा किया कि देश का युवा अब सरकार के खिलाफ खड़ा हो रहा है और प्रधानमंत्री पहले की तरह जनता के सामने मजबूती से खड़े नहीं हो पा रहे हैं। राहुल गांधी गोवा में कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' के समापन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कांग्रेस की यह यात्रा 28 दिन तक चली। पिछले चार वर्षों में राहुल गांधी का यह पहला गोवा दौरा बताया गया है। इससे पहले वह वर्ष 2022 में गोवा आए थे। राज्य में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राहुल के इस दौरे और उनके भाषण को आगामी चुनाव की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया और वोट चोरी के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'मैं हर स्टेट से कहता हूं कि पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। ' राहुल ने आगे कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से निपटने के लिए काम जारी है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त होने का समय नजदीक आ रहा है। राहुल के मुताबिक, देश के युवा अब सरकार के खिलाफ खड़े हो रहे हैं और यही वजह है कि प्रधानमंत्री जनता के सामने पहले की तरह मजबूती से खड़े नहीं हो पा रहे हैं। उनके इस बयान में केंद्र सरकार को लेकर राजनीतिक चुनौती और आगामी समय में कांग्रेस की रणनीति का संकेत दिखाई दिया। हालांकि, सरकार की कथित 'एक्सपायरी डेट' को लेकर राहुल ने अपने भाषण में कोई निश्चित तारीख नहीं बताई। सत्त शिक्षा व्यवस्था में भाजपा और आरएसएस के लोगों की नियुक्ति का आरोप राहुल गांधी ने देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पहले भारत की शिक्षा व्यवस्था को दुनिया में एक बेहतरीन मॉडल के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। राहुल ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न संस्थानों में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों को बैठाया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली में विद्यार्थियों के साथ कथित मारपीट का उल्लेख करते हुए भी सरकार पर निशाना साधा। उनका कहना था कि शिक्षा संस्थानों में राजनीतिक विचारधारा के आधार पर नियुक्तियां होने से व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। राहुल ने इस मुद्दे को देश के युवाओं और विद्यार्थियों के भविष्य से जोड़ते हुए केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। राहुल गांधी ने गोवा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में



हाईटेक भ्रष्टाचार और जमीन से जुड़े मामलों में अनियमितताओं का मॉडल चल रहा है। उन्होंने इसकी तुलना गुजरात में नरेंद्र मोदी के शासन के दौरान सामने आए राजनीतिक मॉडल से की। राहुल ने कहा कि गोवा में भ्रष्टाचार के इस कथित मॉडल को केवल कांग्रेस ही खत्म कर सकती है। उनके मुताबिक, राज्य में सरकार का ध्यान जनता की समस्याओं को दूर करने के बजाय पैसा बनाने पर केंद्रित है।उन्होंने जमीन से जुड़े मामलों को भी अपने भाषण का प्रमुख मुद्दा बनाया।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई की मांग की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दरअसल, पुलिस ने दोनों को अन्य CJP कार्यकर्ताओं के साथ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 13 अक्टूबर को पकड़ा था। इसके बाद स्पेशल कोर्ट ने दोनों को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों ने शांति बनाए रखने के बांड का उल्लंघन किया और जंतर-मंतर में प्रवेश किया। जंतर-मंतर को हाल में प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाया गया है।दावा- जमानतदार नहीं होने के



कारण हिरासत में भेजा गया CJP की लीगल टीम के मुताबिक, जमानतदार उपलब्ध नहीं होने के कारण सौरभ दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अब जमानतदारों के दस्तावेज रिकॉर्ड पर रखे गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिली थी। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था।पहले भी 50 हजार के मुचलके पर छूटे थे CJP टॉप लीडर्स उस दिन सुबह सौरव दास व आशुतोष रांका को CJP फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही पुलिस ने हिरासत में लिया था। तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था।

अहमदाबाद के पूर्वी इलाके में नवरात्रि के त्योहार पर खूनी खेल खेला गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में जहां एक तरफ खिलाड़ी नवरात्रि के पावन त्योहार पर माताजी की पूजा कर रहे थे और गरबा की धुन पर नाच रहे थे, वहीं दूसरी तरफ अहमदाबाद के पूर्वी इलाके से एक बेहद डरावनी और खूनी घटना सामने आई है। शहर के अमराईवाड़ी इलाके के गुलाबनगर में नवरात्रि के रास-गरबा की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। पुरानी



रंजिश में चार लोगों ने 28 साल के युवक पर चाकू से अंधाधुंध जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को सुबह-सुबह श्रत. हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दिल दहला देने वाली मौत हो गई है! मृतक विकेश गुर्जर कौन था? यह भयानक घटना कैसे हुई?

नवरात्रि के नौ दिनों में एथलीटों का अनोखा उत्साह! गरबा खेलने से पहले 'इंस्टेंट ग्लो' पाने का युवाओं में ज़बरदस्त क्रेज़



महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद / गुजरात। देवी अंबा की पूजा का महापर्व नवरात्रि शुरू होते ही पूरा गुजरात त्योहारों के रंगों में रंग गया है। नवरात्रि के नौ दिनों में रास-गरबा करने के लिए एथलीटों में अनोखा और ज़बरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। पारंपरिक चनियाचोली, कच्छी केड़ियां, ऑक्सिडाइज़्ड ज्वेलरी और पारंपरिक लुक के साथ, इस बार एथलीटों ने रात में गरबा स्टेज पर और लाइटों की चमक के बीच सबसे अलग दिखने का नया ट्रेंड अपनाया है। गुजरात के युवाओं और खिलाड़ियों में गरबा खेलते समय चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए खास ब्यूटी ट्रीटमेंट और स्किन केयर प्रोसीजर करवाने का ज़बरदस्त क्रेज़ है। नवरात्रि शुरू होने से हफ्तों पहले से ही लड़के-लड़कियां तैयारी शुरू कर देते हैं ताकि गरबा ग्राउंड में हजारों लोगों और हाई-वोल्टेज लाइट्स के सामने उनका चेहरा हमेशा ग्लो करता रहे। इस साल रेगुलर फेशियल या ब्लीच करवाने के बजाय, युवाओं में एडवांस्ड डर्मेटोलॉजिकल और एस्थेटिक ट्रीटमेंट का क्रेज बढ़ गया है। सिर्फ़ लड़कियां ही नहीं, बल्कि गरबा के शौकीन लड़के भी केडियान के साथ अपने लुक को रॉकिंग बनाने के लिए स्किन केयर और ग्रूमिंग सेशन में काफ़ी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। बैकड्रॉप लाइटिंग और इंस्टाग्राम रील्स और सोशल मीडिया पर सेल्फी में परफेक्ट लुक पाने के क्रेज़ ने इन दिनों ब्यूटी इंडस्ट्री में अरबों रुपये का बिज़नेस खड़ा कर दिया है इस उत्साह के बीच, डर्मेटोलॉजिस्ट एथलीट्स को चेतावनी दे रहे हैं कि वे सिर्फ़ एक रात में गोरा या चमकदार दिखने के चक्कर में रातों-रात अनजान या केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करें।

बोटाद जिले के ढासा पुलिस स्टेशन के PSI GD अहीर का लाइव रिजर्व में ट्रांसफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोटाद। जिले के गढडा तालुका के ढासा पुलिस स्टेशन में काम कर रहे पुलिस सब इंस्पेक्टर GD अहीर का लाइव रिजर्व में ट्रांसफर कर दिया गया है। पता चला है कि इस बारे में बोटाद डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ धर्मेंद्र शर्मा ने ऑर्डर दिए हैं। यह फैसला जलालपर गांव में शराब के मुद्दे पर PSI के कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ढासा पुलिस स्टेशन के तहत जलालपर गांव के प्राइमरी स्कूल में लोक दरबार प्रोग्राम रखा गया था। इस प्रोग्राम के दौरान गांववालों ने PSI GD अहीर के सामने गांव में शराब की



गैर-कानूनी बिक्री को लेकर एक प्रेजेंटेशन दिया था। इसी प्रेजेंटेशन का बताया जा रहा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में दावा किया गया था कि PSI GD अहीर ने 'शराब कभी बंद नहीं होगी, इसे कंट्रोल किया जा सकता है' और 'कोई भी सरकार आए, लेकिन शराब कभी बंद नहीं होगी' के नाम पर बयान दिया था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारी के कथित बयान को लेकर चर्चा शुरू हो गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए बोटाद डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ धर्मेंद्र शर्मा ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। पता चला कि जांच की जिम्मेदारी बोटाद DySP महर्षि रावल को सौंपी गई है। वहीं, PSI GD अहीर का ट्रांसफर लाइव रिजर्व में कर दिया गया है। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि इस पूरे मामले की जांच में क्या फैक्ट्स सामने आते हैं और पुलिस डिपार्टमेंट आगे क्या एक्शन लेता है।

कोलकाता दुर्गा पंडाल में भगदड़: मां को आंखों के सामने खोया, किसी ने बच्चे को भीड़ से बाहर फेंककर बचाया

बारिश से बचने के लिए गेट पर मची धक्का-मुक्की, संकरे और अंधेरे रास्ते में दम घुटने से बिगड़े हालात



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम मची भगदड़ ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। बारिश से बचने और पंडाल के भीतर जाने की कोशिश में प्रवेश द्वार पर भीड़ बढ़ती चली गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की ने भयावह रूप ले लिया। संकरे रास्ते में फंसे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे और भीड़ के बीच सांस लेना मुश्किल हो गया। इस हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। मृतकों में ऐसे लोग भी शामिल थे, जो अपने परिवार के साथ मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचे थे। हादसे के बाद सामने आई प्रत्यक्षदर्शियों की आपबीती से घटनास्थल पर मचे हाहाकार का अंदाजा लगाया जा सकता है। किसी ने अपनी मां को आंखों के सामने दम तोड़ते देखा, तो किसी ने अपने पांच साल के बेटे की जान बचाने के लिए उसे भीड़ के दूसरी ओर फेंक दिया। कई लोग अपने परिजनों से बिछड़ गए। कुछ परिवारों को अस्पताल में अपनों की तलाश करनी पड़ी, जबकि कई लोगों को वहां पहुंचने पर पता चला कि उनके प्रियजन अब इस दुनिया में नहीं रहे। हादसे में अपनी मां को खोने वाले 25 वर्षीय सोनू पाल ने बताया कि शनिवार शाम बारिश हो रही थी। ऐसे में कोई भी बाहर नहीं रहना चाहता था। बारिश से बचने के लिए प्रवेश द्वार पर खड़े लोग जल्द से जल्द अंदर जाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान धक्का-मुक्की बढ़ गई और भीड़ बेकाबू हो गई। सोनू के मुताबिक, भीड़ इतनी घनी हो गई थी कि सांस लेना मुश्किल हो गया। अंदर खड़े लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे और वह खुद भी लोगों के नीचे दब गए। किसी तरह उन्होंने खुद को संभाला और अपनी मां तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सोनू ने बताया कि जब वह मां के पास पहुंचे, तब उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने अपनी मां को आंखों के सामने दम तोड़ते देखा। यह हादसा उनके लिए जिंदगी का सबसे दर्दनाक अनुभव बन गया। दुर्गा पूजा के दौरान परिवार के साथ दर्शन करने पहुंचे सोनू के लिए यह शाम कभी न भूलने वाला दुख लेकर आई। आसनसोल से आए एक व्यक्ति ने बताया कि प्रवेश द्वार पर करीब डेढ़ घंटे से लोगों की कतार लगी हुई थी। बारिश शुरू होने के बाद लोग जल्दी से जल्दी पंडाल के अंदर पहुंचना चाहते थे। उनके अनुसार, प्रवेश का रास्ता संकरा था और वहां पर्याप्त रोशनी भी नहीं थी। उन्होंने बताया कि अंधेरे में एक छोटी बच्ची और एक लड़का गिर गए। इसके बाद भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। वह खुद भी गिर पड़े। बच्चों के ऊपर कई लोग गिर गए थे, जिससे हालात और गंभीर हो गए। इस घटना में उनकी बेटी और पोती को भी चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शी के बयान से संकेत मिलता है कि बारिश के बीच प्रवेश द्वार पर जमा भीड़, संकरा रास्ता और कम रोशनी लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गए थे। वर्धमान से परिवार के साथ दुर्गा पूजा देखने आए एक व्यक्ति ने हादसे की दर्दनाक कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि भगदड़ शुरू होने के बाद उनका परिवार भी भीड़ के बीच फंस गया। चारों तरफ धक्का-मुक्की हो रही थी और लोगों को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा था।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौराः जामनगर रिफाइनरी में बिताएंगे 9 घंटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले सप्ताह दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। इस यात्रा के दौरान उनका गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज के विशाल रिफाइनरी परिसर में करीब नौ घंटे बिताने का कार्यक्रम बताया जा रहा है। यहां उनकी मुलाकात रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से भी होगी। रुबियो की यह यात्रा ऐसे समय हो रही



है, जब रिलायंस के अमेरिका के टेक्सास में एक बड़े तेल रिफाइनरी प्रोजेक्ट में निवेश करने की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हैं। ऐसे में जामनगर का दौरा ऊर्जा कारोबार, ईंधन आपूर्ति और दोनों देशों के बीच निवेश संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रुबियो 20 अक्टूबर को मुंबई पहुंचेंगे और अगले दिन गुजरात के जामनगर के लिए रवाना होंगे। वहां वे रिलायंस के रिफाइनरी परिसर का जायजा लेने के साथ मुकेश अंबानी से बातचीत करेंगे। कार्यक्रम में रिलायंस के वनतारा वन्यजीव एवं पशु पुनर्वास केंद्र का दौरा भी शामिल हो सकता है। हालांकि, इस दौरे के दौरान होने वाली बातचीत के सभी विषयों और संभावित समझौतों का आधिकारिक विवरण सामने आना बाकी है। रुबियो के जामनगर दौरे को लेकर सबसे अधिक चर्चा रिलायंस इंडस्ट्रीज की अमेरिका में संभावित निवेश योजना को लेकर है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कंपनी टेक्सास में एक बड़ी तेल रिफाइनरी परियोजना में निवेश करने की तैयारी कर रही है।

राजनीतिक प्रदर्शन में शामिल होने से शुरू हुआ विवाद, कमबैक फिल्म के प्रचार पर भी पड़ सकता है असर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता इमरान खान ने भारत छोड़ने के निर्देश को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने अपनी याचिका में संबंधित नोटिस को मनमाना, गैरकानूनी और असंवैधानिक बताते हुए उसे जारी करने के आधार पर सवाल उठाए हैं। यह मामला मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में इमरान की कथित भागीदारी से जुड़ा है। इस बीच मुंबई के विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने उन्हें एक दूसरा नोटिस भी जारी किया है। इसमें पूछा गया है कि उनका ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड क्यों न रद्द कर दिया जाए। इमरान को इस नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है, जबकि पहले नोटिस में उन्हें 28 अक्टूबर से पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इमरान खान ने अपने वकील जुल्फिकार मेमन और एमजेडएम लीगल के माध्यम से याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नोटिस जारी करते समय पुलिस ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया और न ही अपने निर्णय के समर्थन में दस्तावेज उपलब्ध कराए। इमरान का कहना है कि उन्हें अपना पक्ष रखने का उचित



अवसर भी नहीं दिया गया। उन्होंने इस कार्रवाई को संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत प्राप्त अधिकारों के उल्लंघन से जोड़ते हुए उचित कानूनी प्रक्रिया और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। इमरान खान की ओर से दाखिल याचिका में भारत छोड़ने के नोटिस को चुनौती देते हुए कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों ने कार्रवाई करने से पहले उन्हें पर्याप्त जानकारी नहीं दी। याचिका के अनुसार, नोटिस में कार्रवाई के स्पष्ट आधार का उल्लेख नहीं किया गया और न ही ऐसे दस्तावेज दिए गए, जिनसे यह समझा जा सके कि उनके खिलाफ यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया। अभिनेता की कानूनी टीम ने सवाल उठाया है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ इतनी गंभीर कार्रवाई करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का अवसर क्यों नहीं दिया गया। याचिका में यह भी पूछा गया है कि उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना नोटिस कैसे जारी किया गया। इमरान ने अधिकारियों से नोटिस जारी करने का आधार स्पष्ट करने की मांग की है। याचिका में 10 अक्टूबर को पुलिस हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई को भी गलत बताया गया है। इमरान का कहना है कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई एक राजनीतिक दल के नेता की शिकायत के बाद शुरू हुई। हालांकि, इन सभी मुद्दों पर अंतिम निर्णय अदालत और संबंधित अधिकारियों की प्रक्रिया के आधार पर ही होगा। मामले में मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ के सामने जल्द सुनवाई की मांग किए जाने की बात सामने आई है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, याचिका में उठाए गए सवालों और नोटिस की वैधता पर अदालत का अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है। भारत छोड़ने के नोटिस के बीच एफआरआरओ ने इमरान खान को दूसरा नोटिस जारी कर उनके ओसीआई कार्ड को रद्द किए जाने के संबंध में जवाब मांगा है। उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। इस नोटिस के बाद मामला केवल भारत छोड़ने के निर्देश तक सीमित नहीं रह गया है, हालांकि, ओसीआई कार्डधारक भारतीय नागरिक नहीं होते और उन्हें भारतीय नागरिकों जैसे राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं होते।

भरूच डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्री नवनाथ गव्हाणे की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन और शिकायत निवारण कमेटी की मीटिंग हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। भरूच डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्री नवनाथ गव्हाणे की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग भवन में भरूच डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन और शिकायत निवारण कमेटी की मीटिंग हुई। मीटिंग में जिले के अलग-अलग डिपार्टमेंट्स के परफॉर्मेंस का रिव्यू किया गया और पब्लिक इंटरेस्ट से जुड़े मामलों, पेंडिंग



शिकायतों और डेवलपमेंट से जुड़े मामलों पर चर्चा की गई। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को लोगों के मामलों को समय पर और सही तरीके से हल करने और अलग-अलग डिपार्टमेंट्स के बीच आपसी कोऑर्डिनेशन बनाए रखकर काम करने के लिए ज़रूरी गाइडेंस और निर्देश दिए। मीटिंग के पहले हिस्से में श्र्क रमेशभाई मिस्त्री ने शिकायत निवारण के तहत पेंडिंग कई इश्यूज़ पेश किए। हेल्थ, पानी, सड़क, नेशनल हाईवे की खराब सड़क की मरम्मत, भड़भूत बैराज प्रोजेक्ट के रिव्यू समेत पब्लिक इंटरेस्ट के मुद्दों पर चर्चा हुई। ह्यादु को राजपीपला चौकड़ी और झाड़ेश्वर सर्विस रोड, अंदाडा-मांडवा के बीच डामर का काम, अमरावती खाड़ी ब्रिज पर नया पुल और हाईवे की मरम्मत और नेशनल हाईवे के पुल के नीचे सफाई का सुझाव दिया गया। भड़भूत बैराज स्कीम का ऑपरेशन, भड़भूत बैराज स्कीम के ज़रिए ग्रामीण, शहरी और इंडस्ट्रियल यूनिट्स में पानी की सुविधा, नौ गांवों की स्कीम, 15 से ज़्यादा गांवों में पानी की लाइनें, बॉक्स सीवर लाइन समेत मुद्दों पर चर्चा हुई। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने संबंधित डिपार्टमेंट्स को उठाए गए मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए ज़रूरी एक्शन लेने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने श्वस्ट्रष्ट हॉस्पिटल का दायरा बढ़ाने और इसकी सुविधाओं को इंडस्ट्रियल वर्कर्स के लिए आसान बनाने के साथ-साथ ऑन-व्हीकल की सुविधा बढ़ाने को कहा।

कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भीषण भगदड़, 19 लोगों की मौत, 25 घायल; पूजा समिति के सात सदस्य गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार रात हुई भीषण भगदड़ ने उत्सव के माहौल को गहरे मातम में बदल दिया। इस दर्दनाक हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। घटना की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हादसे के बाद सामने आए वीडियो में पंडाल के भीतर और बाहर लोगों की भारी भीड़, अफरा-तफरी और संकरे रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं की स्थिति दिखाई दे रही है। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूजा समिति के सचिव और उपाध्यक्ष समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इस हादसे के बाद जहां मृतकों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं घायलों के उपचार और घटना की जिम्मेदारी तय करने को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। मामले ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। एक ओर विपक्ष के नेता ने इस समय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से बचने की अपील की है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष ने घायलों को सरकारी अस्पताल से निजी अस्पतालों में स्थानांतरित किए जाने पर सवाल उठाए हैं। हादसे से जुड़े दो वीडियो सामने आए हैं, जिनमें उस रात पंडाल के आसपास और भीतर की स्थिति दिखाई देती है। इनमें से 27 सेकेंड के एक वीडियो में बारिश के बीच सैकड़ों लोगों को तेजी से पंडाल में प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। लोग लगातार अंदर की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान भीड़ का दबाव बढ़ने और लोगों की आवाजाही तेज होने के बीच स्थिति किस तरह गंभीर हुई, यह वीडियो घटना की भयावहता को सामने लाता है। दूसरे वीडियो में पंडाल के भीतर एक संकरे रास्ते में बड़ी संख्या में लोग फंसे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ इतनी घनी थी कि लोग एक-दूसरे से सटकर खड़े थे। दबाव के कारण उन्हें हिलने-डुलने तक की पर्याप्त जगह नहीं मिल रही थी। वीडियो में महिलाओं और बच्चों के मदद के लिए चीखने की बात भी सामने आई है। संकरे रास्ते में इस तरह भीड़ का जमा होना लोगों के लिए बेहद मुश्किल स्थिति पैदा कर रहा था। दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे आयोजनों में लोगों की आवाजाही को व्यवस्थित रखना



और भीड़ के दबाव को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण होता है। चोरबागान में हुए इस हादसे के बाद पंडाल की व्यवस्था, लोगों के प्रवेश और निकास तथा भीड़ प्रबंधन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.